# ग्रन्थकर्त्ता का वक्तव्य ।

वास्तव में प्रस्तुत पुस्तक का आरम्भ उसी वर्ष हो गया था, जब मुझे देवनागरी-हाईस्कूल में भूगोल-अध्यापन का काम सौंपा गया था। "भूगोल" पत्र का जन्म भी इसलिए हुआ कि हिन्दी में भूगोल-सम्बन्धी साहित्य सुलभ हो सके। जब बिहार के कुछ स्कूलों ने हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बनाया और इस विषय की अनुकूल पुस्तकें उपलब्ध न हो सकीं, तब श्रीमान् अध्यापक रामरत्नजी, भूतपूर्व परीक्षा-मन्त्री हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन प्रयाग, श्रीमान् पंडित गङ्गादत्तजी पांडे बी० ए० बल्टी हेडमास्टर देवनागरी-हाईस्कूल मेरठ तथा बिहार के कई मित्रों ने हाईस्कूल के योग्य भूगोल की पाठ्य-पुस्तक शीघ्र ही समाप्त करने के लिए अनुरोध किया। भौगोलिक साहित्य-द्वारा विद्यार्थी-समाज की सेवा करने के लिए मैं निस्सन्देह अत्यन्त उत्सुक था। १९२६ ई० के जनवरी मास में आस्ट्रेलिया का विवरण पहले "भूगोल" में प्रकाशित हुआ। भिन्न भिन्न प्रान्तों के भूगोलाचार्यों ने इसे पसन्द किया। जब श्रद्धेय प्रोफ़ेसर कौशलकिशोर ने इस विवरण को भाषा और विषय की दृष्टि से हाईस्कूलपरीक्षा के लिए बहुत ही अनुकूल बताया, और ग्रन्थ पूरा करने की सम्मति दी, तब तो मुझे बड़ा ही प्रोत्साहन मिला। सौभाग्य से, इंडियन प्रेस के सुयोग्य मैनेजर ने पुस्तक को प्रकाशित करने का भार अपने ऊपर ले लिया और सभी तरह की सुविधा पहुँचाई।

भूमिका-लेखक श्रीमान् जे० सी० मैनरी एम० ए० पी० एच० डी० की सहायता से इस पुस्तक का प्रयोग करनेवाले अध्यापकों के लिए एक छोटी सी पुस्तक इंडियन प्रेस में प्रकाशित हो रही है। इसमें विशेष रूप से अध्यापन-शैली, खेतों की सैर का ढंग, प्रयोगात्मक कार्य, और नक़शा खींचना आदि कई बातों का उल्लेख रहेगा। मैं इन सब सज्जनों

# INTRODUCTORY

| विषय | पृष्ठ |
|---|---|
| एलास्का | ... २८५ |
| ३५ सप्तम अध्याय | ... २८६ |
| संयुक्तराष्ट्र अमरीका | ... २९९ |
| ३६ अष्टम अध्याय | ... २९९ |
| मेक्सिको | ... २९९ |
| ३७ नवम अध्याय | ... ३०५ |
| मध्य अमरीका | ... ३०५ |
| **दक्षिणी अमरीका** | |
| ३८ दशम अध्याय | ... ३११ |
| प्राकृतिक विभाग | ... ३११ |
| ३९ एकादश अध्याय | ... ३१८ |
| जलवायु | ... ३१८ |
| वनस्पति | ... ३२० |
| पशु | ... ३२८ |
| मनुष्य | ... ३८९ |
| ४० द्वादश अध्याय | ... ३३० |
| ( राजनैतिक विभाग ) | |
| वेनिज़्वेला | ... ३३० |
| ब्रिटिशगायना | ... ३३१ |
| कोलम्बिया | ... ३३२ |
| पेरू | ... ३३५ |
| बोलिविया | ... ३३७ |
| चिली | ... ३३९ |
| अर्जेन्टाइना | ... ३४३ |
| यूरुग्वे | ... ३४५ |
| पैरग्वे | ... ३४६ |
| ब्रेज़िल | ... ३४६ |
| **चतुर्थ भाग** | |
| **अफ्रीका** | |
| ४१ प्रथम अध्याय | ... ३५३ |

| विषय | पृष्ठ |
|---|---|
| स्थिति विस्तार और बनावट | ... ३५३ |
| ४२ द्वितीय अध्याय | ... ३६६ |
| जलवायु | ... ३६६ |
| वनस्पति | ... ३६९ |
| पशु | ... ३७१ |
| पेशे | ... ३७२ |
| राजनैतिक विभाग | ... ३७३ |
| ४३ तृतीय अध्याय | ... ३७६ |
| एटलस प्रदेश | ... ३७६ |
| मराको | ... ३७६ |
| अलजीरिया | ... ३७७ |
| ट्यूनीशिया | ... ३७८ |
| ट्रिपली | ... ३७९ |
| ४४ चतुर्थ अध्याय | ... ३८० |
| सहारा | ... ३८० |
| मिस्र | ... ३८४ |
| मिस्री सूडान | ... ३८७ |
| ४५ पंचम अध्याय | ... ३८८ |
| झीलों का पठार | ... ३८८ |
| कीनिया कलोनी और यूगांडा | ... ३८९ |
| तंगनायका-प्रदेश | ... ३९२ |
| मुज़म्बीक़ | ... ३९५ |
| मेडेगास्कर | ... ३९६ |
| एबिसीनिया | ... ३९६ |
| पश्चिमी सूडान | ... ३९७ |
| नाइजीरिया | ... ३९८ |
| ब्रिटिशगिनी-प्रदेश गेम्बिया-प्रदेश | ... ३९९ |

| विषय | पृष्ठ |
|---|---|
| सिअरालिओन, गोल्ड | ४०० |
| कोस्ट कलोनी | ४०० |
| कांगो | ४०१ |
| अङ्गोला | ४०३ |
| ४६ षष्ठ अध्याय | ४०५ |
| दक्षिणी अफ्रीका | ४०५ |
| नैटाल | ४०७ |
| आरेंज फ्री स्टेट, ट्रान्सवाल | ४०९ |
| बेचुआनालैंड, बसूटोलैंड | ४११ |
| जुलूलैंड, स्वाजीलैंड, रोडेशिया | ४१२ |
| आस्ट्रेलिया | ४१४ |
| ४७ सप्तम अध्याय | ४१४ |
| विस्तार | ४१४ |
| स्थिति | ४१४ |
| प्राकृतिक विभाग | ४१[illegible] |
| खनिज | ४[illegible] |
| जलवायु | ४[illegible] |
| वनस्पति | ४[illegible] |

| विषय | पृष्ठ |
|---|---|
| पशु | ४३१ |
| मूलनिवासी | ४३५ |
| पेशे | ४३७ |
| राजनैतिक विभाग | ४४१ |
| न्यूगिनी | ४४१ |
| हीन्सलैंड | ४४३ |
| न्यूसाउथवेल्स | ४४५ |
| विक्टोरिया | ४४८ |
| टसमेनिया | ४५० |
| साउथ आस्ट्रेलिया | ४५२ |
| नार्दन टेरीटरी | ४५३ |
| पश्चिमी आस्ट्रेलिया | ४५३ |
| न्यूज़ीलैंड | ४५६ |
| प्रशान्त महासागर के द्वीप | ४६२ |
| अनुक्रमणिका तथा कोष | १-१९ |
| संसार के प्रसिद्ध स्थानों का तापक्रम और वर्षा | १-२ |

# एशिया

## प्रथम अध्याय

## प्राकृतिक विभाग

**विस्तार व स्थिति**—[illegible]

एशिया महाद्वीप का लगभग आधा भाग डेढ़ हज़ार फ़ीट से ज़्यादा ऊँचा है। १/६ भाग तो मानो दो मील से ऊपर ऊँचा है। यदि सारा महाद्वीप समतल कर दिया जावे तो भी प्रत्येक भाग की ऊँचाई ३,००० फ़ुट रहेगी। बनावट के अनुसार एशिया निम्न भागों में बँटा हुआ है:—

**(१) उत्तरी-पश्चिमी निचला मैदान**—दुनियाँ का विशाल मैदान [illegible] से लेकर [illegible] तक फैला हुआ है। [illegible] यूराल पहाड़ [illegible]

[illegible]

कास्पियन सागर और मेसोपोटामिया के बीच में पर्वतीय प्रदेश की चौड़ाई ३०० मील से भी कम है। पर पूरब में स्टेनोवाई और **नानलिंग** के बीच की दूरी २,००० मील है। मध्य-एशिया के पहाड़ों की श्रेणियाँ योरप में भी चली गई हैं।

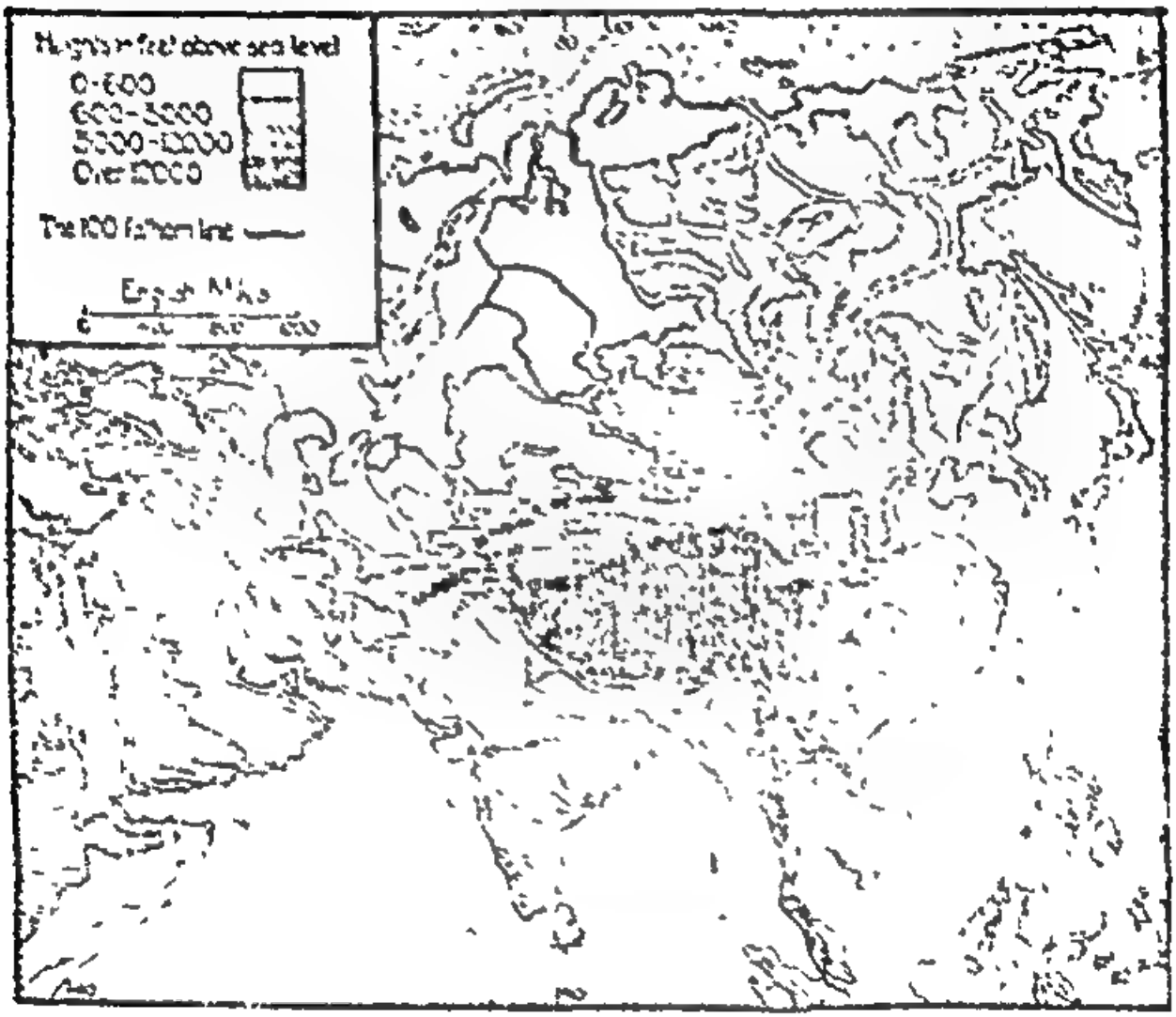


एशिया का धरातल

मध्यवर्ती पठार के उत्तरी पूर्वी सिरे बहुत घिस गये हैं। **अल्टाई** और **सायन** के उच्च प्रदेश साइबेरिया के मैदान को मंगोलिया के पठार से अलग करते हैं। मंगोलिया के पूर्व में जमीन के ऊँचे होते होते

# द्वितीय अध्याय

**नदियाँ**—मध्यवर्ती पठार का आकार विशाल [illegible] के समान है। इसलिए उत्तर की ओर बहनेवाली नदियाँ आर्कटिक सागर में गिरती हैं। पूर्वी नदियाँ अपना पानी प्रशान्त महासागर में पहुँचाती हैं। दक्षिण की ओर [illegible] नदियाँ हिन्द महासागर में [illegible] हैं। भूमध्यसागर में कोई बड़ी नदी नहीं पहुँच पाती है। **अरलसागर, मरासागर, सीस्तान** और **लाइनार** [illegible]

**आर्कटिक महासागर** [illegible] बड़ी नदी

**ओबी** [illegible]

[illegible] **श** [illegible] **नीसी** [illegible]

[illegible] **लीना** [illegible]

[illegible]

**आमू दरया** [illegible] **दरया** [illegible]

[illegible]

[illegible] **अरलसागर** [illegible]

[illegible] **दजला** [illegible] **फरात**

[illegible]

[illegible] और [illegible] दोनों [illegible] पूर्व की ओर [illegible] प्रशान्त महासागर में गिरती हैं। आमूर (२,७०० मील) [illegible] से निकलती है और [illegible] सागर में गिरती है। [illegible] आस्ट्रेलिया [illegible] अलग करती है। ह्वांगहो* या [illegible] (२,३०० मील) और यांग्सीक्यांग, या [illegible] (३००० मील) पूर्वी तिब्बत में [illegible] हिमालय से निकलती है।

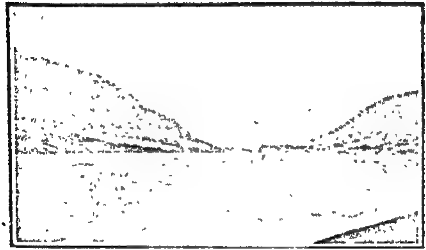

[illegible]

*[illegible] प्रशान्त महासागर [illegible]

[illegible]

निचले भाग में किनारों पर बाँध बँधे हैं। इसका ऊँचा पथ बहुत टेढ़ा है। बाँध टूटने पर निचली भूमि बाढ़ से डूब जाती है और नदी एक नया मार्ग बना लेती है। सन् १८८७ ई० के पहले यह शांटंग प्रायद्वीप के दक्षिण में होकर पीले सागर में प्रवेश करती थी। उस साल इसने तटों को तोड़ डाला और दस लाख मनुष्यों को डुबा दिया। अब यह प्रायद्वीप के उत्तर में होकर समुद्र में गिरती है। इसका और भी प्राचीन इतिहास खोजने से इसके और भी अधिक मार्ग मिलेंगे। यांग्टिसी नदी में भी खूब बाढ़ आती है।

---

# चतुर्थ अध्याय

## वनस्पति, पशु और मनुष्य

**वनस्पति :**—विशाल आकार और विविध जलवायु होने के कारण एशिया में चार बड़े बड़े वनस्पति के कटिबन्ध हैं:—

(१) टुंड्रा।

(२) वन—(अ) उत्तरी देवदारु के वन, (ब) पतझड़ के वन, जो शीतकाल में पत्तों से शून्य हो जाते हैं, (ग) सदा हरे-भरे रहने-वाले भूमध्य-सागर के निकटवर्ती प्रदेशों के वन, जहाँ सरदी में वर्षा होती है—और इन प्रदेशों के हरे-भरे वन, जहाँ गरमी में पानी बरसता है; (द) दक्षिणी एशिया के उष्ण कटिबन्ध के वन।

(३) वृक्ष-रहित प्रदेश—(क) साइबेरिया, तूरान, मंचूरिया के स्टेप और ऊँचे पठार; (ख) कटीली झाड़ी के प्रदेश और रेगिस्तान; (ग) नमकीनी निचले प्रदेश।

(४) पर्वतीय प्रदेश, जहाँ भिन्न भिन्न ऊँचाई पर भिन्न भिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ होती हैं, यहाँ तक कि अन्त में हिम-तरंगित प्रदेश आ जाता है।

एशिया का टुंड्रा प्रदेश भी योरप के टुंड्रा प्रदेश से कहीं बड़ा है। यहाँ केवल दो ही ऋतुयें होती हैं—(१) शरद ऋतु लम्बी अँधेरी और अत्यन्त ठंडी होती है। इसमें पौधे धारण करते हैं। (२) गरमी की ऋतु छोटी होती है। पर इसमें धूप लगातार रहती है। इसलिए पौधे बड़ी तेज़ी से उगते हैं। धरातल पर जमी हुई बरफ़ वसंत में पिघलती है। बर्फ़ गल जाने पर जहाँ भूमि निकल आती

एशिया की वनस्पति

(क) टुंड्रा और ऊँचे पर्वत (ख) टैगा या देवदार के वन (ग) स्टेपी भूमि (घ) पर्णपाती वन (ङ) भूमध्यसागर के प्रदेश (च) ग्रीष्म कालीन वर्षा (छ) मानसून तथा भूमध्यरेखावर्ती वन (ज) सवाना (झ) वृक्षरहित प्रदेश (ञ) मरुभूमि

[illegible] के पेड़ होते हैं। कुछ पेड़ों से दूध सा रस निकलता है। इससे रबड़ बनती है। [illegible] को यहाँ [illegible] की फौज उड़ती है, जो विचित्र आनन्द देती है।

भूमध्यरेखा से दूर केवल एक ऋतु में पानी बरसता है और दूसरी में सूखा रहता है। इसलिए यहाँ के पेड़ों और पौधों की ऐसी बनावट होती है कि वे सूखे को सह लेते हैं। इनका छाल मोटी और पत्तियाँ पखवार या मोटी होती हैं। फिर भी यहाँ के वन शीतोष्ण कटिबन्ध के वनों से अधिक घने होते हैं। उत्तरी ब्रह्मदेश और भारत के पश्चिमी घाट के वनों में सब से अधिक कड़ी और मूल्यवान् लकड़ी होती है इसे काट कर नदियों के द्वारा देश के निचले भागों में बहा लाते हैं।

उष्ण कटिबन्ध में वनस्पति भोजन अधिक है, पर यहाँ के घने जङ्गलों में बहुत से जानवरों के लिए घुसना दुर्गम है। यहाँ के मुख्य जानवर या तो पेड़ों पर रहते हैं या वे इतने भारी होते हैं कि वे अपने लिए रास्ता साफ कर लेते हैं। बन्दर और लंगूर पेड़ पर रहते हैं। उनकी लम्बी बाहें एक टहनी से दूसरी टहनी तक पहुँच जाती हैं। वे कूद कर उसे अपनी अँगुलियों और पूँछ से इतना मजबूत पकड़ लेते हैं कि धरती पर रहनेवाले जानवर देखकर दङ्ग रह जाते हैं। यहाँ के साँप झाड़ियों में बड़ी सुगमता से खिसक सकते हैं और पेड़ों पर भी चढ़ सकते हैं। चिड़ियों को भी वन का जीवन अनुकूल पड़ता है। इनमें अधिकतर कई प्रकार के तोते होते हैं। ये अक्सर हरे होते हैं, जिससे इनका रङ्ग वन के रङ्ग में मिल कर इनका रक्षा करता है। बड़े बड़े जानवरों में हाथी और गैंडा मुख्य हैं। विशाल जङ्गली सूअर भी यहाँ पाये जाते हैं। यहाँ के कुछ जानवर शाकाहारी होते हैं जो फल या पत्ते खाते हैं और कुछ मांसाहारी होते हैं, जो दूसरों का मांस खाकर या रक्त चूस कर अपना निर्वाह करते हैं। बोर्नियो का विशाल औरङ्ग फल खाता है। चीता मनुष्यों और पशुओं को मारकर खाता है। खून चूस कर निर्वाह करनेवाले वहाँ बहुत से कीड़े मकोड़े होते हैं।

इसके सबसे ऊँचे भाग पहाड़ी घास से ढके रहते हैं। यहाँ ढूँढ़ी के समान ही (अल्पायन) पौधे होते हैं अथवा बर्फ जमी रहती है।

पहाड़ी प्रदेशों में जङ्गली पशुओं को छिपने के स्थान मिल जाते हैं। पर बस्ती बढ़ने पर उन्हें दुर्गम भागों की शरण लेनी पड़ती है। इनमें जङ्गली भेड़ें और बकरे मुख्य हैं। कुछ मांसाहारी पशु भी हैं। उसका रङ्ग बारह के समान सफेद होता है। तेंदुआ अधिक ऊँचाई पर पाया जाता है। तिब्बत के ऊँचे पठार में ऊन के समान बड़े बड़े बाल वाला याक होता है। यह ऊँचे से ऊँचे दर्रों को पार कर सकता है। इसका दूध अच्छा होता है जो खाया जाता है। यहाँ का एक-मात्र ईंधन इसी का गोबर होता है।

**खेती के पौधे**—बहुत से प्राकृतिक विभाग धीरे धीरे जोते जा रहे हैं। पर सभ्यता की उत्पत्ति दक्षिणी पूर्वी समुद्रों में गिरनेवाली नदियों की घाटियों में होती है। मेसोपोटामिया और हिन्दुस्तान तथा चीन के मैदान उस समय में भी मनुष्य से आबाद थे जब योरप के सब भाग निर्जन थे। मनुष्य ने स्टेपी में भी घर बनाया और वहाँ जानवर भी पाल लिये। खेती होने लगी है। भूमध्यसागर और मानसूनी वन बहुत ही पहले से साफ हो चुके हैं। टैगा (साइबेरिया का वन) भी साफ हो रहा है।

एशिया में जीवन का पहला आवश्यक वस्तु पानी है। सबसे पहले बसे हुए देशों में नियत ऋतु में मानसूनी वर्षा होती थी अथवा नदियों में नियम से बाढ़ आती थी। फिर मनुष्यों ने सूखे ऋतु के लिए पानी जमा करना और खेती की सींचना सीख लिया। उत्तरी भारत में सिंचाई की बड़ी बड़ी नहरों के कारण खेती की जमीन बहुत बढ़ गई है। ये नहरें सिंध और गङ्गा नदी का पानी सूखे भागों में ले आती हैं। इसी प्रकार की नहरें रूसी लोग तूरान में खोल रहे हैं। दजला और फरात नदियाँ भी अब फिर से मेसोपोटामिया को अपनी नहरों द्वारा उपजाऊ बनाने का काम करेंगी।

और शरीर पर मलने के काम आता है। भूमध्यसागर-प्रदेश में जैतून के बीज से सर्वोत्तम तेल मिलता है। बिनौलों (कपास के बीज) का तेल तुरान अथवा रूसी तुर्किस्तान में अधिक काम में आता है। दक्षिणी मानसूनी प्रदेशों में तेल के लिए मूँगफली आती है। पोस्त के रस को सुखाकर अफ़ीम और दानों को पेर कर तेल तयार करते हैं। तम्बाकू सब देशों बहुत होती है।

**रेशेदार पौधे**—कपास, तूरान के मरुदेशों, हिन्दुस्तान, चीन और जापान में ख़ूब होती है। पाट या **जूट** का रेशा अधिक मोटा होता है। यह बंगाल में बोरी बनाने के लिये लगाया जाता है। पर अधिकांश जूट डण्डी (स्काटलैंड) को भेजा जाता है। फ़िलीपाइन-द्वीप में लगनेवाले **मैनिला सन** के मज़बूत रस्से बनाये जाते हैं। **रेशम** के कीड़े प्रायः शहतूत के पत्ते खाते हैं, और भूमध्यसागर-प्रदेश और मानसूनी प्रदेश में पाले जाते हैं। एशियाई रूस, फ़ारस, तुर्किस्तान, हिन्दुस्तान, चीन और जापान का रेशम मशहूर है।

**ज़मीन**—एशिया में तरह तरह की ज़मीनें होती हैं, जो भिन्न भिन्न फ़सलों को अनुकूल पड़ती हैं। इनमें स्टेपी की प्रसिद्ध काली ज़मीन पौधों की खाद से उपजाऊ बन गई है। ज्वालामुखी के असर से बनी हुई दक्षिण की ज़मीन भी काली ही है। यह कपास की फ़सल के अनुकूल पड़ती है। लोयेस या हवा से उड़ाकर लाई गई मिट्टी में रेगिस्तान का नमक बहुत निकला होता है। ज़र्दी यांग्टिसी नदी के पथरीले प्रदेश की ज़मीन लाल होती है। जापान और दूसरे द्वीपों की आग्नेय मिट्टी में उष्ण-कटिबन्ध की फ़सलें उगती हैं। निचले प्रदेशों में नदियों ने बारीक मिट्टी (काँप) की गहरी तहें बिछा दी हैं। पश्चिमी एशिया में अधिक-तर चिरयुक्त चूने का पत्थर मिलता है। उपजाऊ ज़मीन केवल

**खेती**—देश का आधा से ज्यादा भाग खेती के काम में लाया जाता है। खेती में धान सबसे ज्यादा पैदा होता है। बिहार, बंगाल, उड़ीसा, असम और मद्रास में धान खूब होता है। धान के खेत में काम करने वाले बहुत कम हैं। मजदूरी बिहार में सबसे कम है। बंगाल, बिहार में बड़े बड़े खेत हैं। दक्षिण में छोटे छोटे खेत हैं। रुई और ऊख का काश्तकार, बनारे का काश्तकार, पोस्तदाने का काश्तकार और कानपुर बगैरा शहरों के काश्तकार अच्छे हैं। खेती के खेतों में दुनिया भर से सबसे ज्यादा तंबाकू पैदा होती है।

इस मुल्क में कई इफ्तरीयों की जड़ तिजारती माल की बरामद ही रही है। मजदूर बहुत हैं और बड़े सस्ते हैं। कुली से हिंदुस्तान, चीन और जापान की बड़ी बड़ी मिलें मजदूरों की मिलों से होड़ कर नहीं हैं। चीन में कालीन के कुल का कारखाना है। वहाँ के मजदूर अपने हाथ से बड़े बड़े हैं। कोयला और लोहा भी बहुत है, पर इनसे का बहुत कम काम में लाया जाता है।

**जाति और धर्म**—एशिया की अधिकांश जनता तीन जाति की आती है। इस में कम से कम एक अरब (सौ करोड़) मनुष्य रहते हैं। इस में अधिक लोग हिंदुस्तान, चीन और जापान में रहते हैं।

एशिया बहुत से धर्मों का घर है। दीन या कोई भी धर्म इसी एशिया की, मुसा, अब्राहीमवाद और तारी जाति में रहते हैं। मुसा का कहनेवाले, अरबिस्तान इत्यादि देश और मध्यपूर्व-देश में रहते हैं। दीनी या कंफ्यूशियस जाति मध्यपूर्वदेश के उत्तर में मंगोल देश को मिला कर रहते हैं। एक तीसरी जाति हिंदुस्तान के दक्षिण हिस्से और कुछ द्वीपों में रहते हैं। एशिया में कई मजहब पैदा हुए हैं। मजहब की सबसे ज्यादा है। बहुतेरे की मजहब वाले अधिक हिंदुस्तान, चीन और जापान में रहते हैं। इसके में बहुत का मत अधिक रहते हैं।

# पञ्चम अध्याय

## एशियाई रूस

## साइबेरिया

साइबेरिया ( ५०,००,००० वर्गमील, जनसंख्या ५०,००,००० ) प्रदेश योरप से भी कहीं अधिक बड़ा है। समस्त एशिया का लगभग ⅔ भाग साइबेरिया से घिरा है। इसके निचले प्रदेश रूस से मिले हुए हैं और दोनों के बीच आना जाना सुगम है।

**बनावट**—पर पश्चिमी साइबेरिया नीचा है। यहां दलदल भी बहुत हैं। पूर्वी साइबेरिया ऊँचा है। **यूराल** पहाड़ साइबेरिया और योरपीय रूस के बीच बहुत दूर तक सीमा बनाता है, पर पहाड़ के दोनों ओर जलवायु और वनस्पति एक सी है। यूराल पहाड़ में हिम नदियों का अभाव है। उत्तर में उनकी ऊँचाई सबसे अधिक (एक मील से कुछ ऊपर) है। साइबेरिया के निचले मैदान की ओर इनका ढाल एकदम गिर गया है, पर दर्रे बहुत सुगम हैं। यूराल में सोना, प्लेटीनम ( एक सफ़ेद रंग की धातु ) और कोयले की बड़ी सम्पत्ति है। ये सब खनिज निकाले जा रहे हैं। यूराल के दक्षिण में **अरलसागर** के चारों ओर **तूरान** के स्टेप्स और रेगिस्तान हैं।

पूर्व की ओर आर्क्टिक महासागर और मध्यवर्ती पहाड़ों के बीच साइबेरिया देश सकरा हो गया है।

**साइबेरिया की नदियाँ टोबल**—नदी यूराल पहाड़ के लगे लगे निचले भाग में हो कर बहती है। अल्टाई पहाड़ से आने-

[illegible]

[illegible]

[illegible]

और सेबिल का शिकार किया जाता है। यहाँ की लकड़ी जलाने या घर बनाने ही के काम आती है।

स्टेप्स प्रदेश पश्चिम में अधिक चौड़ा है। यहाँ घूमनेवाले किरगीज़ और कालमुक गड़रियों का घर है। यहाँ पानी की कमी से पेड़ों का अभाव है। गरमी में ज़मीन भुन जाती है और घास झुलस जाती है। सरदी में बर्फ़ ढक जाती है। बर्फ़ पिघलने और कुछ वर्षा होने से घास उग आती है। फूल भी बहुत हो जाते हैं। अधिक उपजाऊ भाग में गेहूँ की खेती होती है। पठार की ऊँचाई भिन्न है। बर्तों के ऊपर घासवाली घाटियाँ हैं। जब गरमी में निचले स्टेपी सूख जाते हैं, तब घूमनेवाली जातियाँ अपने गल्लों को यहीं हाँक लाती हैं।

**मनुष्य और पेशे**—एशियाई टुंड्रा के सेमोयीड, ओस्टयाक और दूसरे लोग खेती करने में असमर्थ हैं, क्योंकि उनके उत्तरी तट पर बर्फ़ जमी रहती है और वह उजाड़ अथवा दलदल रहता है। खुला हुआ समुद्र कम है। तट के पास द्वीप भी थोड़े ही हैं। इसलिए मछली मारने का काम भी अधिक नहीं है। खालवाले जानवरों की शिकार भी होती है। पर यहाँ का मुख्य उद्यम रेनडियर पालना है।

टुंड्रा में बसनेवाली जातियों के लिए रेनडियर (हिरण) बड़े काम का होता है। इनके ढंडे रेगिस्तान के लिए यही जहाज़ है। रेनडियर डील-डौल में बहुत बड़ा नहीं होता, पर यह बहुत ही मज़बूत होता है। इसके सुर चौड़े और चिरे हुए होते हैं, जिससे ये बर्फ़ पर नहीं फिसलते, न बहुत गहरे धँसते हैं। जमे हुए दलदलों पर बोझा ढोने के लिए और कोई जानवर इतना अनुकूल नहीं होता है। रेनडियर जमी हुई बर्फ़ को भी खोद कर अपना भोजन (सिवार) अपने आप ढूँढ़ लेता है। जीवित दशा में यह मनुष्य को दूध देता

ही सबसे अधिक अनुभवी होने से सरदार गिना जाता है। सरदार को दूसरे लोग बड़ी श्रद्धा से देखते हैं और उससे बहुत ही डरते हैं। टुंड्रा और स्टेपी के लोग असली रूसी नहीं हैं। रूस-निवासी सभ्यता में इनसे बढ़े हुए हैं। वे ( कम से कम योरपीय रूसी ) बड़े बड़े शहरों में रहते हैं। उनमें ८० प्रति सैकड़ा किसान हैं। यहाँ के खेत छोटे छोटे टुकड़ों में बँटे हुए हैं। पर लकड़ी के अभाव से घेरा नहीं होता। केवल मेंड़ होती है। अधिकतर ज़मीन समूचे गाँव की होती है। कुछ किसान किसी तरह का लगान नहीं देते। ज़मीन हरसाल गाँववालों में बाँट दी जाती है। अगर उनकी संख्या अधिक हुई तो थोड़ी ही थोड़ी ज़मीन बाँट में मिलती है। किसान इतने ग़रीब हैं कि वे बड़ी बड़ी मशीनें मोल नहीं ले सकते। अगर उन्हें बड़े बड़े खेत दे भी दिये जायँ तो वे उन्हें जोत न सकें। अक्सर उनके यहाँ स्कूल नहीं होते। वे नये ढंग नहीं जानते। वे प्रति एकड़ लगभग पौन मन ही गेहूँ उगा पाते हैं जब कि ब्रिटेन के किसान इससे ख़राब ज़मीन से तीन मन उगाते हैं।

पत्थर या तो मिलता ही नहीं या कम मिलता है। घर, झुसौरी और दूसरे कमरे लकड़ी, मिट्टी, ईंट या फूस के बनते हैं। छत पर छप्पर पड़ा होता है। गरमी में आग लग जाने से बड़ी हानि होती है। रहनेवाले कमरे के एक कोने में ईंटों का एक बड़ा चूल्हा होता है। उसके ऊपर एक निकला हुआ तख़्ता रहता है। घर के लोग सरदी में यहीं सोते हैं। दीवार से लगी हुई लकड़ी की एक तिपाई, एक बड़ी मेज़ और कुछ स्टूल ( चौकियाँ ) ही इनके घर के सामान होते हैं। चूल्हे में जलाने का ईंधन भी लकड़ी ही का होता है।

भूरे भूरे भयानक गाँवों में कच्ची नालियाँ होती हैं, जिनमें गरमी में एड़ी तक धूल और वर्षा में एड़ी तक कीचड़ होती है। राई की काली रोटी, अंडा, दूध, चाय, गोभी, ककड़ी, आलू यहाँ का साधारण भोजन है। भेड़ की खाल का भारी गरम कोट यहाँ की साधारण पोशाक है।

काकेशस पहाड़ दक्षिण-पूर्व की ओर झुका हुआ है और कृष्णसागर से कास्पियनसागर तक चला गया है। कास्पियनसागर में गिरने वाली **कुर** (८३० मील) और कृष्णसागर में गिरनेवाली **रिओन** नदियों की घाटियाँ काकेशस पहाड़ को आर्मेनियन पठार से अलग करती हैं। कुर घाटी अधिकतर अजरबैजान में है और रिआन घाटी जार्जिया में शामिल है।

काकेशस पहाड़ कई ऊँची और समानान्तर श्रेणियों से बना है इन श्रेणियों को गहरी घाटियाँ और नद-कन्दर [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वर्तमान राजधानी **दमस्क** है, जो दुनिया के [illegible] में से एक है। यह सीरियाई रेगिस्तान के किनारे [illegible] में बसा है, दो छोटी नदियों ने इसे उपजाऊ [illegible] काफ़िलों के तीन प्राचीन मार्गों का प्रस्थान —(१) पश्चिम में लेबनान और एन्टीलेबनान के मार्ग हैं; (२) पूरब में बग़दाद के लिए मार्ग जाता [illegible] रेगिस्तान के उस पार अरब के मक्का नगर को [illegible]

**[illegible]लीम** किसी समय जुडिया की राजधानी था। यह [illegible] पर बसा है और गहरी कन्दराओं से [illegible] [illegible] बिना खिड़कीवाले और [illegible] नगर के [illegible] [illegible] इस नगर के आसपास [illegible] **जाफा** [illegible] **जेरिको** [illegible]

[illegible] नगरों में [illegible] दमस्क का [illegible] में [illegible]

**[illegible]पोटामिया**—मेसोपोटामिया [illegible] हैं, [illegible] रेगिस्तान [illegible]

है। सीरिया की वर्तमान राजधानी **दमस्क** है, [illegible] सबसे पुराने शहरों में से एक है। यह [illegible] एन्टीलेबनान की तलहटी में बसा है, दो छोटी [illegible] बना दिया है। व्यापारी काफ़िलों के तीन [illegible] यहीं से होता है—(१) पश्चिम में लेबनान [illegible] पार बीरूत को मार्ग है, २ पूरब में [illegible] है, ३) दक्षिण में [illegible] के [illegible] मार्ग है **यरूशलीम** किसी समय [illegible] पठार के एक टुकड़े पर बसा है [illegible] गया है [illegible] **जाफा** [illegible]

[illegible]

**मेसोपोटामिया**—[illegible]

[illegible]

आर्मेनिया के पठार से निकलती हैं। इनका ऊपरी भाग बड़ा विकट है। दजला नदी कई नदियों का जल लेकर फ़ारस की खाड़ी के पास फ़रात से मिल जाती है। ये दोनों नदियाँ बहुत कांप (बारीक मिट्टी) अपने साथ लाती हैं। मेसोपोटामिया का मैदान अधिकतर इसी बारीक़ मिट्टी से बना है। इनका डेल्टा प्रतिवर्ष २४ गज़ की चाल से फारस की खाड़ी में बढ़ रहा है। किसी समय मेसोपोटामिया दुनिया भर का बगीचा था। परन्तु बाद को सिंचाई नष्ट हो गई। पिछली बड़ी लड़ाई के पहले अँगरेजों की सहायता से तुर्कों ने सिंचाई का काम कुछ कुछ आरम्भ किया था। सम्भव है [illegible] ज़मीन [illegible] फिर उपजाऊ बन जाये।

भूमध्यसागर की हवायें मेसोपोटामिया तक नहीं पहुँचने पातीं। [illegible] रहती है। गर्मी में तो असह्य [illegible] खजूरें पाई जाती हैं। कुछ गेहूँ भी [illegible] बग़दाद के आसपास खजूर पैदा होता है और बसरा [illegible]

[illegible] मोसुल [illegible] की स्थिति के [illegible] बग़दाद [illegible] पर बसा है। [illegible] था। यहाँ [illegible] भूमध्यसागर के मार्ग [illegible] यहाँ नदी की [illegible] सीमा है। [illegible] बग़दाद और फारस की खाड़ी [illegible] बसरा [illegible] का है। दोनों [illegible] है।

[illegible] से उसकी [illegible] का कुछ भाग

उनमें हवा भर देते हैं। इस तरह के बेड़े मध्य-एशिया में प्रायः सभी जगह पाए जाते हैं। कुछ नावें टोकरियों से बनाई जाती हैं। बग़दाद में बाँसों पर चमड़ा चढ़ा कर विचित्र गोल नावें काम में लाई जाती हैं। यहाँ धुआँकश जहाज़ भी हो गये हैं, जो भिन्न-भिन्न ऋतुओं में पानी के अनुसार भिन्न-भिन्न स्थानों तक पहुँचते हैं।

---

होते हैं जब कुछ बूँदें पड़ जाती हैं। इन्हाल में ऐसे दिन साल में १२ ही होते हैं। इन दोनों स्थानों में १० इंच से कम ही पानी बरसता है। समरकन्द में लगभग १३ इंच और काशगर में १६ इंच पानी बरसता है।

**तूरान या रूसी तुर्किस्तान**—मरुकटिबन्ध के प्रायः मध्य में तूरान का आखान है। जहाँ सिंचाई हो जाती है, वहाँ उपजाऊ है। शेष उजाड़ है। उत्तर को छोड़ कर और सब ओर से यह ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों से घिरा हुआ है। ये पहाड़ पानी लानेवाली हवाओं को आगे नहीं जाने देते हैं, पर इन पर जमी-जमाई नदियों को पोषण करने को बर्फ और पानी काफी पड़ जाता है **सुर** और **आमू** नदियाँ अरलसागर में पहुँचती हैं, पर बहुत सी नदियाँ रेगिस्तान की बालू में ही सूख हो जाती हैं। इस प्रदेश का [illegible] **सरदरिया** [illegible] फरगना।

[illegible] ) दक्खिन में बलोचिस्तान एक पथरीला रेगिस्तान है, जो सर्दी में बर्फ़ [illegible] जम जाता है और गरमी में गरमी से भुन जाता है। चन्द बुख़ारे के रेगिस्तानों को छोड़ कर यहाँ बहुत कम चीज़ें पैदा होती हैं। यह हिन्दुस्तान आनेवाले थल-मार्ग की रखवाली करता है। इसी लिए यह मूल्यवान् है।

**फ़ारस**—( ६,२८ ००० वर्गमील, जन संख्या ९९ लाख ) [illegible] फ़ारस में सब कहीं ऊँचे पहाड़ हैं, जो उत्तर-पश्चिम से दक्खिन-पूरब [illegible] हैं। इनके बीच की चन्द घाटियाँ अधिक [illegible] और [illegible] पहाड़ियों से घिरे हैं। बहुत [illegible] जिनमें ढाकर पानी नीचे बैठ जाता [illegible] पानी कम [illegible] में पानी बहुत है। [illegible] में कई भी मील [illegible] पाकना और [illegible]

[illegible] है। आर्मेनिया [illegible] है। पूरबी और [illegible] एलबुर्ज़ [illegible] हैं। वे [illegible] समुद्र की धार [illegible] के बीच [illegible] है। फ़िर [illegible] हैं। [illegible] [illegible] [illegible] पश्चिम में

[illegible]

**अदन**—एक प्रायद्वीप है। तंग रेतीला योजक इसे प्रधान स्थल से जोड़ता है। शहर एक पुराने शान्त ज्वालामुखी पर्वत के मुँह में बसा है। वर्षा का प्रायः अभाव है। पीने योग्य मीठा पानी सन्त की तरह समुद्र से निकाला जाता है। और बाज़ार में बिकता है। आग की भट्टी होते हुए भी अदन की स्थिति ब्रिटिश साम्राज्य के लिये बड़े महत्व की है। अदन के साथ **पेरिम**, क्यूरिया, म्यूरिया और सोकोट्रा द्वीपों का भी प्रबन्ध अंगरेज़ों के हाथ में है।

---

रुकावट डालते हैं। मध्य एशिया से तिब्बत होकर यांग्टिसी को आनेवाले मार्ग दुर्गम और प्रायः अज्ञात हैं। पर यांग्टिसी नदी **इचांग** गोर्ज के नीचे ९०० मील तक नाव चलने योग्य है।

समुद्र-मार्ग से आनेवाले को यांग्टिसी नदी अत्यन्त घने प्रान्तों में ले जाती है। यांग्टिसी का प्रमुख बन्दरगाह **शंघाई** है। इसके उत्तर में सबसे अच्छा बन्दरगाह **किआओ-चाओ** है। यह शांटंग प्रायद्वीप में पठारों के एक दरार से **ह्वांगहो** के निचले मैदानों में ले जाता है। शंघाई के दक्षिण में बहुत से बन्दरगाह हैं। पर **हांगकांग** (ब्रिटिश) सबसे अच्छा है जो **सीक्यांग** के मुहाने पर है। **सीक्यांग** नदी के डेल्टा में **कैंटन** नगर बसा है।

**जलवायु**—सरदी की ऋतु में मध्य-एशिया से ठण्डी हवाएँ चला करती हैं। उच्च हिमालय इन्हें हिन्दुस्तान में नहीं आने देते हैं। पर यही हवाएँ चीन देश के एक बड़े भाग में चलती हैं और हिन्दुस्तान के एक ही अक्षांशोंवाले स्थानों को कहीं अधिक ठण्डा बना देती हैं। शंघाई और लाहौर एक ही अक्षांश में स्थित हैं। सरदी में शंघाई का तापक्रम ३५.०६ अंश फारेन हाइट होता है और कभी कभी पाला पड़ता है, जब कि लाहौर में सरदी का तापक्रम ५४ अंश होता है। **हांगकांग** कलकत्ता के अक्षांशों में है, पर यहाँ का तापक्रम सरदी में ५७ अंश फारेन हाइट रह जाता है जब कि कलकत्ता में ६५ अंश होता है। निस्सन्देह चीन की जलवायु भारत के उन्हीं अक्षांशोंवाले स्थानों से अधिक विकराल है। पर चीन एक बड़ा देश है। इसलिए स्वयं चीन में भी कई प्रकार की जलवायु है। सरदी में मंगोलिया से आनेवाली सूखी और ठण्डी हवा उत्तरी पश्चिमी चीन में रूस के समान ही जाड़ा कर देती है। चूँकि यह हवा सूखी होती है इसलिए इस ऋतु में धूप बराबर रहती है। इस हवा से लाई हुई बारीक

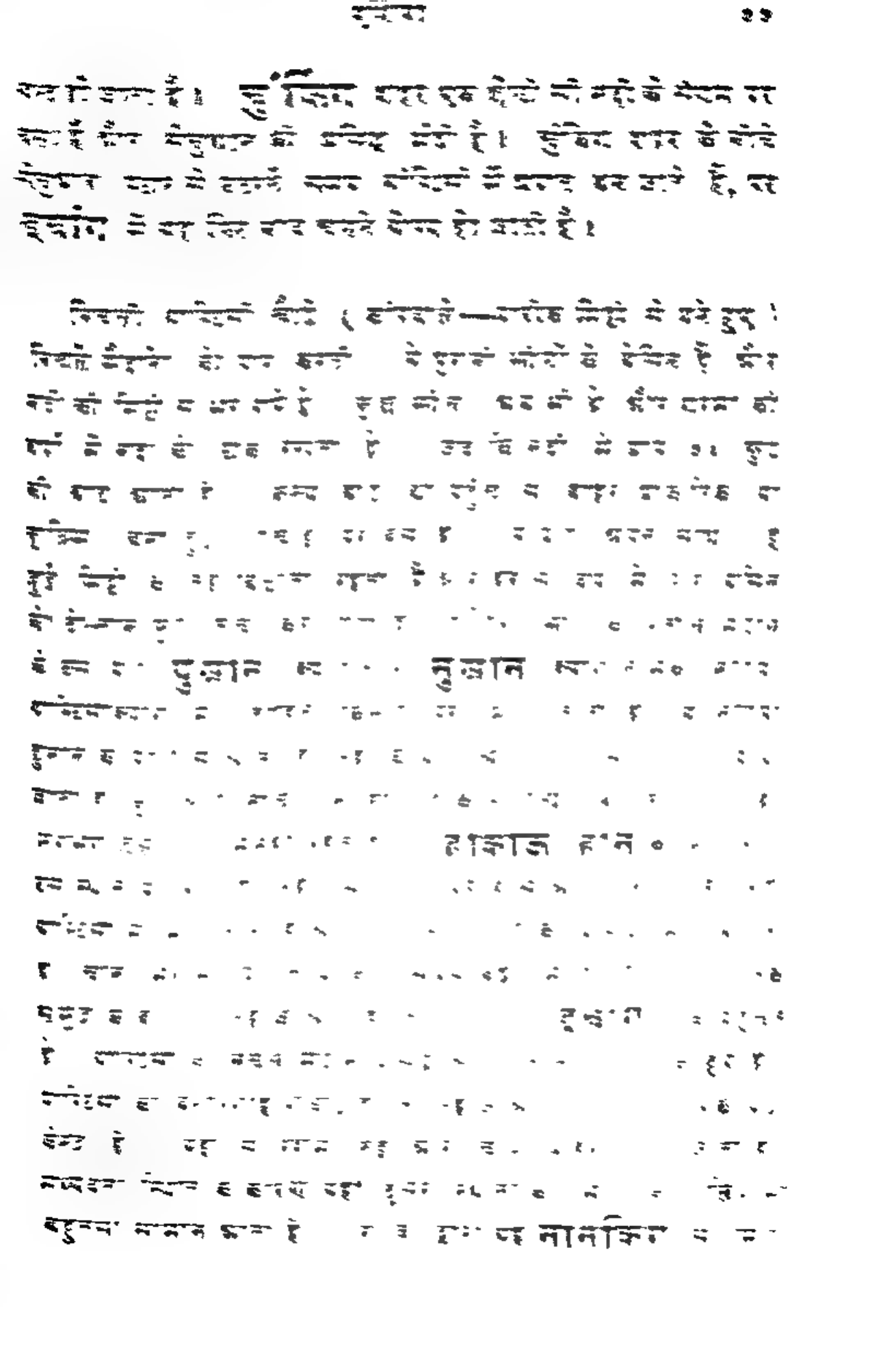

# नवम अध्याय

## जापानी साम्राज्य

**जापान** [illegible] वर्ग मील [illegible] जन संख्या [illegible] एक द्वीप समूह है [illegible] अक्षांश से लेकर [illegible] रेखा तक फैला हुआ है [illegible] **फारमोसा** द्वीपको पार [illegible] इस द्वीप साम्राज्य में प्राय [illegible] **येज़ों** [illegible] **हान्डो क्यूशू** [illegible] **शिकाको** है [illegible] **कोरिया** [illegible] **सीटीनुमा रिफ्ट घाटी** [illegible] **फूजीयामा** [illegible] **आसामायामा** [illegible]

[illegible]

कुछ घोड़े और गाय बैलों से हल जोतने और पटेला चलाने के सिवा खेती का सारा काम भी हाथ से करते हैं, क्योंकि चीन के समान जापान में भी पहाड़ियों पर प्राकृतिक चरागाहों का अभाव है। उपजाऊ धरती इतनी क़ीमती होती है कि वह केवल घास उगाने के लिए नहीं छोड़ी जा सकती। इसलिए ढोर और पालतू जानवर बहुत ही कम हैं। रेशम और रुई से ऊन महँगी बिकती है क्योंकि ऊन बाहर से मँगानी पड़ती है। बोझा भी बैल या घोड़े गाड़ियों में लादने के बदले टोकरियों में भर के पीठ पर ले जाते हैं।

जापान में खनिज भी बहुत हैं। कोयला और लोहा पाया जाता है, पर जैसे चीन में दोनों साथ साथ मिलते हैं वैसे वे दोनों यहाँ साथ साथ नहीं [illegible] है। कोयले की सबसे बड़ी खान **होकेडो** और **क्युशू** [illegible] **शिकाको** [illegible] **आशिओ** [illegible] **येज़ो** [illegible] **हाडो** [illegible] **फारमूसा** [illegible] **कोबो** [illegible] **ओसाका** [illegible] **कोरिया** [illegible] **पोर्टआयर** [illegible] **नागासाकी** [illegible]

[illegible]

दलदलों के खारी पानी और समुद्र-तट के पासवाले अनूपों से नमक मिल जाता है। तट के बहुत से भागों में गोरन, (लेगून) बाँस और ताड़ के वन हैं।

इन्डोचीन की जल-वायु गरम और तर है। मई से सितम्बर तक दक्षिणी-पश्चिमी मानसून अपने साथ भारी तूफान और २०० इंच (इरावदी की घाटी में इससे भी अधिक) की वर्षा ले आती है। सितम्बर से मार्च तक उत्तरी पूर्वी मानसून के चलने से ऋतु खुश्क और हवा शीतल रहती है। [illegible] और पूर्वी द्वीप समूह में भूमध्यरेखा की [illegible] वायु पाई जाती है। यह [illegible] गरमी होती है और साल भर [illegible] सभी द्वीप [illegible] कुछ गरमी [illegible]

[illegible]

है। इस नदी के निचले भाग और डेल्टा में **कम्बोडिया** और [illegible] **कोचीन** चीन के उपजाऊ प्रांत हैं। यहाँ पर भी धान खूब पैदा होता है। पहाड़ी भागों में लकड़ी बहुत होती है। [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] और दूसरी फसलें भी पैदा की जा रही हैं। इस प्रदेश की राजधानी **रैंगून** है। यहाँ का बन्दरगाह [illegible] है और [illegible] [illegible] [illegible] **मीकाङ्ग** [illegible] हुआ है।

**स्याम**—

[illegible]

र देशों की खोज करनेवाले और उपनिवेशों की नींव डालनेवाले बन
ाते हैं। योरपीय तथा दूसरे देशों में बसनेवाली उनकी सन्तान समुद्री
ों में संसार के और लोगों से बहुत आगे है।

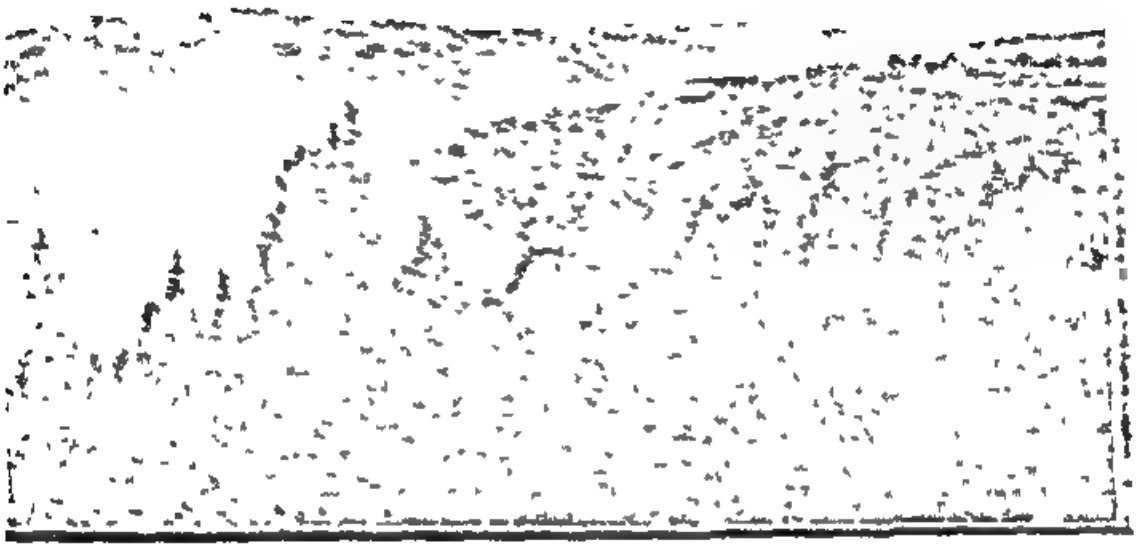

बास्फोरस

यही प्रणाली योरप को एशिया से अलग करती है। इस प्रणाली के दोनों ओर वनाच्छादित पहाड़ियां अत्यन्त सुन्दर हैं।

अटलांटिक महासागर के पूर्वी किनारे पर स्थित होने से योरप को जलवायु-सम्बन्धी बहुत लाभ है। समुद्री मार्गों को ध्यान में रखने से भी योरप की स्थिति बड़ी अच्छी है। भूमध्यसागर एशिया के दूरवर्ती देशों से आना जाना सुगम कर देता है। इसी प्रकार अटलांटिक महासागर योरप को अफ्रीका और उत्तरी तथा दक्षिणी अमरीका के पूर्वी भागों से जोड़ता है।

**बनावट**—योरप में भिन्न भिन्न पांच धरातल हैं—

(१) छः सौ फुट से कम गहराई के समुद्र महाद्वीप के निकले हुए भाग (कान्टीनेन्टल शेल्फ) को घेरे हुए हैं।

(१) पश्चिमी योरप में यह कटिबन्ध चौड़ा पर अधिकतर दूटा है, (२) मध्य योरप में यह सकरा (तंग) है, (३) पूर्व में चौड़ा होता हुआ उत्तर की ओर बाल्टिकसागर से लेकर दक्षिण की ओर कृष्णसागर और कास्पियनसागर तक फैला हुआ है।

**योरप के निचले प्रदेश**—निचले प्रदेश चार भागों में बँटे हुए हैं, (१) निचले देशों का मैदान, (२) जर्मनी का निचला प्रदेश, (३) रूस का मैदान और (४) स्काण्डीनेवियन और टेन्यूब के मैदान इसके मुख्य अंग हैं।

योरप की समुद्रपार्श्विक (औसत) ऊँचाई कम है। अगर महाद्वीप समतल कर दिया जावे, तो यह समुद्रतल से केवल १,००० फुट ऊँचा रहेगा। आधे से भी अधिक भाग ६०० फुट के नीचे ही है। निचले प्रदेशों का क्षेत्रफल दस लाख वर्ग मील है, जो समस्त महाद्वीप का $\frac{1}{7}$ है। मैदानों में बहने वाली नदियों के मार्ग बहुत लम्बे हैं और नहरें सहज ही में बनाई जा सकती हैं। कृष्णसागर और कास्पियन सागर, उरल-नदी-द्वारा कार्पेथसागर और बाल्टिकसागर से जुड़े हुए हैं। इसी प्रकार कार्पेथसागर और कास्पियनसागर डन-नदी द्वारा भूमध्य-सागर से मिले हुए हैं। जल-मार्ग की सुगमता से व्यापार बढ़ने और सभ्यता के फैलाने में सहायता मिलती है।

**निचले देशों का मैदान**—इसमें राइन और इसकी सहा-यक नदियों के देश और डेनमार्क सम्मिलित हैं। यह प्रदेश इतना नीचा है कि इसे समुद्र और नदी की बाढ़ से हमेशा भय बना रहता है। समुद्र को रोकने के लिए और देश को बचाने को, बड़े-बड़े बाँध बनाये गये हैं। यहाँ का तट नीचा है, अतः नीचे टीलों पर मोटी मोटी दीवालें बना दी गई हैं। नदी की तलछटी जमीं उपजाऊ होने के कारण बहुत घनी बसी हुई है। इस प्रकार ये बाँध और नदी के तट बड़े होते हैं।

गया है। यह, बारीक मिट्टी की गहरी तहों से ढका हुआ है। यह मिट्टी, ( नदियों द्वारा ) उन पहाड़ों से लाई गई है, जो इस मैदान को घेरे हुए हैं।

**हिमकाल का फल**—हिमकाल में बरफ़ की एक मोटी तली ( जो कहीं कहीं एक मील से भी अधिक मोटी थी ) उत्तरी और मध्य योरप को घेरे हुए थी। यह उथले समुद्रों को महाद्वीप के निकले हुए भाग ( कोन्टीनेन्टल शेल्फ ) से ऊपर तक भर रही थी और पहाड़ियों तथा घाटियों को भी ढांक रही थी। ऊपरी चट्टानों के करोड़ों मन कण घिसघिस कर अलग हो गये और बहुत दूर आ लगे। मुलायम चट्टानें टूटते टूटते कंकड़ बन गईं। पर बड़े बड़े टीले अपने प्रथम स्थान से बहुत दूरी पर अब भी पाये जाते हैं। जैसे जैसे सरदी कम हुई, चट्टानों का बुरादा हिमधारा के पीछे छूट गया और हिमकालीन रेत और चिकनी मिट्टी बन गया। इसी से घाटियां भर गईं, धाराएँ बन्द हो गईं और छोटे छोटे गड्ढों में असंख्य झीलें बन गईं। बाल्टिक तट के पासवाले मैदानों में इतनी ( छोटी छोटी ) झीलें हैं कि उन्हें नक़्शे में दिखाना कठिन है।

---

पूर्वी स्वेडन देश नहरों के समान ऊँचा नीचा होता गया है। हिमकाल में बड़े बड़े हिमानार पत्थी को ढक रहे थे और महादीप के निचले हुए भाग ( कान्टिनेन्टल शेल्फ ) को पार करके बहुत दूर तक चले गये थे। इन्होंने ऊँची पहाड़ों को घिस उड़ा और कटों को किनारों के रूप में निचले मैदान पर जमा कर दिया। इन्होंने पश्चिमी तट की गहरी घाटियों ( फिर्डों ) को भी खुद बनाया। पत्थर के बिखरे भाग देवदारु के वनों से ढके हैं या ऊँचे पत्थर का फेलडु एक सौ हाई पर घासगढ़ या झाड़ियों से ढके हैं। नार्वे का पश्चिमी तट स्काटलैंड के पश्चिमी तट से बहुत कुछ मिलता है। दोनों खूब कटे फटे हैं। स्काटलैंड के फर्थ और नार्वे के फिर्डों एक ही श्रेणी की हैं। पर नार्वे में फिर्डों पृथिवी के अधिक भीतर चले गये हैं। इसकी पहाड़ी दीवारें भी अधिक ऊँची और अधिक खड़ी हैं।

**द्वीपवाले उच्च प्रदेश**—अटलांटी पहाड़ों के बाद में द्वीप-वाले यह प्रदेश दूर दूर तक योरप के उत्तर पश्चिम में स्पेटिनिया तक फैले हुए हैं। इनके कनेक्ट नाम हैं और नक्शों में बिखरी हुई पहाड़ियों के समूह में दिखाये गये हैं। ये प्रदेश अटलांटिक में ३ हजार फुट से लेकर ५ हजार फुट तक ऊँचे उठे हुए हैं। इनकी चोटियाँ तीखी हैं और ये एक दूसरे से दूर हैं। बिखरे हुए द्वीपों का बहाई के लिए समुद्र का लिये गये हैं। इनके इसी दिशा में फैलना पाया जाता है।

इन बिखरे हुए द्वीपों के इस प्रदेश की उत्पत्ति [illegible] अधिक मतभेद पाये जाते हैं। किसी समय ये समुद्र के [illegible] पहाड़ों की चोटियाँ थीं, या यह ये बिखरे हुए [illegible] हैं। योरप इनके पास की दिशा में सूचित होता है कि किसी समय में ये ऊँचे नीचे पहाड़ों की एक श्रेणी थे। [illegible] यह प्रदेश ऊँचे हो गये। हिमकाल के हिमानी महाद्वीपों ने इनको घिस कर दिया। इस

कुछ बड़ी बड़ी घाटियाँ आल्प्स के भीतर बहुत दूर तक मार्ग बनाती हैं। कहीं कहीं एक ही दर्रे से दूसरी श्रेणियाँ पार हो जाती हैं। जैसा कि सेन्ट गोथार्ड और ब्रेनर दर्रों का हाल है। पहले-पहल सीधी सड़कों के ही मार्ग में रेलें बनीं और दर्रों की चोटियों के नीचे सुरङ्ग खोल दिये गये।

**कारपेथियन पहाड़** आल्प्स के मोड़ से ही लगे चले गये हैं। इनके ढालू टीले और घाटियाँ जूरा पर्वत की सी ही हैं। पर इनकी चट्टानें अधिक नई हैं। केवल उत्तर में ही बिहौरी और कड़े पत्थर की पुरानी चट्टानें हैं, जो ८,००० फुट तक ऊँची उठी हुई हैं। ट्रांसिल्वेनिया के बिहौरी आल्प्स कारपेथियन पहाड़ों को बाल्कन पहाड़ों से जोड़ते हैं। हिमरेखा से ऊपर विरली ही चोटियाँ उठी हुई हैं। निचले ढालों में वन हैं।

दक्षिणी प्रायद्वीपों के पहाड़, अल्पाइन और कारपेथियन श्रेणी से उड़े हुए हैं।

स्पेन एक ऊँचा पठार है, जो पुरानी बिहौरी और गादवार चट्टानों का बना है। उत्तर-पूर्व में **पिरनीज़** और दक्षिण में **सिएरा नवादा** के बीच में **मेसीटा** का पठार है। दोनों पहाड़ तहदार और अल्पाइन ढङ्ग के हैं। इनकी बहुत छोटी चोटियाँ हिम-रेखा से ऊपर पहुँचती हैं। जिब्राल्टर की तङ्ग प्रणाली **सिएरा नवादा** पहाड़ को अफ्रीका के एटलस पहाड़ों से अलग करती है।

**एपीनाइन पहाड़**—इटली के **एपीनाइन** पहाड़ दक्षिण की ओर आल्प्स से मिले हुए हैं। और आगे चल कर **सिसली** के पहाड़ों से मिल गये हैं। एक डूबी हुई चट्टान द्वारा इनका **एटलस** पहाड़ से सम्बन्ध है। पुरानी चट्टानें बहुत कम खुली हुई हैं। इन [illegible] हिम-रेखा अधिक ऊँचाई पर है। ऊँचाई के

सहायक नदियों के साथ मिल कर उत्तर से दक्षिण को आर-पार मार्ग बनाती है। डेन्यूब नदी पूर्व से पश्चिम को प्राकृतिक मार्ग बनाती है, मध्य-योरप को बालकन प्रायद्वीप और कृष्णसागर के आस-पास-वाले प्रदेशों से जोड़ती है।

खनिज—योरप के खनिज अधिकतर पुरानी चट्टानों में ऐसे स्थानों में पाए जाते हैं, जहां ये चट्टानें खुल गई हैं। थोड़ी थोड़ी मात्रा में सोना यूराल और कार्पेथियन पहाड़ों में पाया जाता है। सीसे के साथ मिली हुई चांदी बहुत से भागों में पाई जाती है। तांबा दक्षिणी स्पेन में अधिक है। यह कुछ कुछ यूराल प्रदेश से भी निकाला जाता है। पारा स्पेन के दक्षिण में और प्लेटिनम यूराल में मिलता है। कोयला और लोहा बहुत है। कई भागों में साथ साथ पाया जाता है। लोहा योरप के बहुत से भागों में भिन्न भिन्न युगों की चट्टानों में मिलता है। पर इटली और बाल्कन प्रायद्वीपों में बहुत ही कम कोयला है। यह महाद्वीप के मध्य में बीचवाले उच्च प्रदेशों के उत्तरी किनारों में और रूस के मैदान के दक्षिण में यूराल पहाड़ों में पाया जाता है। इस प्रकार कोयले की खानों की पंक्ति दक्षिणी वेल्स से लेकर दक्षिणी रूस तक चली गई है। गन्धक ज्वालामुखी प्रदेशों में मिलता है। मिट्टी का तेल नार्वे के बाहरी किनारों और काकेशस के पूर्वी गिरों पर मिलता है। जहां भीतरी झीलें और समुद्र किसी काल में या सबके सब खुश्क हो गये हैं, वहां नमक की तहें हाल में ही बन गई हैं, जैसा कि कास्पियन-सागर के उत्तरी भाग का हाल है। कार्पेथियन के आगे पश्चिमी भाग में भी नमक बहुत है। उत्तरी जर्मनी के मैदान के दक्षिणी भाग में भी बहुत सा मूल्यवान् नमक पाया जाता है। सुईट और पश्चिमी कार्पेथियन के बीचवाले प्रदेश में जस्ता मिलता है। टीन अधिकतर कार्नवाल में ही मिलता है। कांच (सफ़ेद मिट्टी) के मैदानों में कोई धातु नहीं मिलती। पर बनाने के लि[illegible] दूर दूर तक पाई जाती है।

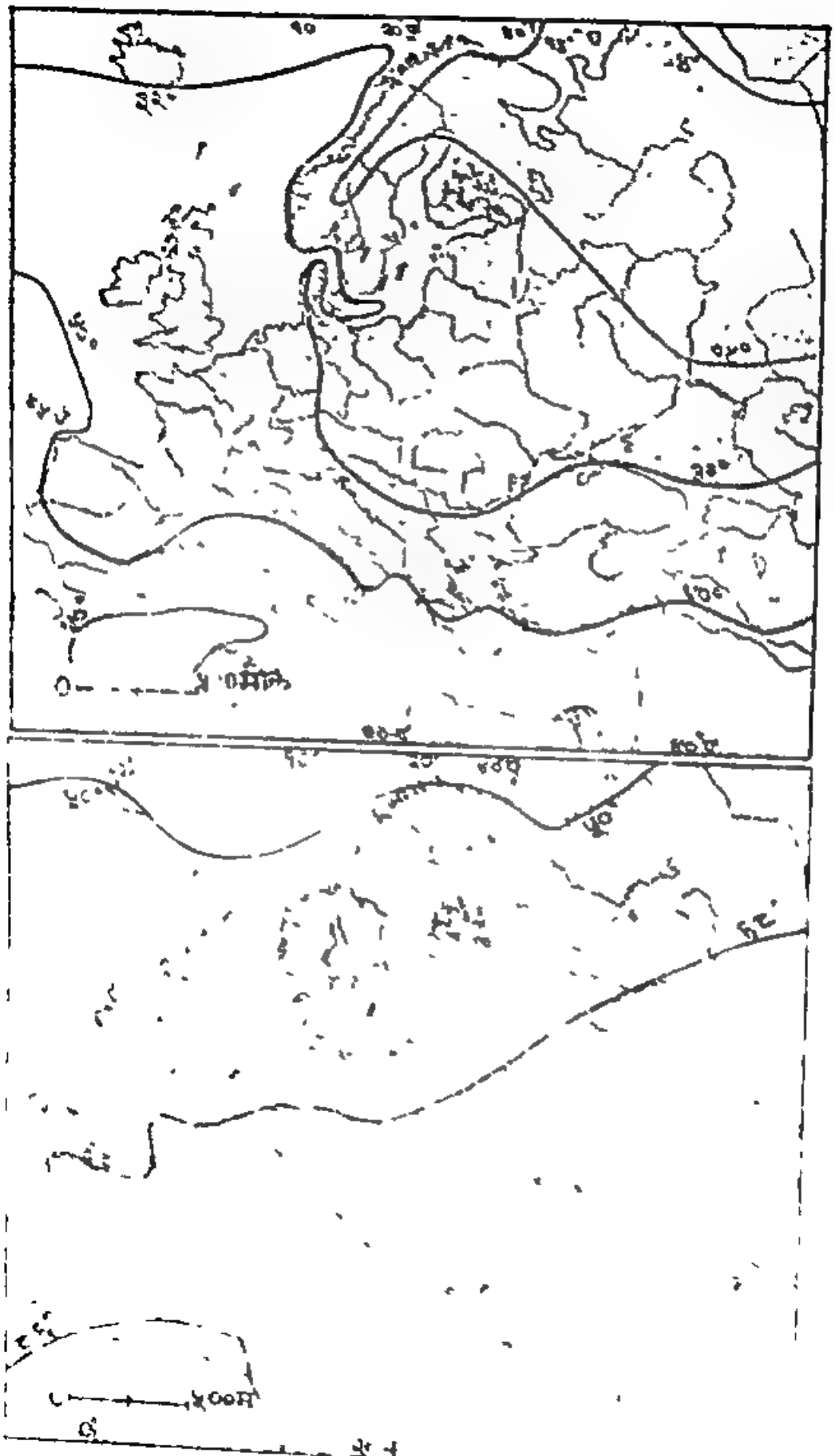

रहता है। दक्षिणी भाग का तापक्रम ६८ अंश फ़ारेनहाइट के ऊपर हो जाता है। इसके अधिक पूर्वी भागों का तापक्रम तो ८६ अंश फ़ारेनहाइट के ऊपर रहता है। पश्चिमी समशीतोष्ण जल-वायुवाले और पूर्वी विषम जल-वायुवाले प्रदेश के बीच में ऐसे भाग पड़ते हैं जो दोनों प्रदेशों से कुछ कुछ मिलते-जुलते हैं।

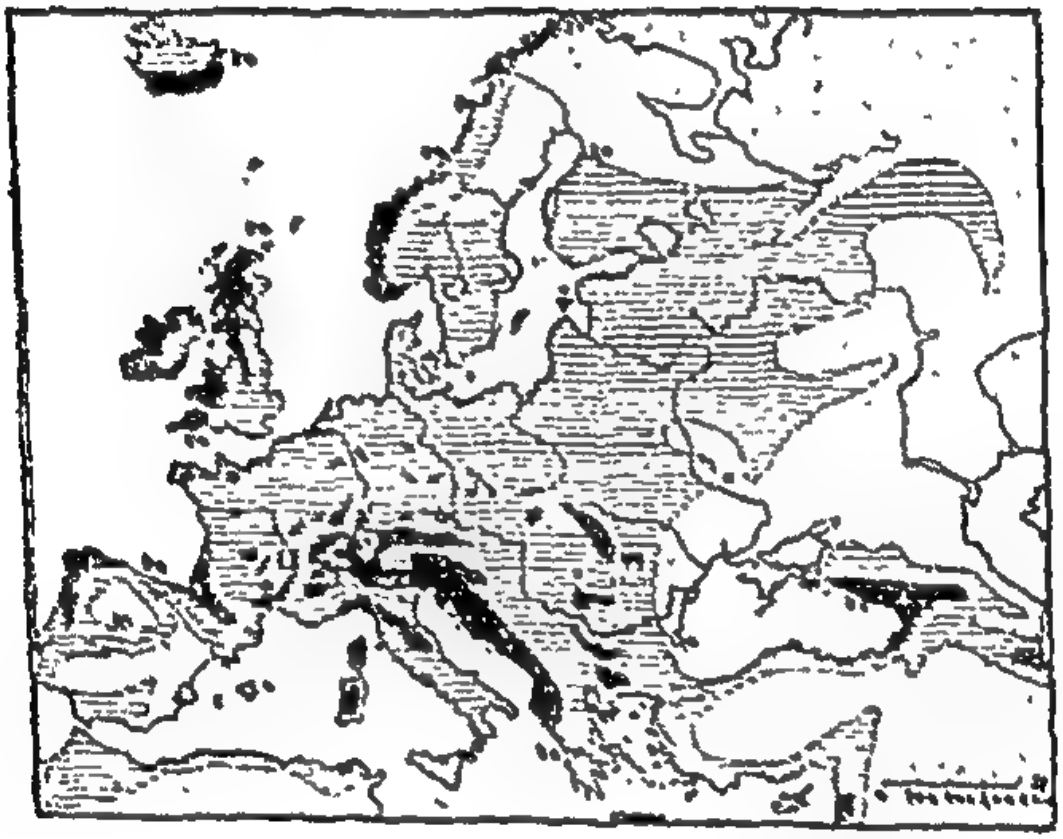

योरुप की मध्यम वार्षिक वर्षा। बिन्दुवाले भागों की वर्षा २० इंच से कम है। रेखांकित भागों में २० से ४० इंच तक वर्षा होती है। काले भागों की वर्षा ४० इंच से ऊपर है।

**भूमध्य-सागर-प्रदेश**—इस ऋतु में सूर्य दक्षिण में समकोण बनाता है और भूमध्य-सागर की हवा का दबाव हलका होता है। इसलिए इन प्रदेशों में पछुआ हवाएँ आती हैं और ख़ूब पानी बरसाती हैं। फ़्रांस के दक्षिण में सरदी के आरम्भ में ही पानी बरसने लगता

# चतुर्थ अध्याय

## वनस्पति

वनस्पति के अनुसार योरप निम्न भागों में बँटा है :—

**टुंड्रा**—प्रदेश एक ठंडे या बर्फ़ीले रेगिस्तान की एक तंग पेटी है। इसकी दक्षिणी सीमा जुलाई मास की ५० अंश फ़ारेनहाइट तापक्रम-वाला रेखा है। जहां अत्यन्त गरम महीने का आनुपातिक तापक्रम (मीन टम्परेचर) ५० अंश फ़ारेनहाइट से अधिक होता है, वहीं टुंड्रा नष्ट होकर वन में बदल जाता है। इसलिए इस प्रदेश की चौड़ाई एक सी नहीं है। पश्चिमी योरप की अनुकूल जलवायु के कारण वृक्ष-सीमा (ट्री-लिमिट) आर्क्टिक वृत्त के भीतर तक चली गई है और टुंड्रा प्रदेश कम होते होते स्कन्डीनेविया के उत्तर में ज़रासी पट्टी रह गया है। यहां से बढ़ कर यह पट्टी रूस के उत्तरी तट से लगी हुई चली गई है। आयसलैंड, स्केन्डीनेविया-पठार के वृक्ष-रहित फेल्ड और यूराल पहाड़ की उजाड़ चोटियां भी टुंड्रा में ही गिनी जा सकती हैं क्योंकि यहां भी टुंड्रा का सा ही तापक्रम रहता है। छोटी गरमी के कुछ हफ़्तों को छोड़ कर, यह प्रदेश सदा जमा रहता है। गरमी में भी धरातल का बरफ़ केवल एक या दो फुट पिघल जाता है। बरफ़ से गहराई तक जमी हुई धरती में पानी नहीं घुस सकता, इसलिए गरमी में टुंड्रा दलदल बन जाता है। ध्रुव की ओर वनस्पति लुप्त हो जाती है। पर अधिकतर प्रदेश में **मास, लिचन** आदि घास (सिवार आदि घास) कुछ कुछ पैदा होती है। **क्रोबेरी** और **क्रेनबेरी** आदि घुंडीदार छोटी छोटी झाड़ियां अधिक दक्षिण में मिलती हैं। सुरक्षित स्थानों में कुछ ही इंच ऊंचे छोटे छोटे पेड़

मोक्षद के लिए वृक्ष और वस्त्र तथा दूसरे कामों के लिए गोंद प्रदान करता है।

**कोनीफेरस (नोकीले फलवाले) वन**—इन वनों में अधिकतर देवदार, सनोबर, 'फर' और 'लार्च' के लम्बे और सीधे पेड़ होते हैं। ये हिमालय वन १० हजार के लगभग स्पेन्डीनेविया से लेकर रूस तक के सारे प्रदेश को घेरे हुए हैं। दूर की ओर अधिक सर्दी पड़ने के कारण ये वन और भी दक्षिण की ओर फैल गये हैं। इस प्रदेश में कड़ाके का जाड़ा पड़ता है और पाला कुछ कम दमता है। पर इन पेड़ों की पत्तियों की बनावट सुई के समान होती है इसलिए इनको सर्दी अधिक सूखने नहीं पाती और ये सर्दी को भी सह लेते हैं। कागज बनानेवाली मिलों में इन पेड़ों की लकड़ी को चीर कर तख्तों में आरे की पेड़ी बनाते हैं। इस प्रदेश के घर भी प्रायः लकड़ी के बने होते हैं, जिनमें काफी काम और सुन्दर रंग होता है। ईंधन बनाने और मुर्दाघर बाँधने के काम आता है। पेड़ सर्दी में काटे जाते हैं और पानी से बची हुई डालों को अगर नदियों के पास इकट्ठा कर डाल दिये जाते हैं। जब बसन्त में बर्फ पिघलती है तब वे नीचे की ओर बहा दिये जाते हैं। जहाँ कहीं नदी में प्रपात होता है, वहीं आरा चलाने की मिलें होती हैं। सर्दियों लकड़ी को चौकठ और खिड़की बनाकर बाहर भेज दी जाती हैं। छोटे छोटे रद्दी लकड़ी से कागज और दियासलाई बनाते हैं। अन्य देशों के इस प्रदेशों में भी नोकीलों पत्तेवाले (कोनीफेरस) पेड़ों के वन हैं। राइन, एल्प और सिसुली में लकड़ी के पेड़े बनाकर नीचे लाये जाते हैं। इनके देखभाल करनेवाले, पेड़ों ही के ऊपर लकड़ी की झोंपड़ियाँ बनाकर रहते हैं।

**पत्ती-झाड़नेवाले पेड़ों के वन**—इन वनों को मनुष्यों ने बहुत कुछ साफ कर दिया है। एक समय यह समस्त

वाले और थैलीदार जड़ों में पानी जमा करनेवाले पौदे भी बहुत हैं। सफ़ेद और ख़ाकी **ज़ैतून, कार्क, नारंगी, अंजीर, नीबू** और **अंगूर** ख़ूब होते हैं। घास कम होती है, और केवल कुछ अच्छी घाटियों में ही होती है। इसकी जगह फूल और सुगन्धिवाले पौदे होते हैं। **मेंहदी, लारेल** और **साइप्रस** ( झाऊ के समान ) पौधे भी बहुत हैं। एक समय समस्त दक्षिणी योरप में सदा हरे-भरे रहनेवाले पेड़ों के वन थे। पर वे बड़ी निर्दयता से काट डाले गये, जिससे योरप का बहुत सा ख़ुश्क पर उपजाऊ भाग उजाड़ हो गया है। आयबेरियन पठार में पेड़ों का अभाव है। खुले भागों में झाड़ी और **अल्फा घास** है, जिससे देश अर्द्ध-रेगिस्तान सा जान पड़ता है। स्पेन में कार्क ( डाट ), **ओक**, इटली में अखरोट, बालकन प्रायद्वीप में **सनोवर**, ओक और **प्लेन** का पेड़ प्रसिद्ध है। केवल सबसे अधिक ऊँचे टीलों पर ( जहाँ सरदी में ताप-क्रम बहुत कम रह जाता है ) नोकीली पत्तीवाले पेड़ उगते हैं।

**स्टेपी**—स्टेपी अथवा वृक्षरहित घास के प्रदेश पूर्वी योरप के दक्षिण में पाये जाते हैं, जहाँ सरदी में ख़ूब ठण्ड होती है और गरमियाँ बहुत गरम होती हैं। वर्षा भी थोड़ी ही होती है। यह सब बातें धीरे धीरे उगनेवाले पेड़ों को अच्छी नहीं लगतीं, पर यही बातें **घास** के लिए बड़ी अनुकूल पड़ती हैं। घास बड़ी तेज़ी से उग आती है और फूल फल कर कुछ ही हफ़्तों में पक जाती है। वसन्त ऋतु में यहाँ सुन्दर फूल फूलते हैं। प्रकृति ने स्टेपी को घोड़े, भेड़ तथा अन्य घास चरनेवाले जानवरों के लिए अनुकूल बनाया है। यहाँ न पत्थर है न लकड़ी, जिससे घर बनाया जावे या ईंधन का काम लिया जावे। स्टेपी के लोग अब भी पुरानी चाल के डेरों में रहते हैं, जो फेल्ट या खाल के बने होते हैं।

अत्यन्त आर्द्र या अत्यन्त सूखे भागों को छोड़ कर गेहूँ भूमध्य-सागर के सब भागों और पतझड़वाले पेड़ों के सब वन-प्रदेशों में उगाया जाता है। स्टेपी में तो आदर्श गेहूँ पकता है। स्टेपी इसीलिए अधिकाधिक गेहूँ उगानेवाले प्रदेश बन गये हैं। राई का पौधा अत्यन्त पोढ़ा होता है और दूसरे पौदों से कहीं अधिक दूर उत्तर में उगाया जाता है। उससे कुछ नीचे दक्षिण में जई उगती है। यह दोनों अन्न मध्य और पूर्वी योरप की अधिक निकम्मी धरती और अधिक ऊँचे प्रान्तों में उगते हैं। जहाँ कहीं खेती सम्भव है, वहाँ जौ पैदा होता है। इनके दक्षिण में गेहूँ और मकई का कटिबन्ध है। मकई को गरमी में अधिक ऊँचे तापक्रम की ज़रूरत होती है। इसलिए पूर्वी योरप में जितनी दूर उत्तर की ओर मकई उगती है उतनी दूर पश्चिमी योरप में नहीं उग सकती है। अत्यन्त ठंडे और अत्यन्त ख़ुश्क भागों को छोड़ कर आलू सब कहीं उग सकते हैं। मध्ययोरप के निचले भागों में शक्कर के लिए चुकन्दर की खेती प्रसिद्ध है। दाल, मटर, फली आदि की खेती भूमध्यसागर और पतझड़वाले वन के कटिबन्ध में होती है। चारे के लिए दक्षिण में लूसन (लूसर्न) और अधिक उत्तर में 'क्लोवर' घास उगाई जाती है। सन आदि रेशे के पौदे मध्ययोरप और पश्चिमी रूस में पैदा होते हैं।

भूमध्यसागर के फलों में अंगूर मुख्य है। ज़ैतून, नारंगी, नीबू, अंजीर, शहतूत, अनार और नाशपाती भूमध्यसागर प्रदेश के अन्य प्रसिद्ध फल हैं।

अंगूर की बेल अधिक ठंडी सरदी की ऋतु नहीं सह सकती है। इसलिए यह पूरब की ओर अधिक नीचे अक्षांशों में और पश्चिम की ओर कुछ ऊँचे अक्षांशों में उगती है।

पहाड़ियों के मेड़ बँधे हुए दक्षिणी ढालों के पास पास अंगूर के बग़ीचे मध्ययोरप में भी बन गये हैं। ज़ैतून की सीमा और भी

के प्रदेशों से अधिक है। पर पक्का माल तैयार करनेवाले और बाहर से भोजन मँगानेवाले ज़िलों की आबादी सबसे अधिक घनी है। योरप

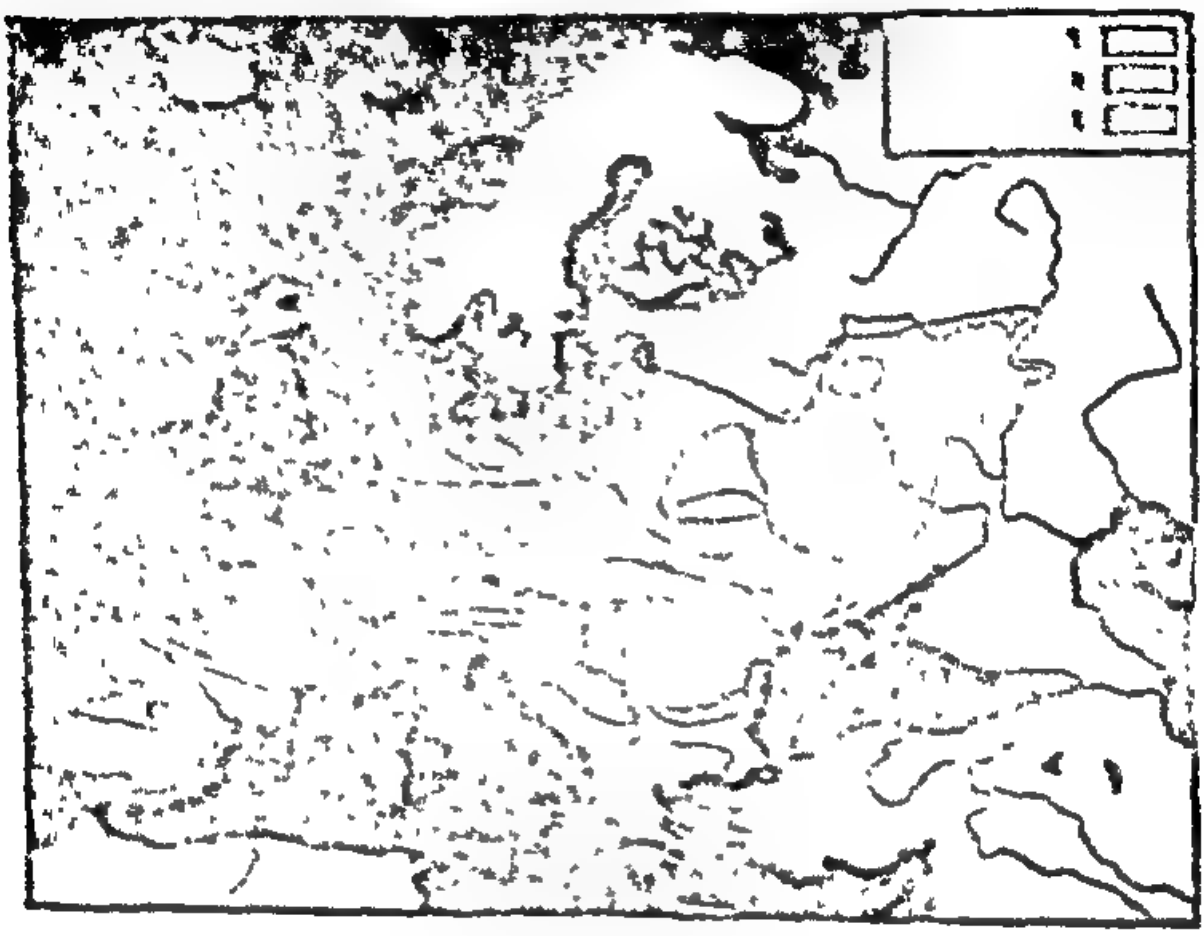

योरप में जन-संख्या की सघनता।

नम्बरों का विवरण (१) १०० से कम (२) २००-२५०, (३) २५० से ऊपर

की जन-संख्या ४० करोड़ है जो प्रतिवर्ग मील में १०६ के हिसाब से बैठती है।

**लोग—रियासतें—और भाषायें**—ठंडा प्रदेश में लेप आदि लोग इस प्रदेश के पौदों की तरह ही छोटे कद के हैं। पर उत्तरी योरप के लोग—लम्बे, पतले, गोरे, नीली आँखोंवाले, और हलके बालोंवाले होते हैं। इस प्रकार के लोग स्केन्डीनेविया, प्रेटिनिन, इस

मिले हुए हैं। बाल्कन देशों में मान्टीनीग्रो, सर्वेनिया और कुछ एड्रियाटिक तट भी शामिल हैं। बल्गेरिया का कुछ भाग कृष्णसागर से मिला हुआ है। योरपीय तुरकी देश बास्फोरस तट से मिला हुआ है। यूनान देश ऐड्रियाटिक के मुहाने और ईजियनसागर के उत्तरी तट से दक्षिण की ओर फैला हुआ है। रूमेनिया देश बल्गेरिया के उत्तर डेन्यूब से मिला हुआ है। इसके ही अधिकार में कुछ कृष्णसागर-तट भी है। जर्मनी के पूर्व में पोलैंड देश है। शेष पूर्वी योरप में रूसी देश हैं।

---

अधिकतर यह लकड़ी जर्मनी या ग्रेटब्रिटेन के हाथ बेच दी जाती है। पेड़ पतझड़ और सरदी की ऋतु में काटे जाते हैं और चिकनी बर्फ़ पर घसीट कर उन्हें जमी हुई नदियों पर इकट्ठा कर देते हैं। बसन्त ऋतु की बाढ़ के साथ ही लट्ठे या बेड़े आरा की मिलों तक बहा

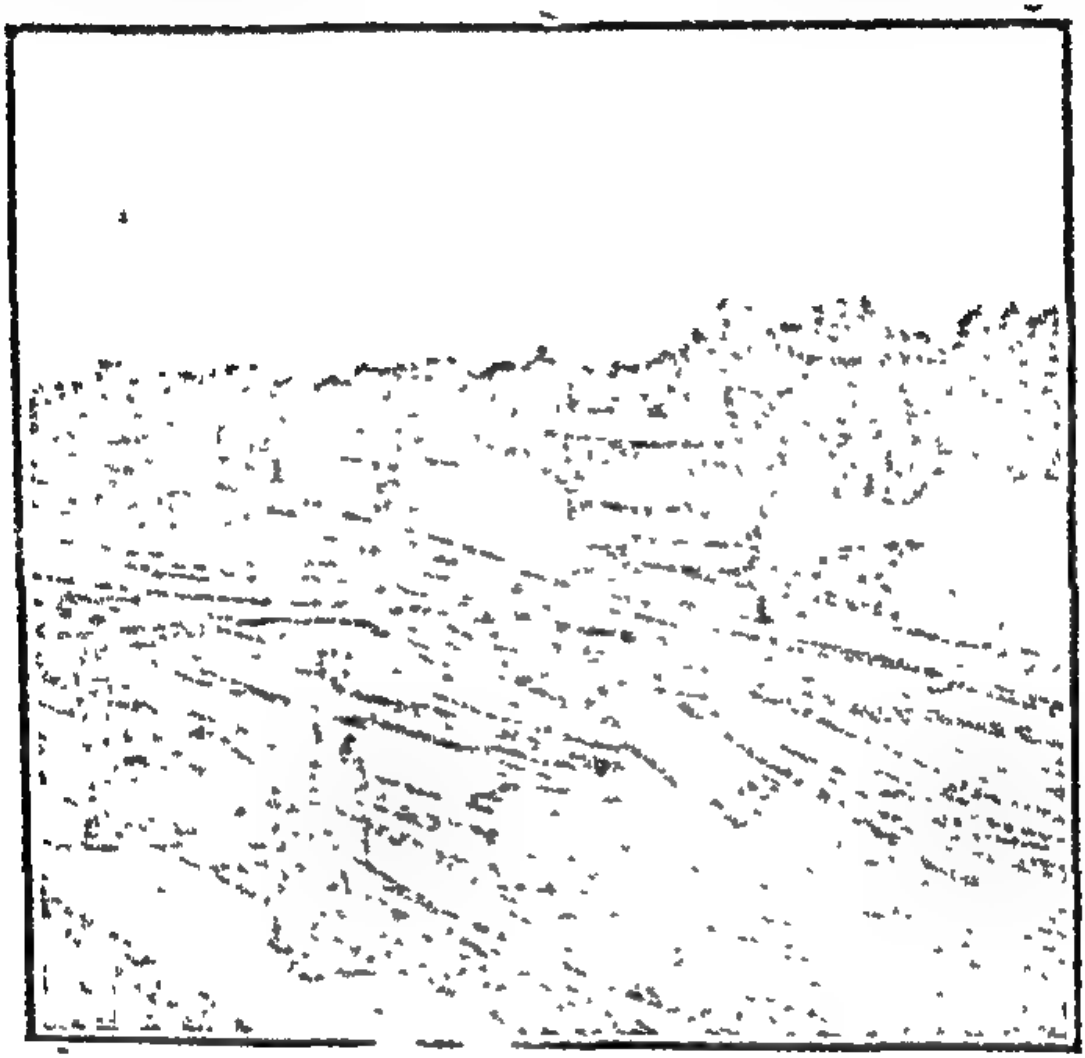

स्वेडिश नदी।

दिये जाते हैं। आरा की मिलें समुद्र-तट पर या तट के पास ही होती हैं। पर, वे उस स्थान में नीचे नहीं होतीं जहाँ के उमड़ते हुए पानी में मशीन चलाने भर को काफ़ी शक्ति होती है।

भिन्न भिन्न काम के लिए भिन्न भिन्न लम्बाई के लट्ठे चीरे जाते हैं।

और बहुत कटा फटा है। तट के पास असंख्य द्वीप हैं, जो स्वाभाविक अनूप बनाते हैं। यहाँ अनेक सुन्दर बन्दरगाह हैं। शान्त जल मछली के लिए भी अधिक अनुकूल है। धरती की निर्धनता के कारण नार्वे के लोगों को भोजन के लिए समुद्र का सहारा लेना पड़ता है। सुरक्षित जल में नाव चलाने की कला सीख कर वे पक्के मल्लाह बन गये हैं। छोटे छोटे बच्चे भी नाव चला लेते हैं। पुराने समय में भी नार्वेजियन लोगों ने बाहर के समुद्रों में जाने का साहस किया और अच्छी अच्छी बड़ी और मज़बूत नावें बनाईं। उन्होंने समुद्र को पार किया और वे फ्रांस, यूनान, आइसलैंड और अमरीका में भी कोलम्बस से बहुत पहले पहुँच गये थे।

जैसे लकड़ी स्वेडन के लिए है वैसे ही मछली नार्वे के लिए है। **सामन** और **ट्राउट** नदियाँ मछलियों के लिए प्रसिद्ध हैं। समुद्र से **काड** (काडलिवर आयल) **हेरिङ्ग, घोंघे, लोब्स्टर** आदि मिलती हैं और बड़ी मात्रा में दिसावर भेजी जाती हैं। हज़ारों मनुष्य मछली मारने और उन्हें तैयार करने में लगे रहते हैं। सील और ह्वेल आर्क्टिक सागर से लाई जाती हैं। नार्वे के **ट्राम्सो** और **हैमरफेस्ट** बन्दरगाह ह्वेल मछली मारने के लिए प्रसिद्ध हैं। खनिज और कारखाने स्केन्डीनेविया की खनिज सम्पत्ति बहुत है। कच्चा लोहा बहुत ही अच्छा पाया जाता है। यह नार्वे की अपेक्षा स्वेडन में अधिक मिलता है। इसके लिए दो प्रान्त विशेष प्रसिद्ध हैं। एक ज़िला **टोर्ने** झील और **गेली वारा** के बीच **लापलैण्ड** में है। दूसरे वेनर और मलार झीलों के उत्तर में है। इस दक्षिणी ज़िले में तांबा, चांदी और सीसा भी निकाला जाता है। कोयले की कमी से कच्चे लोहे की समस्त उपज का केवल ¼ देश में गलाया जाता है। लोहा गलाने में लकड़ी का कोयला जलाया जाता है। इससे लोहा और भी अच्छा हो जाता है। बहुत सी बिजली की शक्ति पठार की नदियों से पैदा होती है, जो रेल

जा सकते हैं। स्काट लैण्ड के पश्चिमी तट पर अनेक फ़िर्थ हैं। फ़िर्थ पतली, लम्बी, गहरी खाड़ियाँ होती हैं। ये सागर और ऊँची पहाड़ी दीवारों से घिरी हुई होती हैं। फ़िर्थों की सुन्दरता अन-मोल होती है और यहाँ सैलानी आकर इनके तट से सौन्दर्य लूटते हैं। पहले यहाँ एक बड़ा घना जंगल था जिसे काटकर यहाँ बस्ती बसाकर फ़िर्थ बने। जिनमें से इन्होंने धरती का रूप बदल दिया। हिमानियों ने इन्हें गहरा और चौड़ा बना दिया। कहीं कहीं ऐसा हुआ कि धरती के हिमानियों के कुछ भी रास्ते रहे थे और जहाँ तहाँ और धरती के किनारे पर हिमनद फ़र्श का कुछ भाग देर तक टिका, फिर सागर जल भर गया और खाड़ियाँ बन गईं। अन्त में यह उत्तरी-पूर्व कोण की ओर झुका, जिससे फ़िर्थ के किनारे पर बसा नगर यह बना और नीचे की ओर अधिक गहरा हो गया।

मछली पकड़ना यहाँ का प्रमुख धन्धा होता है। मछुआरे दो स्थान के भीतर की ओर होते हैं। यहाँ से अधिक भीतर की ओर बहुत कम लोग रहते हैं, इसलिए फ़िर्थ भीतरी प्रदेश के लिए उतने उपयोगी नहीं हैं। स्काट लैण्ड का मछली व्यवसाय है, इसलिए यहाँ के बन्दरगाह बाजार में मछली बेचने के स्थान हैं और बाहर का भी भेजा है। **एबर्डीन** प्रधान नगर है, जो बाहर की ओर एक ग्रेनाइट पर बसा है, और **हाईलैण्डर** और **लोलैण्ड** फ़िर्थ के बीच में स्थित है। यहाँ और जलमार्गों का स्थान है। दो फ़िर्थों में एक प्रधान बन्दरगाह है। एबर्डीन ही यहाँ और इसके मछली का केन्द्र है

स्कॉटलैंड की घाटी में वालों से एक अच्छा व्यवसाय है। यह नगर के दो ऊँचे भागों के बीच में है। यहाँ पर भेड़ें पर्याप्त बहुत मात्रा में मिलता है, वहीं **ट्वीड** नदी है। ट्वीडसाइड में ट्वीड फ़िर्थ पर ट्वीडनाम से ट्वीड नाम हो गया। यह धार्मिक राजधानी भी है। यहाँ एक बहुत पुराना गिरजाघर है। पर यह

गोथलैंड के दक्षिणी पूर्वी कोने पर **कार्लसक्रोना** शहर है जो एक किलाबन्द जहाज़ी बेड़े का स्टेशन है। और अपने पुराने शत्रु ( रूस ) और नये शत्रु ( जर्मनी ) के सामने है। जल तथा स्थल-मार्ग प्रायः एक ही स्थान पर मिलते हैं। यहीं राजधानी है। पुरानी राजधानी **अपसाला** थी। पर अब बहुत समय से **स्टाक होम** ( उत्तर का वेनिस ) राजधानी है। यह नाम पड़ने का कारण यह है कि शहर कई द्वीपों पर बसा है, जिन्हें अनेक जलमार्ग अलग करते हैं। यहीं पर उत्तर-दक्षिण का स्थलमार्ग पूर्व-पश्चिम के जलमार्ग को सुगमता से काटता है। प्रधान धन्धा लकड़ी और कपड़े का है। ( नार्वे और स्वेडन के तट की जलवायु कातने और बुनने के लिए बड़ी ही अनुकूल है )।

**इतिहास**—एक समय दोनों देश डेनमार्क के अधिकार में थे। स्वेडेन कुछ अधिक बलवान् रहा, पर नार्वे में पराधीनता इतनी घुसी कि वहां के लोग अपनी भाषा भी खो बैठे। वे अब डेनिश (डेनमार्क की) भाषा बोलते हैं। इस छुटकारे के बाद जब तक उन्हें रूस का डर रहा, दोनों देश मेल से रहे। अन्त में जब यह डर न रहा, तब दोनों में झगड़ा होने लगा। १९०५ ई० में वे बिलकुल अलग हो गये। नार्वे की अपेक्षा स्वेडन लगभग दूना ( १,७३,०३५ वर्ग-मील ) है। जन-संख्या ५८ लाख है। नार्वे का क्षेत्रफल सवा लाख वर्गमील और जन-संख्या २५ लाख है। नार्वे के उत्तर में कुछ ( २०,००० ) **फिन** लोग और स्वेडन के उत्तर में योरप में **लैप** लोग रहते हैं।

**स्पिटसबर्गन**—यह द्वीप-समूह ( २०,००० वर्गमील, जन-संख्या २०० ) पहले किसी के अधिकार में न था। सन् १९१२ में राष्ट्रसेघ ( लीग आफ़ नेशन्स ) की सभा ने इसे नार्वे के राज्य में

# षष्ठ अध्याय

## डेनमार्क

**डेनमार्क** (१५,००० वर्गमील जन-संख्या ३१ लाख) में स्कैन्डिनेविया से मिला हुआ **जटलैंड** प्रायद्वीप और पासवाले बहुत से द्वीप शामिल हैं। इनमें सबसे बड़े **ज़ीलैंड** और **फ्यूनन** हैं। **बार्नहोम** का पहाड़ी द्वीप बाल्टिक सागर में है। गत शताब्दी में नॉर्वे के अलग हो जाने से डेनमार्क का बल बहुत घट गया। पर **पश्चिमी द्वीपसमूह** में छोटे छोटे द्वीप, **फेरोद्वीप** और **ग्रीनलैंड** अब भी डेनमार्क के अधिकार में हैं। डेनमार्क की ही छत्रछाया में आइसलैंड को स्वराज्य मिल गया है।

प्रायद्वीप और द्वीपों को मिलाकर डेनमार्क का समुद्र-तट बहुत लम्बा है। पर अच्छे बन्दरगाह कम हैं। पूर्व को छोड़ कर समुद्र के किनारे रेतीले हैं। दक्षिण और मोड़दार **लिटिल बेल्ट** फ्यूनन द्वीप और प्रधान स्थल के बीच में है। चौड़ा और अधिक गहरा **ग्रेट बेल्ट** फ्यूनन और ज़ीलैंड द्वीपों को अलग करता है। यह दोनों जल-प्रणाली **कील** की ओर खुली हैं। ज़ीलैंड और स्कैन्डीनेविया के बीच में **साउंड** है। ज़ीलैंड के उत्तरी पूर्वी सिरे पर **साउंड** इतना सकरा है, कि सर्दी में बड़ा बर्फ़ जम जाने पर चलनेवाला मनुष्य एक घंटे में ज़ीलैंड से हेलसिंगबोर्ग (स्वीडन) में पैदल पहुँच सकता है। पर तीनों ही नार्थसागर और बाल्टिक सागर के बीच प्रमुख जल-द्वार हैं। साउंड पर स्थित, **कोपेनहेगन** नगर (**व्यापारियों का बन्दरगाह**) राजधानी है। इसकी व्यापारिक महत्ता इसके नाम

है जिससे बहुत सा दूध-उत्पादन किया होता है। यह इस सरकार की हैसियत से बड़ा अच्छा है। १९१२ से यहाँ के कोऑपरेटिव दूध-उत्पादन में बड़ा सुधार हुआ है। सुअरों को मोटा करने के लिए बहुत सा माल बाहर से आता है। यह खाद खेतों के भी काम आता है। इन्हें सर्व कोपेनहेगन भेजे जाते हैं। इसलिए बेकन सोने की बनाये जाते हैं। इस प्रकार की उन्नति से व्यापार का संतुलन अनुकूल होने पर भी इन्हें अनुकूल दीखे जिसका बड़ा हिस्सा जर्मनी में है उसका ब्रिटेन के एक तिहाई से कुछ कम है।

डेनमार्क के किसानों में सहकारी ढंग से काम करने की आदत है। इससे खर्च भी कम होता है और बीज अच्छी किस्म होती है। किसान के पास कई-कई सौ एकड़ जमीन होती है, जिसे खरीदना करने से किसी भी किसान की शक्ति के बाहर है। दूध पहले इकट्ठा किया जाता है, फिर मक्खन आदि बनाने के लिए भेजा जाता है, और वह समिति (सोसाइटी) के विक्रयशाला सदस्यों को बाँट दिया जाता है। फिर उसके द्वारा मक्खन और पनीर बनाया जाता है। मक्खन निकले हुए दूध का अधिक भाग प्रत्येक सदस्य को लौटा दिया जाता है। यह सुअरों को मोटा करने में प्रयुक्त होता है। कुछ सहकारी सहयोगी (को-ऑपरेटिव सोसाइटी) के दफ्तरखाने में भेजे जाते हैं। वहाँ उनके साथ में मक्खन भरा जाता है। बीमार जानवर अलग कर दिये जाते हैं।

**समुद्र**—डेनमार्क में व्यापार से द्वारा आ समस्त देश के ¼ के बराबर है। अधिक स्वदेशी है। इसी प्रकार स्थल मार्गों से अल्प-मार्ग अधिक काम के हैं। कोपेनहेगन और माल्मो नगर के बीच से सबसे सीधा और सबसे छोटा मार्ग समुद्र से होकर जाता है। कोपेनहेगन सर्वोत्तम मार्ग के बीच में एक व्यापारी नगर है यहाँ कई मार्ग मिलते हैं। १,००० वर्ष पहले यह समुद्री डाकुओं से बचने के लिए बनाया गया था। कोपेनहेगन में यहाँ सर्वोत्तम बन्दरगाह है। पर बीच शहर के बन जाने से कोपेनहेगन का कुछ भाग पड़ा। कोपेनहेगन

# सप्तम अध्याय

## जर्मनी

**जर्मनी** (१८,३०,००० वर्गमील, जन-संख्या ६ करोड़) योरुप भर में अत्यन्त मध्यवर्ती देश है और अल्प्स पर्वत से लेकर **नार्थ** तथा **बाल्टिक सागर** तक फैला हुआ है। जर्मनी प्रायः स्कैंडीनेविया और इटली के ही देशान्तरों में स्थित है। पर, दक्षिणी जर्मनी ५० अक्षांश के दक्षिण में बहुत संकुचित है, और फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, आस्ट्रिया और चेकोस्लोवेकिया से घिरा है। दक्षिणी जर्मनी से उत्तरी जर्मनी कहीं अधिक बड़ा है। समुद्र-तट समस्त सीमा का केवल $\frac{1}{7}$ है। जटलैंड प्रायद्वीप **नार्थसागर** के छोटे तट को इससे कहीं अधिक बड़े **बाल्टिक तट** से अलग करता है।

यह देश चार बड़े बड़े प्राकृतिक भागों में बँटा है। (१) **उत्तरी मैदान** जर्मनी का सबसे अधिक नीचा और चपटा भाग है। यह बिलकुल समतल तो नहीं है, पर बाल्टिक के टीलों को छोड़कर शायद ही कहीं इसकी भूमि ६०० फुट से अधिक ऊँची है। नार्थसागर की ओर निचले मैदान को रेतीले टीले समुद्र से अलग करते हैं। समुद्री घास ने हवा से लाई गई बालू को रोड़ रोक कर टीले बना दिये हैं। टीलों के पीछे नदियों की बाढ़ से दलदल होगये है। बहुत सी दलदली धरती बाँध बना कर सुखा ली गई है, जिससे वह चरने के योग्य हो गई है। इन दलदलों के पीछे धाराओं और सोतों का लहरदार ऊँचा प्रदेश है, जिसमें कहीं रेत है, कहीं पेड़ हैं, और कहीं कंकड़ पत्थर बिछे हैं। गाँव कम हैं। गाँवों ही के पास पास खेती होती है। बाल्टिक तट पर समुद्री धाराओं ने रेत के लम्बे लम्बे बाँध बना दिये हैं।

(४) अल्प्स का बहुत ही थोड़ा भाग जर्मनी में पाया जाता है। यह भाग बोहेमिया के दक्षिणी तट पर कान्सटेन्स झील और साल्ज़बर्ग के बीच परिमित है। केवल इसी ज़िले में जर्मनी की ऊँचाई साढ़े छः हज़ार फ़ुट तथा इससे कुछ अधिक ऊँची हो पाती है। इसी जर्मन ज़िले में शाश्वत हिम का प्रान्त है। वहाँ ज़ुग्स पिटज़ की सर्वोच्च चोटी ९,७१० फ़ुट हो गई है।

जलवायु—जर्मनी प्रायः ४६ अक्षांश से ५५ उत्तरी अक्षांश तक चला गया है। पर उत्तर तथा दक्षिण के तापक्रम में इतना अन्तर नहीं है, जितना पूर्व-पश्चिम के तापक्रमों में है। बाल्टिक सागर के तट को छोड़ कर जलवायु सब कहीं विषम अर्थात् महाद्वीप-सम्बन्धी है। शीतकाल अत्यन्त ठंडा और ग्रीष्म अत्यन्त गरम होता है। जर्मनी के पूर्वी भाग में अति शीत के दो महीनों में पाला पड़ता है, तभी उसके बाल्टिक सागर तथा उसमें गिरनेवाली नदियों में बर्फ़ जम जाती है। पश्चिम में अटलांटिक हवाओं की कृपा से सागर बर्फ़ से मुक्त रहता है। दक्षिणी जर्मनी अधिक गरम अक्षांशों में अवस्थित है, पर वह इतना ऊँचा है और समुद्र से इतना दूर है कि वहाँ खूब जाड़ा पड़ता है। अल्प्स या अल्प्स के अग्रभाग में सबसे अधिक सरदी पड़ती है। वर्षा का भी बड़ा ही विषम विभाग है। बाल्टिक सागर के तट पर साल में २० इंच पानी बरस जाता है। मध्यवर्ती पठार के खुले हुए पश्चिमी तथा दक्षिणी-पश्चिमी ढालों पर ४० इंच वर्षा होती है और सब जगहों वर्षा की कमी है। जैसे जैसे हम पश्चिम से पूर्व को बढ़ते हैं, वैसे वैसे वर्षा भी घटती जाती है।

वन और कृषि—जर्मनी की आधी भूमि खेती के काम आती है। ¼ भूमि वनों और जङ्गलों से घिरी है। ¼ भाग में चरागाह है। वनों का प्रबन्ध बड़ी सावधानी से होता है इनसे मूल्यवान् लकड़ी निकलती है। इसलिए जर्मनी में बहुत ही थोड़ी ज़मीन ऐसी है जिसे हम बञ्जर कह सकते हैं। यद्यपि जर्मनी कला-कौशल के लिए प्रसिद्ध है तथापि

[illegible] में आनेजाने वाले बड़े बड़े जहाज़ राइन से या तो दक्षिण की ओर स्विट्ज़रलैंड में होकर जाते हैं अथवा राइन नदी के ऊपर पूर्व की ओर पहुँचते हैं। बड़ी बड़ी नावें राइन में फ्रैंकफर्ट तक भी पहुँच जाती हैं। इसके आगे छोटी छोटी चलती हैं। लुडविग नहर राइन

राइन घाटी का एक दृश्य

नदी को डेन्यूब से मिलाती है। जहाँ राइन नदी से नहर निकलती है वहाँ लुडविगशेफ़न शहर है। नहर के बनने के पहिले से [illegible] [illegible] के [illegible] का [illegible] होकर [illegible]। [illegible] [illegible] ने भी इसी नदी का [illegible] किया है। [illegible]

# अष्टम अध्याय

## पोलैंड

**पोलैंड** (क्षेत्रफल लगभग १,५०,००० वर्गमील, जनसंख्या २,७८,००,०००) पुराना देश है, सोलहवीं सदी में यह देश योरप भर में सबसे बड़ा राज्य था। फिर इसके बुरे दिन आये। १७९५ में इस देश का **गेलिशिया** प्रान्त आस्ट्रिया ने, **पोसेन** प्रान्त प्रूशा ने, और शेष बड़ा भाग रूस ने दबा लिया। बड़ी लड़ाई के बाद स्वतन्त्र पोलैंड का फिर निर्माण हुआ। यहां पोल लोगों के अतिरिक्त बहुत से रूसी, जर्मन और कई लाख यहूदी रहते हैं।

पोलैंडदेश **बाल्टिक** सागर और **कार्पेथियन** पहाड़ के बीच विशाल मैदान (ग्रेटप्लेन) का एक अंग है। अधिकतर यह **विश्चुला** नदी के बेसिन को घेरे हुए है। केवल दक्षिण-पश्चिम में अपनी सहायक नदियों के साथ **ओडर** नदी इस देश का पानी बहा ले जाती है। देश अधिकतर समतल है। कार्पेथियन के पास पहाड़ी ढिले हैं। उत्तरी प्रदेश में दलदल, झीलें और उजाड़ पहाड़ियां हैं। यहां की जलवायु न तो पश्चिमी योरप के समान समशीतोष्ण है, न रूस की भांति विषम ही है। सरदी में खूब जाड़ा होता है। (लेम्बर्ग शहर का जनवरी-तापक्रम २४ अंश फ़ारेनहाइट है) और ग्रीष्म में गरमी पड़ती है। औसत से साल में बीस पचीस इंच पानी बरस जाता है। सरदी के दिनों में अधिकतर बर्फ़ गिरती है, पर प्रायः मार्च तक पिघल जाती है। कभी कभी तो बर्फ़ के अचानक पिघलने से नदियां उमड़ कर सड़कों को दुर्गम बना देती हैं।

इस बड़े और धनी देश का बाल्टिक-तट डेंजिग और प्रूशा के बीच में बहुत ही थोड़ा है। यहाँ पोलैंड का कोई अच्छा बन्दरगाह भी नहीं है। डेंजिग (१,७०,०००) विस्चुला के मुहाने पर स्थित होने से, पोलैंड का स्वाभाविक बन्दरगाह है। पहले विस्चुला की प्रधान धारा यहीं होकर समुद्र में गिरती थी। जब इसने मार्ग बदल दिया, तो भीतरी व्यापार को यहाँ में करने के लिए नहर खोलनी पड़ी। पश्चिमी रूस का गेहूँ यहीं होकर जाता है। डेंज़िग में जहाज़ बनाने का भी कारख़ाना है। डेंज़िग में जर्मन और पोल दोनों ही का निवास है। पर इस समय डेंज़िग बन्दरगाह स्वतन्त्र है।

(२) काली धरतीवाले कटिबन्ध के दक्षिण में अच्छी चराई की भूमि या स्टेपी है। यह भूमि घोड़ों, भेड़ों और ढोरों के लिए अनुकूल है। यहाँ मांस, खाल, चमड़ा, बाल और ऊन की उपज है। रूस का यह भाग सबसे अधिक गरम है। ग्रीष्म में खूब गरमी और लुओं होती है। सरदी सिर्फ़ तीन महीने रहती है। **डान** नदी और **कास्पियन** सागर के बीच **नमकीन स्टेपी** है, जो कास्पियन-सागर का ही अंग था। अराल के समान कास्पियन भी उस बड़े सागर का बचा हुआ भाग है, जो आर्क्टिक महासागर से कृष्णसागर तक फैला हुआ था, और योरप को एक पृथक् महाद्वीप बना रहा था। वसन्त और शिशिर ऋतु में नमकीन स्टेपी की अल्प घास चरने के लिए घोड़े और ढोर छोड़ दिये जाते हैं। कहा जाता है कि यहाँ चुकन्दर उगाकर शक्कर तैयार हो सकती है।

(१) अत्यन्त दक्षिणी सिरे पर मरुप्राय प्रदेश है जहाँ ऊँट चरते हैं।

**कृषि और वन**—हम देख चुके हैं कि आर्क्टिक महासागर के पास घास उजाड़ टुंड्रा है। दक्षिण में विशाल वन हैं, जो अब भी देश की १० फ़ी सदी ज़मीन घेरे हुए हैं। लकड़ी के अतिरिक्त उत्तरी वनों में जानवरों की खाल (फर) बहुत मूल्यवान् होती है। कृष्णसागर से लेकर ६० अक्षांश तक साफ़ धरती में खेती होती है। इस अक्षांश के आगे खेती विशेष महत्त्व नहीं रखती है, इसी से जन-संख्या कम है। **कामा** और **लोअर वाल्गा** के आगे पूर्व में भी कम खेती होने से आबादी अधिक नहीं है। सबसे अधिक उपजी फ़सल **राई** की है, जो वन-देश के आर पार ६० अक्षांश के दक्षिण छः सात सौ मील चौड़े कटिबन्ध में होती है। **जई** भी खूब होती है, पर यह ५५ अक्षांश के उत्तर में अधिक नहीं होती है। इन फ़सलों के दक्षिण में काली धरतीवाले **यूक्रेन** प्रान्त, **अज़ोव-सागर** के **उत्तरी पूर्वी भाग** और **क्राइमिया** प्रायद्वीप में **गेहूँ** का देश है। अगर इन गेहूँ के प्रदेश

इसे बड़ी सुविधा होती है। यहां सर्वोत्तम शक्कर और चमड़ा भी तैयार किया जाता है। **खारकोफ** से कोयला और समीपवर्ती खेतों से चुकन्दर तथा चमड़ा आता है। पर **कीव** को वास्तव में रूस की काशी समझना चाहिए। यहां यूनानी गिर्जों की भरमार है। प्रतिवर्ष तीन चार लाख यात्री दर्शन करने आते हैं। रूस में राई लोगों का मुख्य भोजन है। गेहूँ तथा गेहूँ का आटा दिसावर भेजा जाता है। अन्न के अतिरिक्त मक्खन, अंडे, लकड़ी, लकड़ी का सामान, सन, नमदा और चमड़ा दिसावर भेजा जाता है। रुई, मशीन, धातु की चीज़ें, चाय, कोयला और कोक बाहर से आता है।

**इतिहास**—रूसी लोग अधिकतर अल्पायन जाति के **स्लैव** हैं। मंगोलियन **काल्मूक, कज़ाक** (कोसक), **तातारी** आदि एशियायी सन्तान पूर्व में हैं। बहुत से **यहूदी** दूर दूर तक फैले हुए हैं। अधिकांश लोग यूनानी गिर्जे को मानते हैं। कुछ रोमनकेथलिक हैं। प्रोटेस्टेन्ट तो बहुत ही थोड़े हैं। रूस-राज्य का आरम्भ वन-प्रदेश में हुआ। मास्को इसकी प्राकृतिक राजधानी बना। जहाज़ी शक्ति बढ़ाने के लिए पीटर ने पीटर्सबर्ग (लेनिनग्रेड) में नई राजधानी बनाई। १९१७ की राज्यक्रान्ति के बाद फिर मास्को को ही राजधानी बनने का गौरव प्राप्त हुआ। ज़ारशाही का अन्त होने पर रूस का सरकारी नाम साम्यवादी सोवियट प्रजातन्त्र-संघ अर्थात् यूनियन आफ़ सोशल सोवियट रिपब्लिक्स पड़ा। प्रधान रूस में साइबेरिया, श्वेत रूस (ह्वाइट रशा), यूक्रेन, ट्रान्सकाकेशिया, तर्कोमान और युजबेक शामिल हैं। इनके अतिरिक्त ११ स्वतन्त्र प्रजातन्त्र और १८ स्वाधीन राष्ट्र हैं। फिनलैंड, पोलैंड, लैटविया, लिथुएनिया और एस्थोनिया के अलग हो जाने और बसोरविया के छिन जाने (रोमानिया द्वारा) से रूस का क्षेत्रफल तीन लाख वर्गमील कम हो गया, फिर भी, सब मिला कर ८२ लाख वर्गमील है। इसमें प्रायः साढ़े नौ करोड़ मनुष्य रहते हैं।

के समभाग और गरम घाटियों में दूर दूर फैले हुए हैं। निचली घाटियों (१,००० फुट व इससे कुछ ऊपर) में अंगूर और गेहूँ (कहीं कहीं मक्का भी) उगते हैं। इससे कुछ अधिक ऊँचाई पर पतझड़ के वन हैं, और राई तथा जई उगाई जाती है। ४ और ६½ हज़ार फुट के बीच में फ़र तथा देवदार के वन हैं। इसके आगे ग्रीष्म ऋतु के चरागाह हैं। ८,०००

स्विट्ज़रलैंड की वादी।

फुट से अधिक ऊँचाई पर अल्प्स की क्षुद्र वनस्पति है जो टुन्ड्रा से मिलती-जुलती है। ९,००० फुट के ऊपर हिमरेखा है। दक्षिण में गाभी की अधिकता वनस्पति के वर्टिकल कुछ अधिक ऊँचाई पर है। **टिसिनो** घाटी में शाहबलूत (रेशम के कीड़े पालने के लिए) भी पाये जाते हैं।

**कला-कौशल**—स्विट्ज़रलैंड में खनिज बहुत कम है। कारख़ानों के लिए कुछ कोयला बाहर से मँगाया जाता है। पर अधिकतर इनका काम बिजली से चलता है, क्योंकि जल-शक्ति बहुत है। हिमरेखा पर बने हुए होटलों में भी बिजली की रोशनी होती है। अल्प्स की तराई में बने से बासेल्स तक सूती कपड़े बनाने का काम अधिक होता है। रेशमी

हाए में है कार्पेथियन और सूडेट पहाड़ों के बीच **मोरेवियनगेट** वार्सा, लेनिनग्रेड और मास्को का मार्ग खोल देता है। **ओडर** घाटी से **ब्रेसलाऊ** होकर बाल्टिक तट पर भी उतर सकते हैं। सूडेट और एर्ज़गेबर्ज़ के बीच **एल्बगैप** में होकर एक रेलवे विएना को ड्रेस्डन, बर्लिन और हेम्बर्ग से जोड़ देती है। **बोहेमियन फारेस्ट** और **अल्पायन फोरलैंड** के बीच में होकर **ओरियन्ट एक्सप्रेस** का मार्ग आता है, जो राइन के नगरों और नार्थ सागर के तटों को विएना से मिला देता है। पूर्व में यह मार्ग हंगारी होता हुआ **मोरावा** और **मारिज़ा** घाटियों का अनुसरण करके **कुस्तुन्तुनिया** में समाप्त हो जाता है। **निश** नगर से एक शाखा **सेलोनिका** को गई है। पर पुराने साम्राज्य के छिन्न भिन्न हो जाने से आज-कल विएना प्रायः सीमा प्रान्तीय नगर होगया है। प्रशान्त्य राष्ट्र का मध्यवर्ती नगर **ब्रुक** बन गया है।

---

# पंचदश अध्याय

## चेकोस्लोवेकिया

**चेकोस्लोवेकिया**—( २४,००० वर्गमील, जन-संख्या १,१६,००,००० ) का प्रजातन्त्र राष्ट्र बड़ी लड़ाई के बाद बना। इस देश की पूर्व से पश्चिम तक लम्बाई ६०० मील और अधिक से अधिक चौड़ाई १८२ मील है। देश में निम्न तीन प्राकृतिक प्रदेश हैं:—

(१) **बोहेमियन पठार** (२) **मारेविया** तथा **साइलेशिया के निचले मैदान** और (३) **स्लोवेकिया** और **रूसीनिया** के पहाड़ी **प्रदेश चेक** लोगों का निवास पहले दो प्रदेशों में है। **स्लोवेक** लोग स्लोवेकिया में रहते हैं और **चेक** भाषा का ही रूपान्तर बोलते हैं। पर दोनों ही (उत्तरी) **स्लैव** जाति के हैं। पर सारे निवासी स्लैव-जाति के नहीं हैं। बोहेमियों में ¼ लोग जर्मन हैं। इस देश की राजधानी **प्रेग** में दो विश्वविद्यालय हैं। एक जर्मन लोगों के लिए और दूसरा **चेक** लोगों के लिए है। इसी प्रकार **मोरेविया** का **ब्रुन** और **साइलेशिया** का **ट्रोपाओ** नगर जर्मन भाषा-भाषी हैं। दोनों ही में ऊनी कपड़ा बनाया जाता है।

इस समय देश का स्लोवेक भाग कुछ पिछड़ा हुआ है। यहां अधिकतर धरती वन से ढकी है। बहुत थोड़ा क्षेत्र जौ और राई उगाने के लिए साफ़ किया गया है। खेती भी पुराने ढंग से होती है। हंगारी के **ओर** पर्वतों के थोड़े से लोहे को छोड़ स्लोवेकिया में खनिज का अभाव है। स्लोवेकिया का सबसे अधिक मूल्यवान् भाग डेन्यूब में मिलनेवाली नदियों की वनाच्छादित दक्षिणी घाटियों में है। **ब्रेटिस्लावा** (प्रेसबर्ग) स्लोवेकिया में नदी का बन्दरगाह है।

# सोडश अध्याय

## स्पेन और पुर्चगाल

**स्पेन** ( क्षेत्रफल प्रायः २ लाख वर्गमील, जन-संख्या प्रायः २ करोड़) और **पुर्चगाल** ( क्षेत्रफल ३५,५०० वर्गमील जन-संख्या १० लाख ) दोनों देश आइबेरिया अथवा **आइबेरिया** प्रायद्वीप के नाम से पुकारे जाते हैं। आइबेरिया का प्रधान भाग **मेसीटा** का पठार है यह दो तीन हज़ार फुट ऊँचा है। केवल इसके तंग तट पर ही नीची धरती मिलती है। इसका तट सपाट है। कटा फटा नहीं है **एटलस** प्रदेश से इसका घनिष्ट सम्बन्ध है।

समस्त पठार पश्चिम की ओर झुका हुआ है। इसलिए बड़ी बड़ी नदियां प्रायः पश्चिम की ओर बहती हैं। और पूर्वी किनारे से निकलती हैं। **डौरो, टेगस गाडियाना** नदियों के निचले मार्ग **पुर्चगाल** में हैं। सभी बन्दरगाह अटलांटिक पर स्थित हैं और उनका रुख अमरीका की ओर है। पश्चिम की ओर बहनेवाली नदियों में **गाडल क्विवर*** का ही समस्त मार्ग स्पेन में है। **केन्टेब्रियन** पहाड़ से निकलनेवाली केवल **एब्रो** ही एक ऐसी नदी है, जो पूर्व की ओर बहती है और भूमध्यसागर में गिरती है।

प्रपात और जलाभाव के कारण आइबेरिया की नदियां नाव चलने के लिए अनुकूल नहीं हैं। केवल बड़ी नदियों के निचले भाग में नावें चलती हैं।

**जलवायु**— भूमध्यसागर के और प्रदेशों के समान **आइबे-**

* ( वादी उल कबीर बड़ी नदी )।

**इतिहास**—नूर लोगों के आक्रमण से प्रायद्वीप को बहुत सी नई बातें मिलीं। पर समुद्र से घिरे हुए होने के कारण समुद्री खोज ने प्रायद्वीप को एक-दम धन, यश और शक्ति के शिखर पर पहुँचा दिया। पुराने साम्राज्य के नष्ट हो जाने पर भी एशिया और अफ्रीका की लगभग ९०½ लाख वर्गमील धरती पर पुर्तगालवालों का राज्य है। इसी प्रकार अफ्रीका के लगभग १½ लाख वर्गमील प्रदेश पर स्पेनवालों का अधिकार है।

---

जिससे इसके किनारों पर बांध बांधने पड़ते हैं। बांधों के कारण मिट्टी इधर-उधर फैलने नहीं पाती। इसका डेल्टा (एड्रिया) बड़ी तेज़ी से बढ़ रहा है। इसके नाम से ही प्रकट है कि एड्रिया-डेल्टा पहले एड्रियाटिक सागर में लगा हुआ था। पर अब यह बीसमील भीतर को हो गया है।

गंगा के मैदान से पो के मैदान में बहुत कम पानी बरसता है। भार अधिक बनने से गरमी में धरती झुलस सी जाती है और सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। मैदान समतल होने और नदी का तल ऊँचा होने के कारण नहर निकालने में बड़ी सुविधा हुई है।

ग्रीष्म में गरमी बहुत पड़ती है। पानी भी अधिक है। इसलिए सिंचे हुए मैदान में चावल, मकई और सन लगाया जाता है। ग्रीष्म की शुष्क, गरम और धूपवाली ऋतु जैतून, शहतूत, अंगूर और गेहूँ के लिए भी अच्छी होती है। कुछ गेहूँ के तिनके दक्षिए में "लेघार्न" हैट (टोपी) बनाने के लिए मँगा लिये जाते हैं। गेहूँ से 'मैकेरोनी' (सीमी) और मकई से "पोलेन्टा" (दलिया) बनता है। सुरक्ष जलवायु और अन्न की अधिकता के कारण मुर्गी पालना भी सुगम हो गया है। करोड़ों अंडे विदेश भेजे जाते हैं। मैदान के कुछ भागों में ढोर पलते हैं और पनीर बनाया जाता है। धरती उपजाऊ है। पर आबादी बहुत घनी है। मिहनती होते हुए भी लोग निर्धन हैं। उन्हें सावधानी से निर्वाह करना पड़ता है। किसान पोलेन्टा (मकई का दलिया) और पानी से ही कलेवा करता है। इसका भोजन केवल रसदार शाक होता है, जिसे वह कुछ चरबी मिलाकर स्वादिष्ट बना लेता है। कभी तरकारी, तेल (ज़ैतून का) और अंगूर का सिरका साधारण भोजन है। विशेष त्योहारों पर पनीर, अंडे और सूखी मछली भी मिला ली जाती है। यद्यपि निचले आर्द्र भागों में ढोर और ऊँचे सुरक्ष भागों में भेड़ें हैं, फिर भी मांस महँगा पड़ता है, और बहुत कम खाया जाता है। मिलने पर ये लोग मेंढक, घड़ियल,

सुरंग बन जाने और अटलांटिक महासागर की ओर पोत के व्यापार का मुँह मुड़ जाने से जेनोआ बहुत प्रसिद्ध हो गया है। यदि जेनोआ का पृष्ठ-देश विस्तृत न होता तो यह नगर और भी अधिक बढ़ जाता।

**प्रायद्वीप**—प्रोवेन्सल एवं प्रायद्वीप के बड़े भाग में ऊँची रीढ़ के समान है। तेज ढलवे भाग उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व की ओर हैं। यह पहाड़ ऐसा मुड़ता है कि उत्तर और दक्षिण में परिवर्तनों के साथ का आता है। बीच में पूर्वी तट की ओर झुक गया है। पूर्वी ढाल के बीच में चौड़ा बिछला प्रदेश है। पर इसके कुछ भागों में दरारें हैं, जिनसे स्रोत फैलता है। दूसरी ओर की ढाल-भूमि महाद्वीप के समान विषम है पर दक्षिण में मूलभूत प्रदेश की सी है।

सारे ढालों पर झरबेरी उगती है, जो प्रायद्वीप-निवासियों का मुख्य भोजन है। ढालों में तरह तरह के कुकुरमुत्ते भी उगते हैं, जो या तो ताजे खाये जाते हैं या सुखा लिये जाते हैं। तेल में डालकर उनका अचार भी बना लेते हैं। देवदार के अन्न में मुलैठी मिलाके खाये जाते हैं और फल, बादाम की तरह बिहाड़ों में पड़ते हैं। सुरक्षित होने से फलों को सुलभता देती है, इसलिए यहाँ कम पाली जाती है, और मवेशी तथा दूध भी थोड़ा होता है। पर, भेड़ बकरी बहुत पाली जाती हैं, जो दूध देती हैं और जिनके ऊन और चर्म से कपड़े बनते हैं। पहाड़ी किसान स्वावलम्बी हैं और अपनी सब आवश्यकताएँ अपने आसपास पूरी कर लेते हैं। दक्षिण-पश्चिम में पहाड़ दलदल हैं, इसलिए लोग अधिक तट पर ही रहते हैं और मछली मारते हैं।

प्रायद्वीप में बड़े बड़े नगर पूर्व के प्रदेश परिवहन में मिलते हैं। इसलिए इन्हें इस नगर के परिवहन में ही देखेंगे। **जेनोआ, फ्लारेंस, पिसा, लेघार्न, रोम और नेपिल्स** तट परिवहन में ही हैं। ये होटे बिछले मैदान के बीच स्थित हैं। प्रायद्वीप में बड़े रेल मार्ग भी तट के समानान्तर ही निकलते गये

हैं। पूर्व की ओर प्रधान लाइन **बोलोग्ना** होकर मैदान में दक्षिणी किनारे से होकर जाती है। वहीं से दूसरी लाइन एपीनाइन को पार करके फ्लारेन्स पहुँचती है। जो हिन्दुस्तानी यात्री परिश्रमी ढोहर में शीघ्र पहुँचना चाहते हैं, वे जहाज से उतर कर **ब्रिंडिसी** में रेल पर

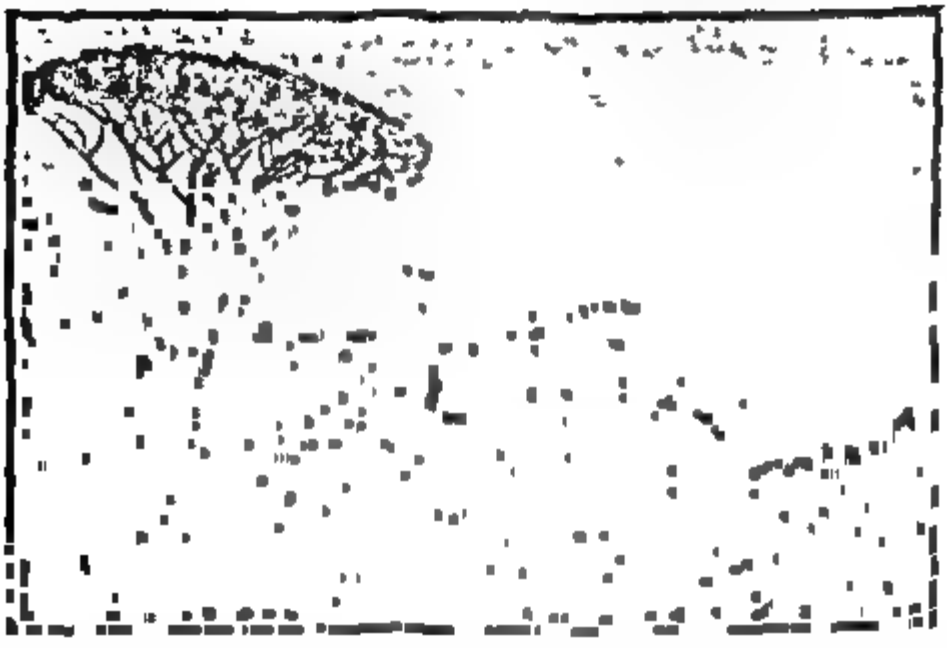

नपिल्स और विसूवियस।

सवार हो लेते हैं। स्पेन का चक्कर काटकर आनेवाले जहाज भी डाक और यात्रियों का लेने के लिए ब्रिंडिसी में ठहरते हैं। **एपीनाइन** पर्वत के परिचम में भी इसी प्रकार की तटीय सड़क है। अन्तर्विख्यात कोषवाले **फ्लारेंस** नगर से मध्य इटली में एक प्रसिद्ध मार्ग **अपनों** घाटी से ऊपर चढ़ता है और **टाइबरघाटी** से **रोम** में उतर आता है। अधिक दक्षिण में अपने ही नाम की खाड़ी पर स्थित इटली का सबसे बड़ा शहर **नेपिल्स** बसा है। पश्चिमी प्रायद्वीप का प्राकृतिक केन्द्र **रोम** (४,११,०००) है। आरम्भकाल में इसकी सात पहाड़ियां मन्दिरों के लिए, गहरा पानी नावों के लिए और खुली जगह बाज़ार के लिए

अनुकूल थी। इसी से यह राजधानी बना, फिर पोप ने इसे ईसाइयों का सर्वोपरि बनाया। धर्म और राज-नीति के साथ ही साथ यह शिक्षा और कला का भी केन्द्र हो गया है।

इटली के द्वीप-**सिसली** (९,९०० वर्गमील) की जलवायु समस्त इटली से अधिक मृदुल है, और वहाँ अंगूर अधिक उगते हैं। नीबू और नारंगी बहुत प्रसिद्ध हैं। द्वीप का उत्तरी आधा भाग एपीनाइन पहाड़ का ही सिलसिला है। **इटना** नाम का प्रज्वलित ज्वालामुखी **केटेनिया** नगर के ऊपर पूर्व में १०,७३० फुट ऊँचा है। उत्तरी तट पर बसा हुआ **पेलर्मो** नगर द्वीप की राजधानी है। सिसली के उत्तर आग्नेय **लिपारी** द्वीप योरपीय बाज़ारों के लिए शाक-भाजी की फ़सल कुछ पहले उगाते हैं। **टस्कन** तट के सामने **एल्बा** द्वीप में लोहा अधिक निकलता है। अधिक परिमाण में कोसिक **सार्डिनिया** के (९२,००० वर्गमील) पहाड़ी द्वीप में लोहा निकलता है। **कोर्सिका** द्वीप पर फ्रांसीसियों का अधिकार है।

**इतिहास**—प्राचीन काल में रोम की शक्ति ने इटली को एक कर दिया। पर इस साम्राज्य के नष्ट होते ही इटली में कई रियासतें हो गईं। १८६० में सार्डिनिया के राजा का फ्लारेन्स में अभिषेक करके एकता का प्रयत्न हुआ। १८७० में रोम के मिल जाने पर इटली की एकता पूरी हो गई। १९१९ में आस्ट्रिया ने ट्रेन्टिनो और एड्रियाटिक सागर के सिरेवाले प्रदेश इटली को प्रदान किये। अफ्रीका में प्रायः ६ लाख वर्गमील के उपनिवेश (इरीट्रिया, इटेलियन सोमालीलैंड, और ट्रिपली तथा साइरेनेसिया) और चीन में टिअनत्सिन की ज़मीन पहले ही से इटली के हाथ में थी। फिर भी इटली के वर्तमान भाग्य-विधाता मसोलिनी इटली-साम्राज्य को बढ़ाने की ही धुन में लगे हैं।

———

# अष्टादश अध्याय

## बाल्कन प्रायद्वीप

दक्षिणी योरप के तीन बड़े प्रायद्वीपों में **बाल्कन** प्रायद्वीप सबसे अधिक पूर्व में है। अपने विषम धरातल और कटे-फटे तट के लिए यह प्रदेश विशेष प्रसिद्ध है। देश का एक बड़ा भाग दो तीन हजार फुट ऊंचे पठार से घिरा है। पठार को कई पर्वतश्रेणियां पार करती हैं। पश्चिमी तट पर **डिनारिक आल्प्स** इटली के उत्तर में प्रारम्भ होकर **रोड्स** द्वीप तक चले गये हैं।

इसकी उत्तरी सीमा **साव** तथा [illegible] **डैन्यूब** ■ दक्षिण में [illegible] थी। [illegible] **यूगोस्लेविया** [illegible] इन नदियों [illegible] [illegible] [illegible] नदियों [illegible] बहुत कुछ [illegible] राजनैतिक सीमा इस [illegible] इसी प्रायद्वीप के भीतर [illegible] **मोरावा मारित्जा** और **वार्डार** नदियों की घाटियां **ईजियन** [illegible] **ओरियन्ट एक्सप्रेस** [illegible] **नार्थ-सागर** में [illegible] [illegible] **निश** [illegible] ■ **फटर्ला** [illegible] **एथेन्स** में [illegible]

[illegible] बहुत [illegible] प्रायद्वीप के दक्षिण में [illegible] वायु [illegible] पाया जाता है

आते हैं। **बलग्रेड** नगर **सावे** और **डेन्यूब** नदियों के संगम पर बसा है। नाम ही सेनाओं का मुहाना है। इस प्रकार यह नगर सभ्यताओं के आर और अन्य-आर्यों के संगम पर है। यूगोस्लेविया में सबसे अधिक महत्वपूर्ण नगर होने के कारण यह अब भी राजधानी है। **मांटी-नीग्रो** और **बलमेशिया** में होकर यह इसकी एड्रियाटिक सागर तक होगई है।

यूगोस्लेविया अर्थात् यूगोस्लेनविया का अर्थ दक्षिणी-स्लेव है। दक्षिणी-स्लेवों में **सर्ब, क्रोट** और **स्लोवीन** लोग शामिल हैं। पहाड़ों ने इनको अलग अलग तीन पृथक् लोगों में बदल दिया है। सर्ब लोग न केवल सर्बिया में बल्कि **बोसनिया, हर्जेगोविना** और मान्टीनीग्रो में भी रहते हैं। **क्रोट** लोग (जो १२ वीं सदी में ईसाई के साथ मिला दिये गये) **क्रोशिया, स्लोवेनिया** और **बलमेशिया** में रहते हैं। **स्लोवेन** लोग **कार्निओला, दक्षिणी इस्ट्रिया** और **कारिन्थिया** तथा **इस्टिरिया** के पूर्व भागों में रहते हैं। भाषा के आधार पर वे कार्निओला के अधीन हैं। **मान्टीनीग्रो** और **अल्बेनिया**—(११,००० वर्गमील, जनसंख्या ४½ लाख) मान्टीनीग्रो सर्बों का एक ऊँचा पहाड़ी देश है। यह कठोर पहाड़ों का दुर्ग देता है। सड़क के किनारे मैदान में बसा हुआ **सेटिंज नगर** इसकी राजधानी है। काले पर्वत या मान्टेनिग्रो भी इसी प्रकार का पहाड़ी देश है जहाँ सदाचार बहुत कम है।

**बलमेशिया**—बलमेशिया (१०,१०० वर्गमील, जनसंख्या १२,१०,००० ) बाल्कन पहाड़ों में इस से **डेन्यूब** नदी की ओर बहने वाला सब है, और डेन्यूब का इसी हिस्सा सबसे बड़ा है। इस प्रदेश में सर्बों का हिस्सा बहुत है इसी से हिस्से का इतना नाम सर्ब है। इस में गेहूँ, कपास और तम्बाकू की खेती है। प्रदेश में

(१,१८,०००) है। [illegible] **हेलेनिका** [illegible] **पिरि-यस** है।

**योरपीय तुर्की**—के कृष्ण सागर और ईजियनसागर [illegible] है। [illegible]

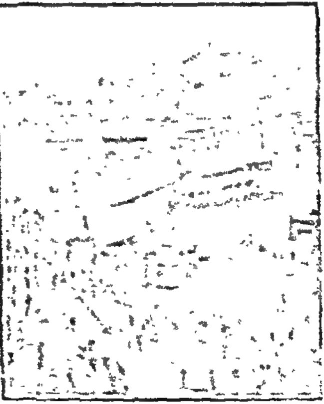

[illegible]

[illegible] **कुस्तुनतुनिया** [illegible]
[illegible]

रक्षा हो सकती है। इसका सुन्दर स्वाभाविक बन्दरगाह एशिया और योरप के बीच के जल और स्थल मार्गों को अपने वश में किये हुए है। बड़ी लड़ाई के बाद पहले तो योरप में कुस्तुन्तुनियाँ को छोड़ कुछ न मिला था, पर १९२२ में **लामेन** सन्धि के अनुसार योरपीय तुर्कों की सीमा पश्चिम में **मारिज़ा** नदी तक बढ़ गई, जो प्राकृतिक सीमा है।

— —

# ऊनविंशति अध्याय

## संयुक्त-राज्य।

**संयुक्त राज्य** (१,२१,००० वर्गमील, जन-संख्या ४,७३,००,०००) में **ग्रेटब्रिटेन, आयरलैंड** और छोटे छोटे प्रायः ५,००० द्वीप शामिल हैं। **स्काटलैंड, इँग्लैंड,** और **वेल्स** के मिलने से ग्रेटब्रिटेन बनता है। ब्रिटिशद्वीप ५० और ६० उत्तरी अक्षांशों के बीच में स्थित हैं। इनकी यह स्थिति स्थल गोलार्द्ध के केन्द्र के निकट है। समस्त भूमण्डल के ५ करोड़ ३० लाख वर्गमील क्षेत्रफल का ४ करोड़ वर्गमील इसी गोलार्द्ध में है। जहाज यहाँ से एक सप्ताह में कनाडा, दो सप्ताह में भारतवर्ष, १७ दिन में दक्षिण अफ्रीका और १ सप्ताह में आस्ट्रेलिया तथा न्यूज़ीलैंड पहुँच जाते हैं।

ब्रिटिश द्वीप वास्तव में मध्य और उत्तरी पश्चिमी योरप के ही अंग हैं। योरप की डूबी हुई स्थल सीमा आयरलैंड से भी १०० मील आगे चली गई है। इस सारे प्रदेश में समुद्र कहीं भी ६०० फुट से अधिक गहरा नहीं है। यदि **नार्थसागर** की तली १०० फुट ही ऊपर उठ आवे तो इँग्लैंड और नेदरलैंड फिर जुड़ जावें। इँग्लैंड का मध्यवर्ती और दक्षिणी मैदान योरप के विशाल मैदान का ही सिलसिला है। जिस प्रकार योरपीय मैदान के उत्तर-पश्चिम में स्केंडीनेविया का पठार है। इसी प्रकार ब्रिटिश मैदान के भी उत्तर-पश्चिम में **नदर्न हाईलैंड, ग्रेम्पीयन** पहाड़, **पीनायन** श्रेणी और **केम्ब्रियन** पठार हैं।

होती हैं। सबसे बड़ी **टेम्स** नदी केवल २१० मील लम्बी है। इसी कारण इसके मुहाने पर ही लंदन में लिवरपूल से बड़े जहाज होते हैं। **सेवर्न, मरसी** और **साल्वे** नदियाँ आयरिश सागर को जाती हैं, तो **टेन्ट, ऊज़, हम्बर** और **ट्वीड** क्रमशः जर्मन **सागर** की ओर से जाती हैं। स्काटलैंड की सबसे बड़ी नदी **टेमन** है। सिंचाई-नहरों की लंबाई सारे देश में लगभग हजार मील है। इसी से नदियों का उपयोग मार्ग बनाने और बिजली बनाने बहुत बड़ा है। बहुत सी नदियाँ आरम्भ में पहाड़ी धाराएँ हैं, पर शीघ्र ही वे मन्दवाहिनी बन गई हैं। प्रति दिन दो बार ज्वार-भाटा होता है। आयर्लैंड की ओर इनकी ऊँचाई **ब्रिस्टल** में ४० फुट और **लिवरपूल** में २१ फुट है। स्काटलैंड के उत्तर में होकर **लंदन** तक पहुँचने में इनकी ऊँचाई ११ फुट ही रह जाती है। पर यह ज्वार-भाटा नदियों के लिए बड़े काम का होता है। इसी नदियाँ इसलिए बनाती हैं और ज्वार-भाटे के साथ ही में बड़े जहाज कई मील तक इनमें आ-जा सकते हैं।

**समुद्रतट** बहुत ही कटा-फटा है। पश्चिम और उत्तर में तो खाड़ी का अधिक जोर होने और खार के दूर तक घुसने से कटाव और अधिक है। **स्काटलैंड** का किनारा तो मानो **फिलटों** के ही बनाया हो गया है। इन कटावों के कारण समुद्र देश में ऐसा घुसा हुआ है कि कोई भी स्थान समुद्र से ७० मील से अधिक दूर नहीं है। यहाँ पोत में २०० वर्गमील के पीछे एक मील तट है और आयर्लैंड में सौ वर्गमील के पीछे। मील तट है समस्त तट की लम्बाई ३,००० मील है। इस तट ने यहाँ के लोगों को नाविक बनाने में बड़ी सहायता दी है।

**धरती**—इसकी और पहाड़ों के होने से देश धरती सामान्यतः रक्षक है। यहाँ सोना और कोयला बहुत है। स्काटलैंड

मिले पर है। धन का ½ भाग इँगलैंड में है, जो पहाड़ियों की कमज़ोर ज़मीन पर पाया जाता है। अधिकतर ज़मीन में दलदल है जहाँ सिवार, घाई, बिछल घास तथा झाड़ी के सिवा और कुछ नहीं उगता है। इँगलैंड और स्काटलैंड में १,००० फुट ऊँचाईवाली और स्काटलैंड तथा आयरलैंड में ६०० फुट ऊँची ज़मीन प्रायः ऐसी ही है। आयरलैंड के बिलकुल पश्चिम और स्काटलैंड के उत्तर-पश्चिम में ऐसी दलदलवाली धरती समुद्र-तट तक फैली हुई है। ऐसी ज़मीन में बिछल घास हो सकती है। इसके ऊपरवाली नेती पथरीली धरती बिलकुल ही व्यर्थ है। देश की बची हुई धरती चरवाही या खेती के काम में आती है। २४ एकड़ खेती धरती पर चरागाह है जहाँ प्रायः २१ लाख घोड़े, तथा करोड़ दोर, और तीन करोड़ भेड़ें चरती हैं। चेविएट और लेमिडन आदि ऊँचे भागों में भेड़ पाली जाती हैं। **पश्चिमी भाग** बिलकुल प्रदेशों में दोर बहुत है। आयरलैंड में सुअर और गधे बहुत पाये जाते हैं। नदियों, झीलों, और उथले तथा हरे समुद्र ( विशेषकर डागरबैंक ) में मछलियाँ पकड़ी जाती हैं। डिवन के दक्षिणी जिले और सब जिलों से अधिक सुअर और घुड़साले होते हैं। यहाँ गेहूँ बहुत है। पर देश में बिलकुल गेहूँ की खपत है इसका केवल ¼ भाग है। यह हिन्दुस्तान, कनाडा, आस्ट्रेलिया, संयुक्तराज्य, अर्जेन्टाइन और रूस से आता है। बिलकुल ठीक नहीं कहा जा सकता कि इतने बड़े विस्तृत हरे खेत और बिछल भाग में कुल कितना है। आयरलैंड के उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व में जई का बहुत प्रचार है। जौ का अच्छी तरह और बिलकुल सिर्फ़ जिले हुए इंगलैंड **सिटसैंड** (मध्य देश), **ट्रेन्ट** घाटी और दक्षिणी स्काटलैंड की टे घाटी में होता है। इसी से ब्रांडिस और मोरेशायर बिस्कुट बनते हैं। ... की बड़ी बड़ी चक्की, कारखाने, दुकानें आदि सबकी इसके काम आती हैं। खाने के बीजों में बीन और मटर की खेती बहुत होती है और बीन की खेती,

[illegible]

[illegible]

हल, साउथम्पटन, लिवरपूल, और बेलफास्ट [illegible] कोयला [illegible] चैथम, शियरनेस पोर्ट्समथ, डेवनपोर्ट, पेम्ब्रोक, हार्विच और रोसिथ हैं।

[illegible]

किले के चारों ओर बसा है और पूर्वी तटीय मार्ग पर शासन करता है। इसी लिए स्काटलैण्ड के राजाओं ने अपनी राजधानी इसी नगर में बनाई। प्रान्तीय सरकार का केन्द्र इस समय भी यहीं है। एडिनबर्ग से कुछ ऊपर **फोर्थ** इस्चुअरी पर पुल बन जाने से यह नगर रेलवे जंक्शन भी हो गया है। यहीं छपाई आदि के कारखाने हैं। पूर्वी स्काटलैण्ड का सबसे अधिक व्यापार एडिनबर्ग के **लीथ** बन्दरगाह में होकर जाता है।

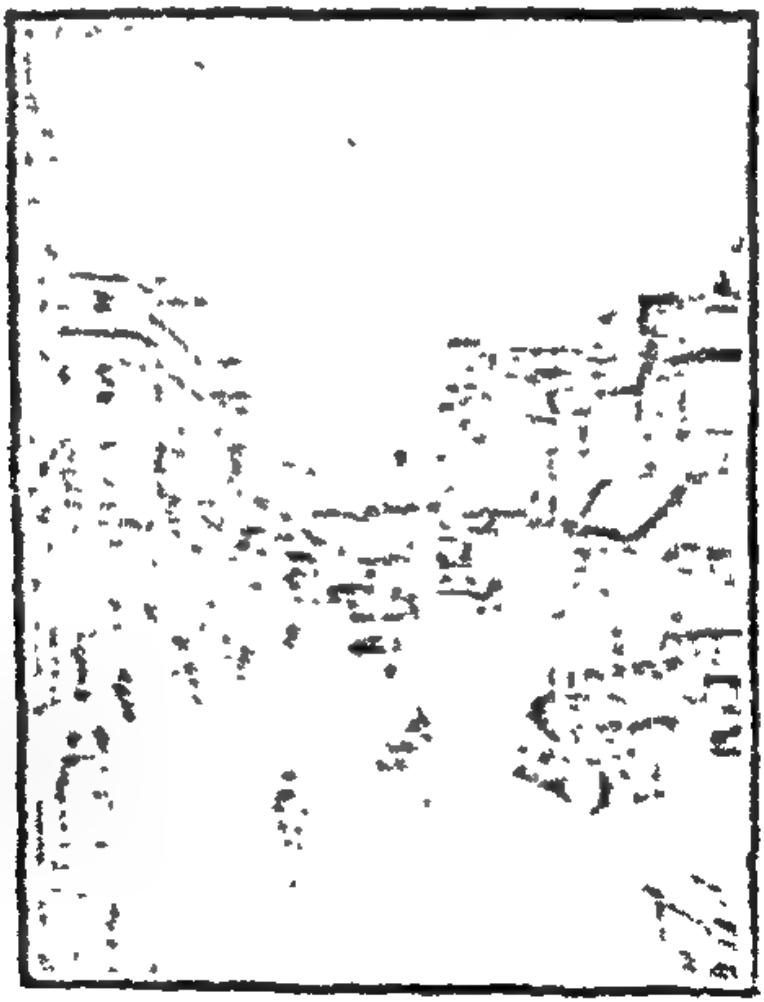

लन्दन का बाजार

**लन्दन**—टेम्स नदी की निचली इस्चुअरी में कुछ एक स्थान कुछ ऊँचा था। ज्वार-भाटा आने पर जब इस्चुअरी के दोनों किनारे दलदल हो जाते थे, तब भी यहाँ की धरती सूखी रहती थी। इसलिए समुद्र-

मार्ग से भीतर आनेवाले रोमन लोगों ने यहीं पर अपने जहाजों से उतरना ठीक समझा। इस स्थान से पश्चिम में नदी पार्श्व थी। इस लिए उन्होंने यहीं पर नदी के ऊपर पुल बना दिया। पुल बन जाने से लन्दन नगर में दक्षिणी पूर्वी इंग्लैण्ड के सभी स्थलमार्ग आकर मिल गये। एक समतल मैदान के बीच में मार्गों का केन्द्र होने से लन्दन नगर इंगलैंड की राजधानी के लिए अत्यन्त अनुकूल था। पुल से पश्चिम

वैसे वैसे लन्दन भी दुनिया का सबसे बड़ा नगर (७१ लाख) होता गया। रेलों ने पुरानी सड़कों का अनुसरण करके लन्दन को ही ब्रिटेन का सबसे बड़ा अड्डा बना दिया। विमान-मार्गों का केन्द्र भी यहीं हो गया। ज्वार-भाटे का पानी लन्दन-पुल से भी आगे पहुँचता है। पर रोमन-पुल के खम्भे छोटे थे। इसलिए लन्दन टेम्स इस्तुअरी का सबसे बड़ा बन्दरगाह बना रहा। यहां से दुनिया के प्रायः प्रत्येक भाग के लिए जहाज़ छूटा करते हैं और बड़ा माल लादा करते हैं। लन्दन में शराब, काग़ज़, मिट्टी के बर्तन और कपड़े के कई कारख़ाने हैं। यहीं बड़े बड़े बङ्क और विश्वविद्यालय हैं। एक छोटे से नगर से बढ़ते बढ़ते अब लन्दन नगर इतना बड़ा हो गया है कि यहां की सब सड़कों की पैदल सैर करना प्रायः असम्भव सम्भव है।

———

अमरीका एक विशाल द्वीप है। इसके उत्तर में **आर्क्टिक महा-सागर** (४८ लाख वर्गमील), दक्षिण में **दक्षिण-महासागर** (८५ लाख वर्गमील), पूर्व में **अटलांटिक** महासागर (चार करोड़ वर्गमील) इसे योरप और अफ्रीका से अलग करते हैं। इसी प्रकार पश्चिम में **प्रशान्त-महासागर** (७ करोड़ वर्गमील) इसे एशिया और आस्ट्रेलिया से अलग करता है। धुर दक्षिण और उत्तर को छोड़ कर यह महाद्वीप प्रशान्त-महासागर और अटलांटिक महासागर को पृथक् करता है। आर्टिक सागर का उत्तरी-पश्चिमी मार्ग प्रायः सदा बरफ़ से ढका रहता है। पर दक्षिणी मार्ग के प-आफ़-गुड होप के नीचे नीचे हिन्द-महासागर से होता हुआ दक्षिणी अमरीका के **केप-हार्न** का चक्कर काटता है और साल भर बरफ़ से मुक्त रहता है। हार्नकेप का मार्ग भयानक पहुआ आंधियों और पहाड़ी समुद्र-बीच में है। पृथिवी की परिक्रमा करने के लिए हवा का सहारा लेनेवाले जहाज़ **केप** के मार्ग से जाते हैं और **हार्न** के मार्ग से लौटते हैं। धुआंकश किसी भी मार्ग का अनुसरण कर लेते हैं। बहुधा वे **टेराडेलफ्यूगो** और दक्षिणी अमरीका के बीच **मेजीलन** जल-डमरू-मध्य से होकर जाते हैं। अब तो हज़ारों मील का चक्कर बचाने के लिए मध्य-अमरीका में **पनामा**-नहर खुल गई है।

प्रशान्त-महासागर अटलांटिक-महासागर से कहीं अधिक चौड़ा है। धुर उत्तर में यह अत्यन्त सिकुड़ गया है। यहां एशिया का तट अमरीका के तट से केवल ३६ मील रह जाता है। बीच में (२०० गज़ से भी कम) उथली **बेहरिंग** प्रणाली है। पूर्व की ओर उत्तरी अमरीका के आर्टिक तट को **बेफ़िन** की खाड़ी और **डेविस** प्रणाली से ढके हुए **ग्रीनलैंड** (५ लाख वर्गमील) से अलग करती है।

लिवरपूल **क्यूबेक** से २,६०० मील **न्यूयार्क** से ३,००० मील

भी अधिक ऊँची है। एशिया में ६०० फ़ुट से नीची ज़मीन भी कम है। उत्तरी अमरीका का तट दक्षिणी अमरीका से कहीं अधिक कटा-फटा है। इसलिए उत्तरी अमरीका के समुद्र-तट की लम्बाई ( ४६,६०० मील ) दक्षिणी अमरीका के तट की लम्बाई ( १,७८,००० मील ) से प्रायः तिगुनी है।

उत्तरी अमरीका का उत्तरी सिरा **मरक़ीसन** अन्तरीप के दक्षिणी सिरे **टीहांटीपेक** से २,६०० मील दूर है। इसकी अधिक से अधिक चौड़ाई भी इतनी ही है। दक्षिणी अमरीका की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक ४,७०० मील है, जो प्रायः अफ़्रीक़ा के बराबर है, पर अधिक से अधिक चौड़ाई केवल सवा तीन हज़ार मील ही है। उत्तरी अमरीका यूरेशिया के समान भू-मध्य-रेखा के उत्तर में स्थित है और शीतोष्ण अक्षांशों में सबसे अधिक चौड़ा है। यूरेशिया की विशाल चौड़ाई के सामने उत्तरी अमरीका की चौड़ाई बहुत कम है। इसका फल जलवायु पर भी पड़ता है। पश्चिमी द्वीप-समूह की समता पूर्वी द्वीपसमूह से है, पर पश्चिमी द्वीप-समूह कर्क-रेखा के बहुत पास है।

दक्षिणी अमरीका का आकार अफ़्रीक़ा के समान है पर इसके अक्षांश भिन्न हैं। उत्तरी १० अक्षांश दक्षिणी अमरीका के उत्तरी तट को बहुत कम काटता है, पर यही अक्षांश-रेखा अफ़्रीक़ा के सबसे चौड़े भाग से होकर जाती है। दक्षिणी २० अक्षांश और भू-मध्य-रेखा के बीच दक्षिणी अमरीका सबसे ज्यादा चौड़ा है, पर अफ़्रीक़ा इन्हीं अक्षांशों के बीच निकलता जाता है। दक्षिणी अमरीका दक्षिण की ओर भी अफ़्रीक़ा की अपेक्षा अधिक दूर चला गया है। **केप** प्रदेश और दक्षिणी अमरीका की **प्लेट** नदी इन्हीं अक्षांशों में स्थित है। दक्षिणी अमरीका और अफ़्रीक़ा की ऊँची नीची ज़मीन का विभाग भी भिन्न है। अफ़्रीक़ा में सबसे नीची ज़मीन भू-मध्य-रेखा के पास पूर्व की ओर है। पर दक्षिणी अमरीका में भू-मध्य-रेखा के पासवाले प्रदेश में ६०० फ़ुट से कम ही

**सिपी** प्रशान्त महासागर के पहाड़ों से अपार मिट्टी लाती है, जिससे मेक्सिको की खाड़ी में विशाल डेल्टा बन जाता है। जब वसन्त ऋतु में प्रशान्त महासागर के पहाड़ों की बरफ़ पिघलती है तभी इसमें बाढ़ आती है। एमेजन नदी कांगो की भांति वर्षा-ऋतु में फैलती है और पानी एवं मिट्टी समुद्र में बहा लाती है। प्लेट नदी में गर्मी की वर्षा के पीछे बाढ़ आती है। इस नदी ने अपने बेसिन में बहुत सी कांप (पुलिन) फैला दी है। उत्तरी और दक्षिणी अमरीका के खुश्क भागों में नदियां या तो सूख जाती हैं या भीतर ही को बहती हैं।

**अमरीका के राजनैतिक विभाग**—समस्त अमरीका को जीत कर योरपीय लोगों ने इसमें उपनिवेश बसाये हैं। लेकिन उत्तरी अमरीका शीतोष्ण कटिबन्ध में स्थित हैं। इसलिए यहां उत्तरी योरप की ट्यूटानिक और स्केन्डीनेवियन जातियों का निवास है। मध्य एवं दक्षिणी अमरीका में स्पेन और पुर्तगालवालों ने स्वतन्त्रता पूर्वक मूलनिवासियों से शादी-ब्याह किया है। कनाडा और पश्चिमी द्वीप-समूह को छोड़ कर प्रायः नई दुनिया के सभी राष्ट्र प्रजा-सत्तात्मक हैं। दक्षिणी अमरीका में भी थोड़े से भाग (गायना एवं कुछ टापुओं) पर ब्रिटिश फ्रांसीसी और डच लोगों का अधिकार है।

उत्तरी अमरीका में सबसे बड़े प्रजा-सत्तात्मक राष्ट्र अमरीका संयुक्त-राष्ट्र और मेक्सिको के हैं। दक्षिणी अमरीका में ब्रेजिल और अर्जेन्टाइन सबसे बड़े हैं।

— —

समानान्तर **वीलैंड** तथा अन्य नहरों-द्वारा भीतर को प्रवेश करते हैं, तथापि बड़े जहाज़ों का रास्ता रुक जाता है। प्रतिवर्ष हज़ारों यात्री इनका दर्शन करने जाते हैं, इसलिए अड़ोस-पड़ोस में बहुत से नगर बस गये हैं। पहले इस प्रपात से निकली हुई जल-शक्ति (४० लाख अश्व-शक्ति) व्यर्थ ही जाती थी। अब इस बिजली से काम लिया जाता है, और तरह तरह के कारख़ाने खुल रहे हैं। इससे प्रपात की सुन्दरता घटती जाती है, पर साथ ही उपयोगिता बढ़ती जाती है।

**ओंटेरिओ** झील बहुत गहरी है। इसके किनारे १०० फुट से कम ही ऊँचे हैं और यहां कई अच्छे बन्दरगाह हैं। इस झील के नीचे **सेंट लारेन्स** चौड़ी होकर एक सुन्दर सहस्र द्वीपी झील में परिणत हो जाती है और **मांट्रियल** के ऊपर सेन्टलूई झील में गिरते समय एक बार फिर **लेशीन** प्रपात बनाती है, जिसमें छोटे ही छोटे जहाज़ नहरों-द्वारा सुपीरिअर झील के किनारे तक पहुँचते हैं। पर समुद्र की ओर लौटते समय कुछ जहाज़ सीधे उतर भी जाते हैं। प्रपात के ठीक नीचे एक टीले पर मांट्रियल स्थित है। यहीं उत्तर की ओर से **ओटावा** नदी सेन्ट-लारेंस से आ मिलती है। पूर्व की ओर कुछ मील आगे **रिचलो** नदी मिलती है, जिसकी घाटी न्यूयार्क के लिए प्रधान मार्ग बनाती है। ज्यों ज्यों सेंट लारेन्स समुद्र के निकट पहुँचती है, त्यों त्यों चौड़ी होती जाती है। इसका खुला मुहाना (एस्चुअरी) चौड़ा ही नहीं बल्कि गहरा भी है। इसी मुहाने पर बनाच्छादित **एन्टीकोस्टी** द्वीप स्थित है। एस्चुअरी के चिह्न बहुत दूर तक समुद्र में भी मिलते हैं, और ज्वार-भाटा तो मांट्रियल और क्यूबेक (६०० मील के बीच **ट्रीरिवस** (त्रि-धारा) तक पहुँचता है। सर्दी के दिनों में प्रतिवर्ष मेटन्सार से तीन महीने तक (पर झीलों के पास पाँच महीने तक) बर्फ़ से फिर जाती है। तब नोवा स्कोशिया के **हेलीफ़ेक्स**, न्यू ब्रंज़विक के **सेंट जान** या न्यू इंग्लैंड के बन्दरगाहों से काम लिया जाता है।

कम हो गया, पर इस घटी के मुकाबले में जो लाभ कई अन्दर आने-वाली गहरी नदियों और सुन्दर बन्दरगाहों के बनने से हुआ, वह कम नहीं है।

**भूमि की बनावट और मनुष्य**-जीवन में घनिष्ठ सम्बन्ध है। भीतरी कड़े पथरीले भाग में ऊपर की तह घिस कर नदियों की उपजाऊ घाटी बन गई। वेगवती नदियाँ इस उच्च प्रदेश से नीचे उतरते समय प्रपात बनाती हैं, जिनसे सस्ती बिजली तैयार होती है। इसलिए इस प्रपात-रेखा के पास पास समृद्ध कला-भवन और सघन जन-संख्यावाले नगर बस गये हैं। दूसरे कटिबन्ध में स्थल की बनावट उपनिवेश के लिए बाधक है। पूर्वी एपेलीशियन में पुरानी ठोस चट्टानें हैं। यद्यपि ये सात हज़ार फुट से अधिक ऊँची नहीं हैं, तो भी पूर्व से पश्चिम के लिए मार्ग दुर्गम हैं। उत्तरी एपेलीशियन का दृश्य गोल पहाड़ियों, गहरी तथा उपजाऊ घाटियों और बरफ़ से बनी हुई झीलों से पूर्ण है। एपेलीशियन के बीच एक बड़ा आखात सेन्टलारेन्स से न्यूयार्क तक चला गया है। इसके उत्तरी सिरे पर **चैम्पलेन** झील है। दक्षिणी सिरे पर हडसन की घाटी है जो ठीक दक्षिण में न्यूयार्क पहुँचती है। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण **मोहाक** नदी है जो **हडसन** के दाहिने किनारे पर आ मिलता है। **मोहाक** का निकास आटेरियो झील के पास है। इसकी चौड़ी और नीची घाटी बड़ी झीलों तक सीधा मार्ग खोल देती है।

पूर्व की ओर से देखने पर एपेलीशियन पठार पर्वत-श्रेणी के समान जान पड़ता है। दूर से यह नीला दिखाई देता है। इसी से यह नीली पहाड़ी (ब्लूरिज) कहलाता है। **माउंट मिचेल** इसकी सर्वोच्च (६,७३० फुट) चोटी है।

दक्षिण एपेलीशियन उत्तरी की अपेक्षा अधिक चौड़ा और ऊँचा है, लेकिन इनमें होकर बहुत कम अच्छे मार्ग हैं क्योंकि नदियाँ एक-दम

मिसीसिपी के प्रथम ४०० मील का सर्पाकार मार्ग छोटी छोटी झीलों, दलदलों और देवदारु के वनों के बीच से आता है। इसमें प्रपात आदि भी हैं। बहुत सी धाराओं के मिलने से यह धीरे धीरे चौड़ी होती जाती है। **सेंटपाल** और **मिनिआपोलिस** (जोड़वां शहरों) के नीचे से समुद्र तक यह नावों के योग्य गहरी है। पर इसकी धारा अक्सर दो तीन सौ फुट ऊँचे करारों से घिरी है। यह अपनी वार्षिक बाढ़ के बाद (जो वसन्त-ऋतु में पहाड़ी बरफ़ पिघलने से होती है) अपना टेढ़ा मार्ग अक्सर बदल देती है। एपेलीशियन पहाड़ से आने-वाली सबसे अधिक प्रसिद्ध नदी **ओहाइयो** बायें किनारे से और **आरकांस** और **रेडरिवर** दाहने किनारे पर आ मिलती हैं। इस भाग में मिसीसिपी ज़मीन काटने के बदले मिट्टी ढोनेवाली ढोंगहों के समान नई भूमि बनाती है। धारा मन्द पड़ जाने से ये दोनों नदियां बहुत सी मिट्टी तली में छोड़ देती हैं, जो धीरे धीरे पासवाले बाढ़ के मैदान से ऊँची हो जाती है, जहां बाढ़ रोकने के लिए सैकड़ों मीलों तक बांध बांध दिये गये हैं। जब कभी बांध टूट जाता है तब नदी के दोनों ओर का ढालू मैदान डूब जाता है। इसमें समुद्र में लगभग डेढ़ सौ मील की दूरी से डेल्टा बनना आरम्भ हो जाता है। यह नदी कई उथली धाराओं में बँट गई है। एक धारा, जिस पर न्यूआर्लिअन्स स्थित है, बांध बना कर जहाज़ चलाने योग्य गहरी कर दी गई है। मिसीसिपी का डेल्टा बड़ी तेज़ी से बढ़ रहा है। इसकी बहुत सी मिट्टी समुद्र में भी चली जाती है।

**पश्चिमी कार्डिलेरा**—कार्डिलेरा में तीन प्रधान कटिबन्ध हैं, जो **एलास्का** से **टी हांटीपेक** के योजक तक चले गये हैं—(१) पूर्वी या राकी पहाड़, (२) कार्डिलेरा पठार, जो पूर्व में राकी और (३) पश्चिम में प्रशान्तमहासागर की श्रेणियों के बीच स्थित है।

**राकी**—पर्वत ऊँचे मैदान के ऊपर प्राय: वृक्ष-रहित नग्न शिलाओं

ऊँचे ग्रोज़ नेस्ट और **कूटेने** दर्रे हैं, जिनसे होकर खनिज-प्रान्तों को मार्ग गये हैं। कनेडियन राकी और सेल्कर्क तथा अन्य समानान्तर पहाड़ियों के बीच ८०० मील लम्बा एक आखात है। **फ्रेज़र, कोलम्बिया** नदियाँ इसी लम्बे गढ़े से निकलती हैं, और विभिन्न-

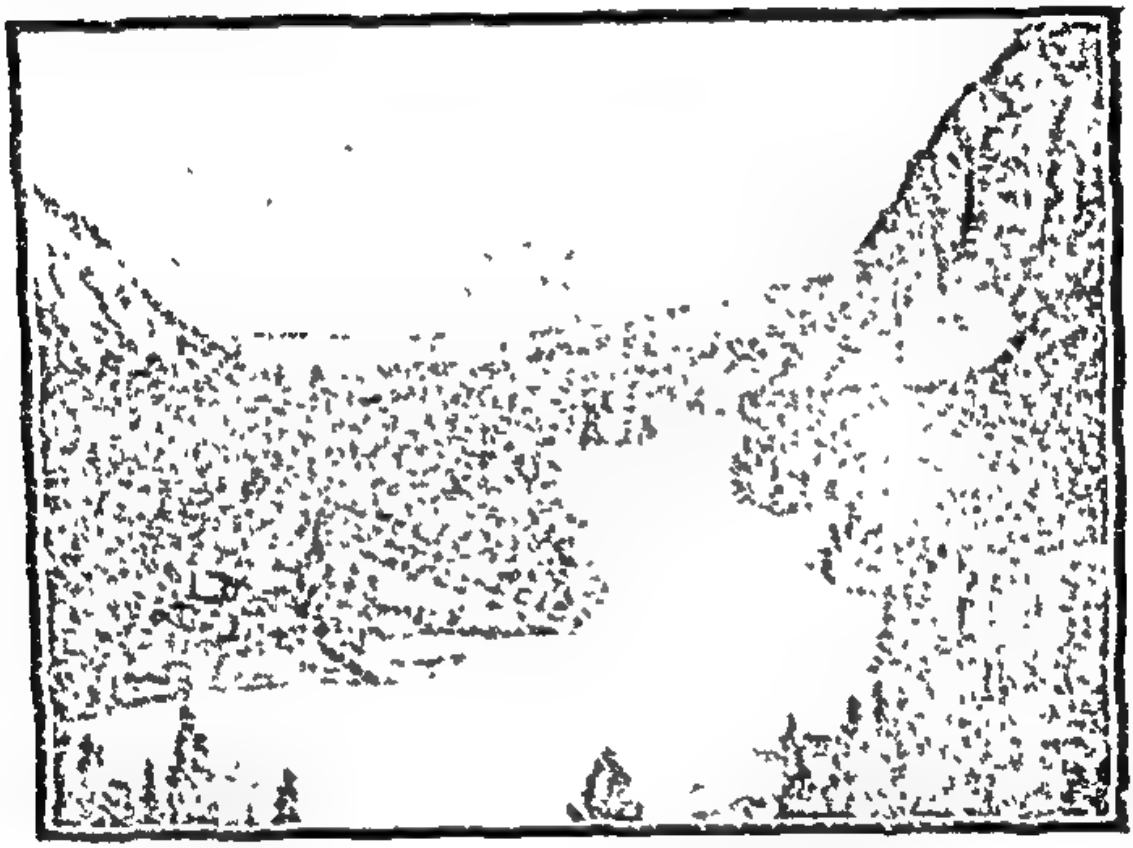

कनेडियन राकी के शिखर और घाटियाँ।

मार्गों-द्वारा प्रशान्तमहासागर में गिरती हैं। **फ्रेज़र** और आगे दक्षिण से **कोलम्बिया** यहाँ होकर पहले उत्तर की ओर बहती हैं। फिर **गोल्ड** और **सेल्कर्क** श्रेणियों के सिरे से मुड़कर दक्षिण की ओर ऐसी घाटियों में बहती हैं जो इन पहाड़ियों तथा अपने पुराने मार्ग के समानान्तर हैं। अन्त में वे पश्चिम की ओर मुड़ती हैं और प्रशान्त महासागर की पर्वत-श्रेणियों को तोड़कर ऊँचे पहाड़ों की दीवारों से ढका हुआ भयंकर सकरा मार्ग ( गोर्ज ) बनाती हैं।

फ्रेज़र और कोलम्बिया नदियों में बह जाता है। (३) इडाहो, ओरेगान और वाशिङ्गटन के लावा पठार का पानी स्नेक नदी-द्वारा उत्तर की ओर कोलम्बिया में जाता है। (४) ग्रेट बेसिन १३,००० फुट ऊँचा है। (५) कोलोरेडो-पठार और आगे है। (६) मेक्सिको का पठार पूर्वी और पश्चिमी सियरा मेडर विशाल, प्रज्वलित ज्वालामुखी पर्वत-श्रेणी के द्वारा दक्षिण में जुड़े हुए हैं। पोपोकेटी पेटल ( १७,५२० फुट ), ओरीज़ोवा ( १८,२२० फुट ) तथा कई शान्त चोटियां भी इसी में सम्मिलित हैं, जो टीहान्टीपेक योजक की ओर एक-दम नीची हो गई हैं।

यूकान पठार में क्वान्डायक तथा अन्य सोने की खाने हैं। यह एक पहाड़ी, ऊँचा-नीचा, तथा अज्ञात प्रदेश है। केवल स्वर्ण की खानें तथा उनके मार्गों ही से लोग परिचित हैं।

दक्खिनी पठारों में भूमि के घिसने के चिह्न स्पष्ट दिखाई देते हैं लावा-पठार पर पुराने समय में ही ज्वालामुखी पर्वतों से बह बह कर काले लावा की विराट् तहें जम गईं। ये कहीं कहीं चार हज़ार फुट गहरी हैं। स्नेक नदी ने लावा तथा नीचेवाली चट्टान को काट कर २,००० फुट से भी अधिक गहरी नदकन्दरा ( कैनियन ) बना दी है। खुश्क प्रदेश में तर प्रदेश की अपेक्षा कभी धीरे धीरे और कभी जल्दी जल्दी भूमि घिसती है। जब कभी पानी बरसता है तब इतने ज़ोर से बरसता है कि सारी ढीली मिट्टी की धारायें मटीले पानी से उबलने लगती हैं और कंकड़-पत्थरों से अपनी तली एकदम काट देती हैं। घाटी की दीवारें कुछ धीरे धीरे घिसती हैं। क्योंकि यहां पानी नीचे को इतने ज़ोर से नहीं बैठता है।

खुश्क प्रदेश के आदर्श नदकन्दरा की दीवारें प्रायः लम्बाकार होती हैं। ये कई हज़ार फुट ऊँची होती हैं और अक्सर भिन्न भिन्न भागों में भिन्न भिन्न रङ्गों की होती है, क्योंकि नई नई तहें खुलती रहती हैं। पठार के उच्चतम भाग से उतरते समय स्नेक नदी शोशोन प्रपात बनाती है।

# तृतीय अध्याय

## जलवायु और वनस्पति

**जलवायु—जनवरी** शीतकाल का एक आदर्श महीना है। इस महीने में महाद्वीप के भीतरी भागों में हवा का दबाव बहुत ऊँचा रहता है। इसी से पानी कम बरसता है। पश्चिमी तट पर तूफानी पछुआ हवायें ३५ अक्षांश तक चलती हैं। जिनसे यहाँ पानी बरसता है। इसी ओर ऊँचे पहाड़ों की रुकावट होने से वर्षा की मात्रा और भी बढ़ जाती है। मेक्सिको की खाड़ी से उत्तर-पूर्व की ओर और झीलों के पूर्व की ओर चक्रवात (साइक्लोन) (उत्तरी अमरीका के पूर्वी भाग में) पानी बरसाते हैं। पर बहुधा इनसे उल्टी ओर चलनेवाले प्रति चक्रवात के निकलने से धुर दक्षिण प्रदेश को छोड़ कर यहाँ की सामान्य हवायें उत्तरी-पश्चिमी अथवा पछुआ होती हैं।

**जुलाई**—इस मास में यहाँ की हवा का दबाव एशिया के मुकाबले में बहुत कम हल्का होता है पर फिर भी स्थल की हवा पास के महासागरों की अपेक्षा कुछ हल्की होती है। तूफानी पछुआ हवायें कुछ उत्तर की ओर बढ़ जाती हैं और दक्षिण की ओर केवल **वैंकूवर** ही तक पानी बरसाती हैं। पर वर्षा-कटिबन्ध महाद्वीप के पूर्व से लेकर पश्चिम तक फैला हुआ है। दक्षिणी मैदान और मैक्सिको में पूर्वी ट्रेड हवायें आ जाती हैं। इसी समय इन प्रदेशों की मुख्य वर्षा ऋतु होती है। लगभग ४५ उत्तरी अक्षांश के उत्तर-पश्चिमी तट पर सदा वर्षा होती रहती है। पर इन्हीं अक्षांशवाले भीतरी भागों में केवल गरमी में वर्षा होती है। ४५ उत्तरी अक्षांश के दक्षिण में स्थित पश्चिमी तट पर गरमी में वर्षा का अभाव

होता है और तीनों ऋतुओं में वहाँ पानी बरसता ही रहता है। और आगे दक्षिण में केवल शीतकाल में वर्षा होती है। पहाड़ों से

से बचाने के लिए ऊपर की मिट्टी को बहुत ही बारीक कर देते हैं। सूखी खेती की फसलों में गल्ला या सूखी घास बड़ी कीमती होती है। इनकी गहरी जड़ें पानी की तलाश में बहुत नीचे चली जाती हैं और साल में इनकी कई फसलें काटी जाती हैं।

मरुभूमि—यह मुख्य मेक्सिको पठारों पर कठोर रानफील से घिरी है। इनके पौधे अपने पत्तों को छोटा करते करते काँटे बना लेते हैं और मजबूत फूले हुए तने में पानी जमा रखते हैं। ये कई जाति, आकार और रूप के होते हैं। मेक्सिको के पठार की साधारण वनस्पति ये ही हैं।

**उष्ण कटिबन्ध प्रदेश**—मेक्सिको, मध्य-अमरीका और पश्चिमी द्वीपसमूह के तटवाले मैदानों के उष्णप्रदेश की अन्तर्गत जङ्गल और मध्य अमरीका की वनस्पति में मिलती है। महोगनी तथा अन्य सुन्दर लकड़ी, रबड़ एवं उष्णकटिबन्ध के अन्य पौधे अधिकतर जङ्गलों में उगते हैं। कृषक प्रदेश में ईख, कहवा, केले, और अन्य उष्णकटिबन्ध की फसलें उष्ण-प्रदेश में उगती हैं। गेहूँ, आलू आदि शीतोष्ण कटिबन्ध की फसलें कुछ हजार फुट की ऊँचाई पर उगती हैं

ध्रुव के रीछ, वालरस, सील और ह्वेल ठण्डे पानी या बरफ़ में मिलते हैं। खाल, मांस और चर्बी के लिए इनका शिकार होता है। ह्वेल की हड्डी भी बड़े काम की होती है।

**वन के पशु**—नोकीली पत्तीवाले पेड़ों की पत्तियां सरदी में भी बनी रहती हैं। और छाल, पत्ते, दीज तथा बेरी फल आदि इतनी अधिकता से मिलते हैं कि सरदी में केरिबो वन में चला आता है। वन की पत्ती और तने के समान इसके भी विचित्र दाग़ पड़ जाते हैं। उत्तरी अमरीका के हिरण की—**केरिबो** और **वापिटी** (लाल हिरण) आदि—कई जातियां हैं।

भेड़िया, वनबिलाव, पूमा (चीते के समान), लाल, भूरे और बादामी रंग के रीछ बड़े बड़े हिंसक हैं। ये अधिकतर राकी पहाड़ पर पाये जाते हैं। लोमड़ी, **निउला, स्टोट, विज्जू** आदि छोटे छोटे हिंसक जीव हैं।

**स्कन्क**—की रक्षा का एक-मात्र साधन उसकी विचित्र गन्ध है। असंख्य फ़रधारी जानवरों में **वीवर** बड़ा ही दिलचस्प है। यह वन की धाराओं के आर-पार बांध बांध देता है, और बड़े जटिल घर बनाता है। बहुत से जानवर भी सङ्गठन-शक्ति के लाभों से परिचित हो गये हैं। **केरिबो**, वीवर आदि शाकाहारी पशु इनमें प्रधान हैं। हिंसक जन्तुओं को ऐसा जीवन नहीं भाता। पर यहां के भेड़िये और कुत्ते झुंड बांधकर शिकार करते हैं।

**प्रेरी अथवा स्टेपी-पशु**—प्रेरी प्रदेश में गरमी की ऋतु में बहुत भोजन मिलता है। पर सरदी में टुंड्रा के समान ही उजाड़ रहता है। इसलिए इस प्रदेश के जानवरों को भी (अक्सर बड़े बड़े झुंडों में) विचरना पड़ता है। नई दुनिया के प्रेरी (स्टेपी) में ऊंटों, जंगली घोड़ों, गधों और बकरों का अभाव है। यहां का मुख्य चरनेवाला जानवर बिसन है, जो भैंसे का निकट सम्बन्धी है। ६० वर्ष

(रन्द न करनेवाले जूते) बनाने और ताप, कमान की डोरी बनाने के काम आती थी। जब स्पेनवाले यहाँ घोड़े लाये तब रेड इंडियन (मूलनिवासी) भागे हुए जंगली घोड़ों की सवारी कर [illegible] पर पहुँचा करते थे। पर गोरे उपनिवेशकों ने शिकार और शिकारी दोनों ही को प्रायः समूल नष्ट कर दिया। आजकल केवल थोड़े से सुरक्षित भागों में इनके झुण्ड मिलते हैं। वुड बफेलो (पार्क) में वे शिकार अब भी करते हैं। पर इनकी संख्या घटती जा रही है।

जंगल के मूलनिवासी शिकार करने के अतिरिक्त मछली मारकर भी निर्वाह करते थे।

इन्होंने बर्च पेड़ की छाल की हल्की, मजबूत और मुलायम [illegible] नाव ईजाद की। इन्हीं से वे जल-धाराओं के [illegible] इधर-उधर जाते थे। छोटे छोटे जल-विभाजक [illegible] के आने पर वे नाव को उठा कर दूसरी धारा में रख देते थे। ये नावें अब भी ऐसी प्रचलित हैं कि [illegible] पर इन्हें बनाने के लिए बर्च की छाल के नहीं [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अधिकतर फ्रांसीसी भाषा-भाषी लोग हैं। और भागों में अंगरेज़ी बोलनेवाले हैं। संयुक्तराष्ट्र में और भी खिचड़ी है। पूर्वी और उत्तरी योरप से वहाँ हरनिरेशक आते हैं। अफ्रीकन गुलामों की सन्तान सारी जन-संख्या की $\frac{1}{10}$ है। दक्षिणी रियासतों के कुछ भागों में ये गोरों से भी अधिक हैं। मध्य-अमरीका, मेक्सिको और दूसरी रियासत में स्पेन के बंशज हैं।

टुंड्रा-प्रदेश के समुद्र-तट पर रहनेवाले लोग इस्कीमो हैं। समुद्र से ही वे अधिकतर अपनी जीविका कमाते हैं। उन्होंने अपनी कायक (नाव) और हर्पिगर ( हार्पून या भाला ) बनाने में कमाल कर दिया है। ये इन दोनों ही आवश्यक चीज़ों को शिकार किये हुए जानवरों और समुद्र में बह आई हुई लकड़ी की सहायता से बनाते हैं। इस्कीमो एक

एस्किमो-गृह और कुत्ते।

घूमनेवाली जाति है, जो सुरकी में स्लेज ( बिना पहिये की गाड़ी ) इस्तेमाल करती है। गरमी में खाल का डेरा ही इन लोगों का घर है सरदी में वे बरफ़ की झोंपड़ा बनाती हैं। सफेद रीछ से बचने के

**कनाडा**—लगभग (३६,००,००० वर्गमील, जन-संख्या [illegible] लाख) योरप के बराबर है। कनाडा और संयुक्त राष्ट्र के बीच ४९ उत्तरी अक्षांश की अप्राकृतिक सीमा है। दोनों के प्राकृतिक भाग एक ही हैं, अर्थात् पूर्व में (१) लारेन्शियन पठार, (२) बीच के प्रेरी मैदान और (३) पश्चिम में कार्डिलेरा प्रदेश। शासन के लिए कनाडा में (१) समुद्री प्रान्त—नोवास्कोशिया, प्रिंस एडवर्ड द्वीप और न्यूफ़ाउंडलैंड (२) लारेन्शियन प्रान्त तथा पूर्वी कनाडा—क्यूबेक और ओंटोरिओ, (३) प्रेरी प्रान्त—मेनी टोबा सस्कचवान और अलबर्टा (४) कार्डिलेरन प्रान्त—दक्षिण में ब्रिटिश कोलम्बिया, उत्तर में यूकान, और (५) टुन्ड्रा में नार्थ-वेस्टर्न टेरीटरी (उत्तर-पश्चिमी प्रदेश) है।

**प्रिंसएडवर्ड**—(२,१८५ वर्गमील, जन-संख्या [illegible] हज़ार है। एक नीचा द्वीप है, जिसका तट किनारे से कटा-फटा है। इसकी जल-वायु आर्द्र और समशीतोष्ण है। यहाँ की ज़मीन लाल रेतीले पत्थर से घिस घिस कर बनी है। इसके [illegible] समुद्र-तट के किनारे मछली मारना लोगों का मुख्य पेशा है। दूसरे भागों में फल उगाना और [illegible] तैयार करना प्रधान है [illegible] चार्लोटीटाउन है।

**नोवास्कोशिया**—([illegible] वर्गमील, जन-संख्या [illegible] लाख) यह न्यू ब्रन्सविक से [illegible] है। इसमें [illegible] नोवास्कोशिया द्वीप [illegible] न्यू ब्रन्सविक से [illegible] है और केपब्रेटन [illegible] है [illegible] है। [illegible] हेलीफैक्स

कटे फटे ( फ़िअर्ड ) तट पर बहुत सुन्दर बन्दरगाह हैं। फंडी की खाड़ी की ओरवाले बन्दरगाह साल भर बरफ़ से मुक्त रहते हैं। मछली मारने के काम में बड़ी उन्नति है। पर जब से लकड़ी के जहाज़ चलने बन्द हुए तब से जहाज़ बनाने का काम ढीला पड़ गया है। इस प्रान्त का बहुत सा भाग उस स्प्रूस के वन से ढका है जिससे पल्प बनाया जाता है। देश में साफ़ ज़मीन और उपनिवेश बढ़ने के साथ ही खेती और गो-पालन में भी उन्नति हो रही है। सेन्टजान नदी के मुहाने पर स्थित सेन्टजान नगर प्रधान बन्दरगाह है। पर राजधानी फ्रेडरिक्टन है जो इसी नदी के किनारे १० मील ऊपर ज्वार-भाटे के सिरे पर स्थित है। यह सेन्टजान नदी (४२० मील) संयुक्त-राज्य से निकलती है और एक तह दर्रे से होकर फंडी-ये में गिरती है। मुहाने के निकट यह एक चट्टान के ऊपर से गिरती है। भाटे (उतार) के समय समुद्र की ओर एक छोटा प्रपात बन जाता है। ज्वार होने पर यह प्रपात ठीक विपरीत दिशा में भीतर की ओर गिरता है। बाढ़ ज्वार-भाटे के समय प्रपात का अभाव रहता है और जहाज़ दिन भर में [illegible] जा सकते हैं। [illegible] है। [illegible] ज्वार-भाटे के [illegible] जहाज़ [illegible] सकते हैं।

**लारेन्शियन प्रान्त**—[illegible] ( [illegible] ) [illegible] है। [illegible] है। [illegible] है। [illegible] है। [illegible]

पास इरक्वुअरी मुड़ती है, यद्यपि ज्वारभाटा यहाँ से ६० मील और ऊपर तक जाता है। इसी मोड़ पर पटारों के टुकड़े पास पास आजाते हैं। क्यूबेक के ऊपर घाटी चौड़ी है और ओंटेरियो झील तक फैली चली गई है। एक हज़ार मील तक असंख्य छोटी छोटी नदियाँ प्रपात बनाती हुई गिरती हैं, जिनसे सस्ती बिजली तैयार हो सकती है। इस प्रताप-रेखा के पास पास बहुत से नगरों के बस जाने की सम्भावना है। पर यहाँ खनिज कम हैं। पहले यहाँ मूलनिवासी मकई उगाते थे। फिर उपनिवेशकों ने गेहूँ उगाना आरम्भ किया। जब से पश्चिमी प्रेरी में सस्ता गेहूँ होने लगा तब से क्यूबेक की ज़मीन फल उगाने और ढोर पालने के काम आने लगी। ग्रीष्म-ऋतु में सर्वोत्तम पनीर और शीतकाल में मक्खन निकलता है। शीतकाल में ठंड बहुत होती है और बरफ़ भी पड़ती है जिससे स्लेज-द्वारा यात्रा करने में सुगमता रहती है। गरमी में काफ़ी गरमी होती है, जिससे तम्बाकू, मकई आदि फ़सलें भी पक जाती हैं। मेपिल-शक्कर बड़े बड़े शहरों में साफ़ की जाती है।

मुख्य नगर सेन्टलारेन्स नदी पर **क्यूबेक** और **मांटियल** हैं। ओटावा नदी के बायें किनारे पर ओटावा शहर के सामने **हल** शहर बसा है। यह लम्बरिंग (लकड़ी तैयार करने का) का केन्द्र है। यहाँ दियासलाई, पल्प और काग़ज़ बनाया जाता है। कला-कौशल के अनेक नगरों में से **शेरब्रोक** बिजली के काम और मशीनरी के लिए प्रसिद्ध है और खनिज प्रान्त में स्थित है।

**क्यूबेक** शहर सेन्टलारेन्स नदी के ऊपर छोटी पहाड़ी पर बड़ा ही सुन्दर बसा है। नदी की चौड़ी मध्य-घाटी का यही तंग दरवाज़ा है। सुगमता-पूर्वक सुरक्षित होने और मार्गों का अच्छा केन्द्र होने के कारण यहाँ (नमदे के) व्यापार की मंडी बनाई गई थी। इस उत्तम स्थिति के कारण इसे 'नई दुनिया का ज़िबराल्टर' कहते हैं। ऊँचाई पर बसे हुए पुराने शहर के बहुत से गिरजाघर और मनोहर कुंज प्राचीन फ्रांस की याद दिलाते हैं। शहर का नवीन व्यापारिक मुहल्ला पहाड़ी के

खानों के सैनेरा से यहां की जन-संख्या अब चार लाख से ऊपर है। परिश्रम का अभाव यहां की अनेक आटा की चक्कियों और आरकारियों में काम आता है। खाद्य में बूट और चमड़े का सामान, तथा चरबी से मोमबत्ती और साबुन बनता है। **हडसन-बेली रेलवे** सस्केचवान से कच्ची रुई, ऊन और तम्बाकू ले आती है। स्यूपेरिअर के वन यहां की लकड़ी और पश्चिम की मिलों को आहार पहुँचाते रहते हैं। खनिज प्रान्तों से कच्ची धातु सस्ते किराये ही पर लाई जाती है, इनसे इंजिन, मशीनरी और तरह तरह की चीजें बनती हैं।

**ओंटेरियो**—( ४ लाख वर्गमील, जन-संख्या २१ लाख ) ओन्टेरियो प्रान्त में (१) लारेंशियन पठार और (२) लोअर घाटी सम्मिलित हैं। यह घाटी **ओंटेरियो, ईरी** और **हूरन** झीलों के बीच **लेक प्रायट्रीप** में सबसे अधिक चौड़ी है। लारेंशियन पठार एक ऊँचा-नीचा प्रदेश है, जो १,२०० फुट से अधिक शायद ही कहीं ऊँचा हो। यह पठार हूरन और सुपीरिअर झील के ऊँचे किनारे बनाता है। पर **ईरी** और **ओंटेरियो** झील में दूर हो जाता है। इसी से इनके किनारे नीचे हैं। नदियों के जल-विभाजक बहुत नीचे हैं और सारा पठार बरफीली झीलों से ढका है। ओंटेरियो के धरातल का लगभग $\frac{1}{3}$ भाग पानी है। पठार से नीचे उतरते समय नदियों में काफी प्रपात बन गये हैं, जिनसे जल और बिजली दोनों ही मिलते हैं। उत्तरी ओन्टेरियो वन-प्रदेश है और बहुत कम आबाद है। ओटावा नदी के द्वारा बहुत सी लकड़ी नीचे ओटावा शहर को बहा दी जाती है। **ओटावा** शहर चालीस फुट ऊँचे **चाडियर** प्रपात के नीचे

---

ओन्टेरियो झील में आधे दिसम्बर तक बर्फ रहती है। चेडायर अठारहवीं जुलाई से दिसम्बर तक बर्फ होता है। आरम्भ में दोनों ही बरफ से भरे रहते हैं। पर उनमें खुले हुए पानी की गलियां मिलती हैं।

**ओटावा** (८७,०००) यह डोमिनियन की राजधानी तथा पूर्वी कनाडा का तीसरे नंबर का शहर है, और मान्ट्रियल से सौ मील की दूरी पर **ओटावा** और **रिडो** नदियों के संगम पर बसा है। शहर का कुछ भाग ऊँची ज़मीन पर बसा है, जहाँ से **चाडियर** प्रपात भली भाँति दिखाई देता है। इस प्रपात ने ही शहर की स्थिति नियत की है।

रिडो नहर ने ओटावा को **किंग्स्टन** शहर से मिला दिया है। यह शहर आन्टेरियो झील के पूर्वी सिरे पर बसा है। यहाँ आटे की मिलें, जहाज़, चमड़ा, लोहा, और तम्बाकू बनाने के कारखाने हैं। खेती के औज़ार सभी बड़े शहरों में बनते हैं। झील के बन्दरगाहों में जहाज़ बनाने का काम होता है। **फोर्ट विलियम** और **पोर्ट आर्थर** सुपीरियर झील के पश्चिमी सिरे के निकट बसे हैं। पश्चिमी प्रेरी प्रदेश से आनेवाली रेलवे का यहाँ सेन्टलारेन्स के जलमार्ग से यहीं मेल होता है। इसी से ये शहर बड़ी तेज़ी से बढ़ गये हैं। प्रेरी की राजधानी और कनाडा के **तीसरे** शहर **विनीपेग** से ये दोनों केवल ४०० मील दूर हैं, पर मान्ट्रियल से १,००० मील है। सेन्टलारेन्स और झीलों के द्वारा प्रतिवर्ष पूर्व और पश्चिम के बीच विशाल व्यापार होता है। शीत-काल में बरफ़ से बन्द हो जाने पर भी **सू** नहर का व्यापार **स्वेज़** नहर से भी अधिक है।

**प्रेरी प्रान्त**—१८८३ ईसवी में मान्ट्रियल से बैंकूवर तक कनेडियन पैसिफिक रेलवे खुल जाने से कनाडा के गेहूँ के प्रदेश पश्चिम की ओर बड़ी शीघ्रता से बढ़ गये हैं। बड़ी झीलों और राकी पहाड़ के बीच का देश **मेनीटोबा, सस्कचवान** और **अल्बर्टा** प्रान्तों में बँटा है। प्रत्येक प्रान्त का क्षेत्रफल लगभग ढाई लाख २,५३,००० वर्ग मील है। रेलवे की पासवाली अनुकूल भूमि में गेहूँ ही बनाया जाता है।

**मेनीटोबा**—मेनीटोबा प्रान्त सबसे पूर्व होने के कारण प्रेरी

**विनीपेग-विनीपेगोसिस** और दूसरी हिमकालीन झीलें यहाँ से लेकर संयुक्त-राष्ट्र तक फैली हुई थीं। अनेक नदियों-द्वारा लाई गई मिट्टी और झील की वनस्पति ने धीरे धीरे झील के दक्षिणी भाग को भर दिया। अब यह चौड़ी घाटी बन गई है, जिससे होकर **रेडवर** (लाल नदी) उत्तर की ओर विनीपेग झील में गिरती है। जहाँ यह घाटी मेनीटोबा प्रान्त में प्रवेश करती है, वहाँ इसकी चौड़ाई पचास मील से अधिक है और गहरी घाटियों मिट्टी से ढकी है, जिसमें पत्थर का नाम भी नहीं है। और भागों में पथरीली मिट्टी के टीलों ने दूर दूर तक चारों ओर फैले हुए प्रेरी की विषमता को दूर कर समतल बना दिया है। विनीपेग झील के पूर्व **अगासिज़** झील की प्राचीन सतह (जो कहीं भी २०० फुट से अधिक ऊँची नहीं है) दूसरे प्रेरी का किनारा बनाती है, जो समुद्र-तट से १,६०० फुट ऊँचा है।

सस्कचवान पश्चिम में ऊँचा होता चला गया है। राकी पर्वत के नीचे इसकी ऊँचाई लगभग २,००० फुट है। बर्फ़ीली झीलों में सबसे बड़ी **एथेबास्का** है। यह नदियों के आर में पूर्व है—जो इसका पानी सस्कचवान या मेकेंज़ी नदी में ले जाती हैं। दूसरी भाग शील-कटिबन्ध वन से ढका है। यहाँ कपड़े के लिए जानवरों का शिकार होता है। पर इण्डियन लोगों की भी अब-संख्या यहाँ बहुत कम है। ज्यों ज्यों रेलवे उत्तर की ओर फैलती जाती है, त्यों त्यों बस्तियाँ भी बढ़ते जा रहे हैं।

**अलबर्टा** में राकी पहाड़ के पूर्वी ढाल शामिल हैं। अलबर्टा प्रान्त सस्कचवान की अपेक्षा अधिक ऊँचा और सुरक्ष है। आरम्भ में यह सबसे सब चराई का प्रदेश था, जहाँ बड़े बड़े चरागाहों में ढोर चरते थे। पर अब नहरों-द्वारा सिंचाई हो जाने के कारण बहुतसा भाग गेहूँ पैदा करने लगा है।

**गेहूँ के प्रदेश**—प्रेरी प्रदेश गेहूँ के लिए अत्यन्त अनुकूल

है। यहाँ ग्रीष्म ऋतु में गरमी [illegible] जाती है और [illegible] है, वहीं गेहूँ की खेती होती है। हेमन्त की ओर ठंढक के कारण इसमें बोआई नहीं हो सकता, पर बसन्त का गेहूँ खूब फलता [illegible] कुछ रक्षित समतल खेतों में बहुत सफ़ाई करने की आवश्यकता पड़ती है। मजदूरों की भी कमी है। इस कारण मशीन से खूब [illegible] किया जाता है। भूमि उपजाऊ है। इसमें गरमी और नमी भी [illegible] रहती है। [illegible] में बरफ पिघलने से अंकुर फूटनेवाले बीजों को [illegible] मिल जाता है। ग्रीष्म की धूप [illegible] बालियों में आ जाती है। [illegible] में पकने और काटने में सहा[illegible] होता है [illegible] बरफ पिघल जाती है, त्योंही बोआ जाता [illegible] जाता है और [illegible] आती रहता है। यहाँ और [illegible] [illegible] क्योंकि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सबसे बड़ी [illegible] [illegible] प्रेरी [illegible] [illegible] गेहूँ तैयार होता है [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] गेहूँ [illegible] [illegible] मिनेसोटा [illegible] [illegible] गेहूँ [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] गेहूँ [illegible] [illegible] [illegible] क्योंकि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

पन्दर प्रधान लाइन की अपेक्षा बहुत कम है। (३) कनेडियन नार्दर्न रेलवे अपनी दोनों शाखों को जोड़ती है, और विनीपेग से चलकर एडमांटन, यलोहैड-पास और फ्रेज़र-घाटी से होती हुई वैंकूवर में पहुँच जाती है। गेहूँ की फसल कटने और झीलों के जमने में बहुत थोड़े समय का अन्तर रहता है। जो गेहूँ देरी से झीलों के बन्दरगाहों में पहुँचता है वह या तो दूसरी ऋतु तक एलीवेटरों में

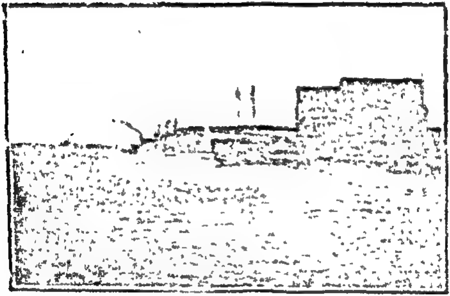

[illegible]

[illegible] पोर्टनेल्सन [illegible] है

—

कर लेती हैं। इसी प्रकार प्रशान्तमहासागर में गिरनेवाली नदियाँ (स्विज़रलैंड के समान) लम्बी और संग झीलों के रूप में चौड़ी हो जाती हैं। कोलम्बिया नदी में अपना पानी पहुँचानेवाली ऐरो लेक्स सर्वोत्तम है।

ब्रिटिश कोलम्बिया के उच्च पश्चिमी ढाल पछुआ हवाओं के मार्ग में स्थित है, इससे यहाँ सदा पानी बरसता रहता है। समुद्र-तल के स्थानों (विशेष कर **वैंकूवर द्वीप**) में जल-वायु समशीतोष्ण है। हवा की ओट के ढाल सब कहीं हवा के सम्मुखवाले स्थानों की अपेक्षा अधिक ख़ुश्क हैं। कुछ भीतरी घाटियों में सिंचाई करनी पड़ती है। तापक्रम ऊँचाई के अनुसार भिन्न होता जाता है। हवा के सामनेवाले ढाल सघन वन से ढके हैं, और दुनिया भर में सर्वोत्तम लकड़ी प्रदान करते हैं। पर पूर्वी ढाल ख़ुश्क है। लकड़ी की चिराई का काम प्रसिद्ध है। कस्केडी के उत्तर में सुन्दर कृषि-प्रदेश है, जहाँ फल और गेहूँ दोनों ही उगते हैं। ख़ुश्क घाटियाँ ढोर पालने और गोरस तैयार करने के काम आती हैं।

पहले-पहल यहाँ सोना निकालने की ख़बर पाते ही लोग हज़ारों की संख्या में आने लगे। पर आरम्भ में उपनिवेशकों को अपनी रक्षा अपने हाथ (पिस्तौल) से करनी पड़ती थी। सबसे अच्छा निशानाबाज़ ही सबका सरदार हो जाता। रेलवे के खुल जाने से बहुत कुछ दशा सुधर गई। पर पहाड़ों के बहुत से खनिज अब भी रेलवे से दूर हैं। खान में काम करनेवालों के लिए प्रत्येक आवश्यक चीज़ गधों की पीठ पर ढालू और भयानक दर्रों से होकर भेजी जाती है। सोना सब कहीं मिलता है, पर **कूटेनी** ज़िले में विशेष रूप से है। इसी ज़िले में **फ्रोज़नेस्ट** दर्रे के पास कोयला भी निकलता है, जिससे प्रधान केन्द्र **रोसलैंड** में कच्चे सोने को साफ़ करने में बड़ी सुविधा होगई है। प्रायः धुआँ न देनेवाला कोयला वैंकूवर

बहुत ही सपाट है। यह शहर अलबर्टा का गेहूँ, नदियों की मछलियों के डिब्बे, पहाड़ों की लकड़ी और खनिज एवं ब्रिटिश कोलम्बिया की घाटियों के फल दिसावर को भेजता है। यह सुन्दर बन्दरगाह **नैनेमो** के सामने ही है, जहाँ से जहाज़ों के लिए सस्ता पर अच्छा कोयला बहुतायत से मिलता है। संयुक्त-राज्य, चीन, जापान और आस्ट्रेलिया के प्रशान्त महासागर के तटवाले बन्दरगाहों को यहाँ से जहाज़ नियत समय पर छूटा करते हैं।

**मिन्स रुपर्ट**—यह **ग्रांड ट्रक पेसिफ़िक रेलवे** का अन्तिम स्टेशन है। लिवरपूल से जापान के लिए यही सबसे सीधा मार्ग है। उत्तरी कनाडा के ठीक ठीक बस जाने पर यह एक बड़ा बन्दरगाह बन जायगा।

**वैंकूवर द्वीप**—यह स्थल से पृथक् है। [illegible] **विक्टोरिया** [illegible] **एस्क्विमाल्ट** [illegible]

[illegible]

प्रसिद्ध हैं। मूल-निवासी इन्डियन लोगों की मुट्ठी भर जन-संख्या फ़र इकट्ठा करने, केरिबो (हिरण) का शिकार करने और झीलों एवं नदियों से मछली मारने में लगी रहती है। **हडसन-बे** कम्पनी के व्यापारिक केन्द्रों ( चौकियों ) को छोड़कर यहां कोई बड़ा नगर नहीं है।

**एलास्का** में सोने को छोड़कर कोयला तथा और भी खनिज निकलते हैं। खेती करने के भी प्रयत्न हो रहे हैं। यहां इन्डियन, एस्कीमो और कुछ गोरों का बसेरा है। गोरे लोग, खनिज के सिवा हेलीबूट और काड मछली मारने में संलग्न हैं।

**बरमूडा-द्वीपसमूह**—यह मूँगे के द्वीपों और दीवारों का समूह है। न्यूफ़ाउंडलैंड और वेस्ट इंडीज़ के बीचो बीच में है। यहां महत्त्वपूर्ण जहाज़ी बेड़े का अड्डा है। भूमि उपजाऊ नहीं है, पर जल-वायु समशीतोष्ण है और पहले उगनेवाली तरकारियां पैदा की जाती हैं। यहां अंगरेज़ी शासन है।

---

गरम और हेमन्त ख़ूब ठंडी होती है। जब कभी उत्तर की हवा चलती है तब एकदम ताप-क्रम गिर जाता है। इन हवाओं के साथ साथ वसन्त-काल में प्रेरी के खेतों में अक्सर पाला पड़ता है। टैक्साज़ और आरीज़ोना की निचली भूमि भी ख़ुश्क है।

**अन्तःप्रवाही प्रदेश**—**राकी** की प्रधान चोटियों और पश्चिम की ओर **सिअरानवादा** की प्रधान चोटियों के बीच **ग्रेट साल्ट लेक** नाम के एक बड़े आख़ात का केन्द्र है। झील समुद्र-तल से लगभग ४,००० फ़ीट की ऊँचाई पर है। समस्त प्रदेश उच्च, और ख़ुश्क है। हवा ने भी यहाँ ख़ूब सफ़ाई की है। इस कारण इस प्रदेश की **उटा, इडाहो** और **व्योमिंग** रियासतों में बसे हुए लोग प्रायः भेड़ पालने का काम करते हैं।

**पश्चिमी तट की रियासतें**—**वाशिंगटन** और **ओरेगान** की रियासतें ब्रिटिश कोलम्बिया से मिलती जुलती हैं। लोग पहाड़ों के ढाल पर लकड़ी काटने (लम्बरिंग) का काम करते हैं, और घाटियों की चपटी भूमि में खेती करते हैं। फ्रेज़र के समान कोलम्बिया नदी भी मछली के मारने का प्रधान केन्द्र है। इस प्रदेश का मुख्य बन्दरगाह **प्यूगेट साउंड** है, जो पश्चिमी तट के दिसावरी व्यापार में सेन फ़्रांसिस्को का साझी है।

**केलिफ़ोर्निया**—पश्चिम में केलिफ़ोर्निया रियासत एक बग़ीचा है। यहाँ की जलवायु भूमध्य-सागर की सी है और गेहूँ, नींबू, नाशपाती, अख़रोट, किशमिश आदि फल ख़ूब होते हैं, जो पूर्वी रियासतों को भेजे जाते हैं। इस तट पर **सेनफ़्रांसिस्को** सबसे बड़ा शहर तथा प्रधान बन्दरगाह है। **प्यूगेट साउंड** और कोलम्बिया नदी पर बसा हुआ **पोर्टलैंड** शहर न्यूयार्क से **शिकागो** होकर आनेवाली नार्दन पेसिफ़िक रेलवे के अन्तिम स्टेशन हैं।

की जन-संख्या बहुत कम है, क्योंकि भेड़ चराना और खनिज खोद निकालना ही यहां के लोगों का पेशा है। भेड़ें चराने का काम लोगों को ऊँची घाटियों और ढालों पर फैला देता है। खनिज निकालने का पेशा केवल दूर दूर बिखरे हुए कैम्पों में लोगों को इकट्ठा करता है, जहां खानों का पता चलता है। सोना, तांबा और सीसा प्रसिद्ध खनिज हैं। **डेन्वर** एक अत्यन्त प्रसिद्ध खनिज केन्द्र है।

**ढाल की रियासतों** में **प्रेरी** शामिल है, जहां किसानों और ग्वालों के सन्निवेश हैं। इसलिए उच्च भूमि की अपेक्षा यहां की जनसंख्या अधिक सघन है। कांसास और नेब्रास्का ढोर चरानेवाली रियासतें हैं। इन दोनों में बहुत से ढोर और घोड़े हैं। इसी से **कांसास-सिटी** और **ओमाहा** शहर मास के व्यापार के प्रसिद्ध केन्द्र बन गये हैं, जहां से मास टिन्बा में बन्द कर दुनिया के सब भागों को जाने लगा है। डाकोटा अन्न के लिए प्रसिद्ध है। उत्तरी **डकोटा** में गेहूँ अधिक होता है और दक्षिणी **डाकोटा** में जौ की अधिकता है। मकई संयुक्त-राष्ट्र की एक और प्रसिद्ध उपज है। सारी दुनिया की $\frac{1}{2}$ मकई संयुक्त राष्ट्र में पैदा होती है। गेहूं और जौ की अपेक्षा मकई को अधिक उष्ण जलवायु की आवश्यकता होती इस कारण **कान्सास** और **नेब्रास्का** में सब मकई पैदा होती है। क्योंकि यह डाकोटा की अपेक्षा अधिक गरम है। इस मकई को खिला खिला कर वहां सुअर मोटे किये जाते हैं, जो मास का व्यापार करनेवाले केन्द्रों को कटने जाया करते हैं।

**मिसीसिपी स्टेटस**—मिसीसिपी नदी अपने समस्त मार्ग में रियासतों की सीमा बनाती है। **मिनेसोटा, आयोवा, मिसूरी, आर्कांसास** और **लूसीनिया** रियासतें पश्चिम की ओर स्थित हैं। इस नदी की पूर्व और **विस्कोसिन, इलीनो-**

पकाने और उस पर बारीक रेखा चढ़ाने के लिए लम्बी गरम ऋतु और काफ़ी पानी की आवश्यकता होती है। दक्षिणी अटलांटिक महासागर और मेक्सिको की खाड़ी के पास पास खूब वर्षा होती है और जल-वायु भी उष्ण है। इसलिए ये रियासतें अन्न पैदा करने के लिए अनुकूल नहीं हैं। पर तम्बाकू और कपास के लिए दुनिया भर में इनका उच्च स्थान है। केन्टकी, वर्जीनिया और उत्तरी केरोलिना दुनिया भर की तम्बाकू की समस्त उपज का $\frac{1}{3}$ पैदा करती है। यह उपज **सेन्टलूई, रिचमांड** और **बाल्टीमूर** शहर के कारख़ानों के लिए बड़े काम की है। इन रियासतों के दक्षिण फ़्लारिडा को छोड़ कर सब कहीं समुद्र के समीर कपास उगती है। सबसे उच्च कोटि की कपास जार्जिया और दक्षिणी केरोलिना के पास के निचले रेतीले द्वीपों में होती है और 'सी-आयलैंड' (समुद्र-द्वीप) कपास* कहलाती है। इसके रेशे बहुत लम्बे और मज़बूत होते हैं। टेक्साज़, मिसीसिपी और जार्जिया-रियासतें बहुत ज़्यादा कपास पैदा करती हैं। सब मिला कर दुनिया भर की कपास की उपज का $\frac{1}{3}$ यहाँ पैदा होता है। ग्रेटब्रिटेन के पुतली-घरों में तीन-चौथाई रुई यहीं से पहुँचती है। बाहर जानेवाली रुई मेक्सिको की खाड़ी पर स्थित **गालवेस्टन** और **न्युआर्लियन्स** अथवा अटलांटिक-तट के **सवन्ना** और **चार्लस्टन** बन्दरगाहों से होकर भेजी जाती है। कुछ रेलवे द्वारा न्यूयार्क पहुँचती है, जहाँ से विलायत को भेजी जाती है। संयुक्त-राष्ट्र में भी **फ़ाल-रिवर, लोवेल** आदि कई नगरों में कपड़ा बुना जाता है।

---

*कपास कोट कर बिनौलों से तेल पेर लेते हैं, जिससे साबुन आदि बनाते हैं या जिसको साफ़ करके खाते हैं और उसकी खली जानवरों को खिलाते हैं। रुई को दबा कर बाहर भेजने के लिए गट्ठे बाँध लेते हैं अथवा बुन कर कात लेते हैं। धागे से तरह तरह का कपड़ा बुना जाता है।

पश्चिम में बाधा डालती है। दक्षिणी मिसीसिपी का बेसिन शिकागो के लिए सुगम है। इस प्रदेश की कृषि और खनिज-सम्बन्धी सम्पत्ति अपार है। अतः समतल होने से यहाँ रेलवे लाइनें भी सरलता और सुगमता से खोली जा सकती हैं। इसी से यह ३१ रेलवे-लाइनों का अंकरण है। ११ लाइनें ऐसी हैं जिनकी कई शाखाएँ हैं। सेंटलॉरेंस और मिसीसिपी के जलमार्गों का भी यहीं संगम है। यह एक बड़ा बन्दरगाह भी है। क्षुद्र-धारा गहरी कर दी गई है और २२ मील के फैलाव में डाक (जहाज़ों के ठहरने) बना दिये गये हैं। शिकागो एक विशाल व्यापारिक मंडी तथा पुतली-घरों का केन्द्र है। लोहा और कोयला यहाँ से दूर नहीं है, जिससे यहाँ आनेवाली रेलवे-लाइनों के लिए पटरी और इंजिन, खेती के औज़ार और बिजली का सामान तैयार होता है। यह जंगल लकड़ी, अनाज, गेहूँ, कच्ची धातु, मकई और ढोरों का विशाल केन्द्र है। मांस के लिए तो यह दुनिया भर में सबसे बड़ा बाज़ार है। लगभग दो लाख जानवर रोज़ाना मशीन-द्वारा यहाँ मारे जाते हैं। मांस के अतिरिक्त यहीं से साबुन, खाद में अनाज, जूतों में घोड़ों का खोर, हड्डी से बटन का खाद और लोहू से रबड़ी का खाद तैयार की जाती है। इसी प्रकार काठ, लकड़ी बनाने की भी बड़ी बड़ी कारख़ाने हैं।

मेनुफ़ैक्चर में दुनिया भर की दस का १ कोयला खानों के आसपास और कोयलों से निकलता है। लोहे के साथ ही साथ मैग्नेशिया भी निकलती है। सुपीरियर झील के आसपास तथा मानीटोबा में सोना निकलता है। लोहा और कोयले की खानें एक-दूसरे से मिली हैं। कोयले के साथ साथ नमक भी खोदा जाता है। एलाबामा में लोहे की खुदाई है। बड़ा बड़ा सुपीरियर झील के किनारे मिनेसोटा और मिशीगन से निकाला जाता है। एलीगेनियन के दक्षिण भाग में सिल्वर और ताँबे के अतिरिक्त सोने के भंडार और एलिगेनियन बर्फ़ीले होने और पर्वतों की सदैव बड़ी चट्टानें के

नदी यहाँ इतनी चौड़ी और गहरी है कि उस पर पुल नहीं बन सकता। पर नीचे सुरंग-द्वारा आना जाना होता है। मोहाक घाटी से होकर हडसन नदी के मुख भाग से न्यूयार्क का सामना करनेवाले बोस्टन, फिलेडेल्फिया और बाल्टीमूर नगर बहुत पीछे रह गये और न्यूयार्क संयुक्त-राष्ट्र की व्यापारिक राजधानी और लन्दन को दौड़ कर दुनिया भर में सबसे बड़ा नगर हो गया। पीछे बड़ी बड़ी रेलवे-लाइनों के खुलने से न केवल यहाँ का व्यापार बल्कि कला-कौशल भी बहुत बढ़ गया। गाय, ढोर, गेहूँ, आटा, मिट्टी का तेल, मशीनरी तथा सूती और ऊनी माल यहाँ से बाहर जाता है। जन-संख्या के बढ़ने से शहर भी पुराने स्थान से तीस-चालीस मील बहुत दूर तक फैल गया है। पर महत्वपूर्ण व्यापार पुराने ही स्थान पर होता रहा है, जहाँ बैंक और बड़ी बड़ी दुकानें थीं, इस कारण वहाँ की ज़मीन इतनी महँगी हो गई है कि लोगों को तीस-चालीस मंज़िल के एक एक हज़ार फुट ऊँचे मकान बनाने पड़े। एक एक घर में तीन-चार हज़ार मनुष्य रहते हैं। एक एक घर में सारा माल समाया हुआ है। अमरीकी, इटलियन, आयरिश, जर्मन यहूदी और चीनी आदि दूर दूर देशों के लोग यहाँ बस गए हैं। लगभग बारह भाषाओं में यहाँ के अख़बार छपते हैं। काम के लिए बाहर से आनेवाले मनुष्य अधिकतर इसी बन्दरगाह में आते हैं, इसलिए मज़दूरों की कमी नहीं रहती।

**फिलेडेल्फिया**—शहर डेलावेर नदी पर समुद्र से १०० मील की दूरी पर बसा है। पर बड़े से बड़े जहाज़ यहाँ आ सकते हैं। एपेलाशियन पार करके दुर्गम मार्गों-द्वारा यहाँ कच्चा माल और कोयला आता है। ओहाइयो की ऊन से कालीन बनते हैं। सूती माल, फ़ौलाद, जहाज़, इञ्जन, कपड़ा तैयार करना, तेल साफ़ करना आदि यहाँ बहुत से काम होते हैं।

**वाशिंगटन**—यह पोटोमैक नदी पर प्रपात के ठीक नीचे उस स्थान पर बसा है, जहाँ तक ज्वारभाटा आता है। पहले यह प्रदेश

**डीट्रायट** (इरी और ह्यूरन झील के बीच सेन्टक्लेयर पर) सुपीरियर झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित गेहूँ, लोहे और इस्पात के केन्द्र **डुलुथ**, ऊन की सबसे बड़ी मंडी **बोस्टन** तथा [illegible] विश्वविद्यालय वाले **हार्वर्ड** [illegible] कार्डिलेरा में सिंचाई-द्वारा [illegible] **सालटलेक सिटी**, तथा [illegible] के **लास एंजलीज़, सियाटिल, डेन्वर** आदि अनेक नगरों का उल्लेख करना विस्तार भय से छोड़ दिया गया है।

संयुक्तराष्ट्र के छोटे छोटे कस्बों में घर बनाने के लिए लकड़ी का प्रयोग होता है। पर तो बड़े बड़े शहरों में [illegible]

[illegible]

गन्ना और कोको उगता है। केला, आम, नारंगी, अनन्नास आदि फल अपने आप उगते हैं।

अनन्नास।

(२) **शीतोष्ण प्रदेश** ३,००० और ५,००० फुट के बीच में है। यहाँ सिन्दूर (ओक), चाड़, तम्बाकू, फली, मकई, गेहूँ और अनुकूल ऊँचाई पर आलू उगते हैं। रामबास खुश्क प्रदेश में होता है। इसका रूप और आकार विचित्र हो जाता है। इसके दूधिया रस से एक प्रकार की शराब बनाई जाती है। यूकेटान में सीसल हेम्प होता है जिसके रेशों से मज़बूत रस्सियाँ बनाई जाती हैं, जो कनाडा और संयुक्त-राष्ट्र में गेहूँ के खेतों की बाँधनेवाली मशीनों (बाइंडिंग मेशीन्स) के काम आती हैं।

राजधानी है, और यद्यपि दोनों तटों से एक एक रेलवे-लाइन आती है और दूसरी रेलवे-लाइनों ने इसे संयुक्त-राष्ट्र से मिला दिया है, फिर भी यहाँ पहुँचना कठिन ही है।

मेक्सिको देश पहले स्पेनवालों के हाथ में था, जिन्होंने प्राचीन एवं सभ्य अज़्टेक लोगों को प्रायः नष्ट कर दिया। अब यहाँ भी संयुक्त-राष्ट्र के समान प्रजातन्त्रात्मक शासन है। २७ रियासतें, तीन प्रदेश (टेरीटरी) और एक फेडरल रियासत है। पर स्पैनिश भाषा, रोमन-कैथलिक मत, शहरों की बनावट, लोगों के रहन-सहन पर अब भी स्पेन की मुहर लगी है।

———

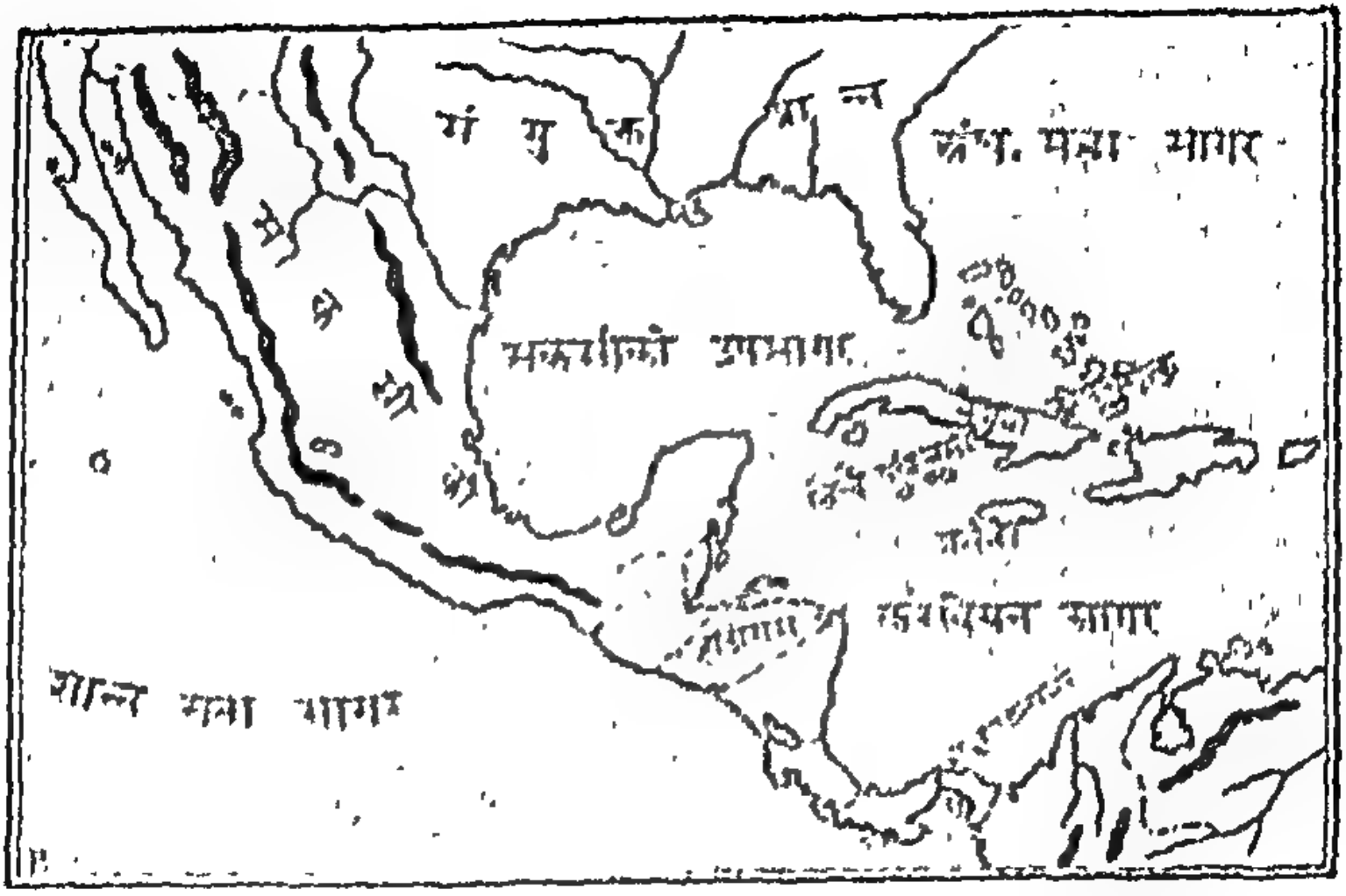


सप्त अमेरिका ।

खेतों में काम कराने के लिए गुलाम बना कर लाये थे। दासता से १८०४ ई० में छुटकारा पाकर **हेइटी** में इन्होंने भी स्वतन्त्र प्रजातन्त्र राष्ट्र की स्थापना की है। इस राष्ट्र का सारा प्रबन्ध हबशी लोग ही करते हैं, पर बहुत दिनों तक फ्रांसीसी सम्बन्ध रहने से राष्ट्र-भाषा फ्रांसीसी है। साधारण लोग इसी का अपभ्रंश बोलते हैं। इससे बड़े द्वीप **सैनडोमिंगो** राष्ट्र में स्पेनवालों का अधिक प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा द्वीप **क्यूबा** है, जो पहले स्पेन के अधिकार में था, पर अब स्वतन्त्र है। इसका तट ऊँचा तथा नुकीले की दीवारों से घिरा है। मध्य द्वीप पहाड़ी है और सघन वनों से ढका है। तम्बाकू और ईख मुख्य पैदावार हैं। इस द्वीप का परिचयी भाग सबसे अधिक घना बसा है। यहीं उत्तरी तट पर इसकी राजधानी **हवन्ना** स्थित है। यह एक सुन्दर बन्दरगाह है और सिगार बनाने का मुख्य केन्द्र है। पूर्वी भाग में **सेन्टियागो** बन्दरगाह के निकट मूल्यवान् लोहे की खानें हैं। **पोर्टोरिको** में ईख, कहवा, वन और ढोर प्रधान सम्पत्ति है। संयुक्त-राष्ट्र का यहां विशेष प्रभाव है। **जमैका, ट्रिनीडाड, बरबेडास, बहनाल** और **लीवर्ड** द्वीपसमूह ब्रिटिश-साम्राज्य के अंग हैं। ईख, केला, नीबू, नारियल, खोपरा, और कोका मुख्य उपज हैं। जमैका की राजधानी **किङ्गस्टन** एक अच्छा बन्दरगाह है और केला, नारंगी, कहवा और पहाड़ों के ताड़ की लकड़ी दिखाकर भेजता है। ट्रिनीडाड में असफाल्ट की अत्यन्त प्रसिद्ध खान है।

---

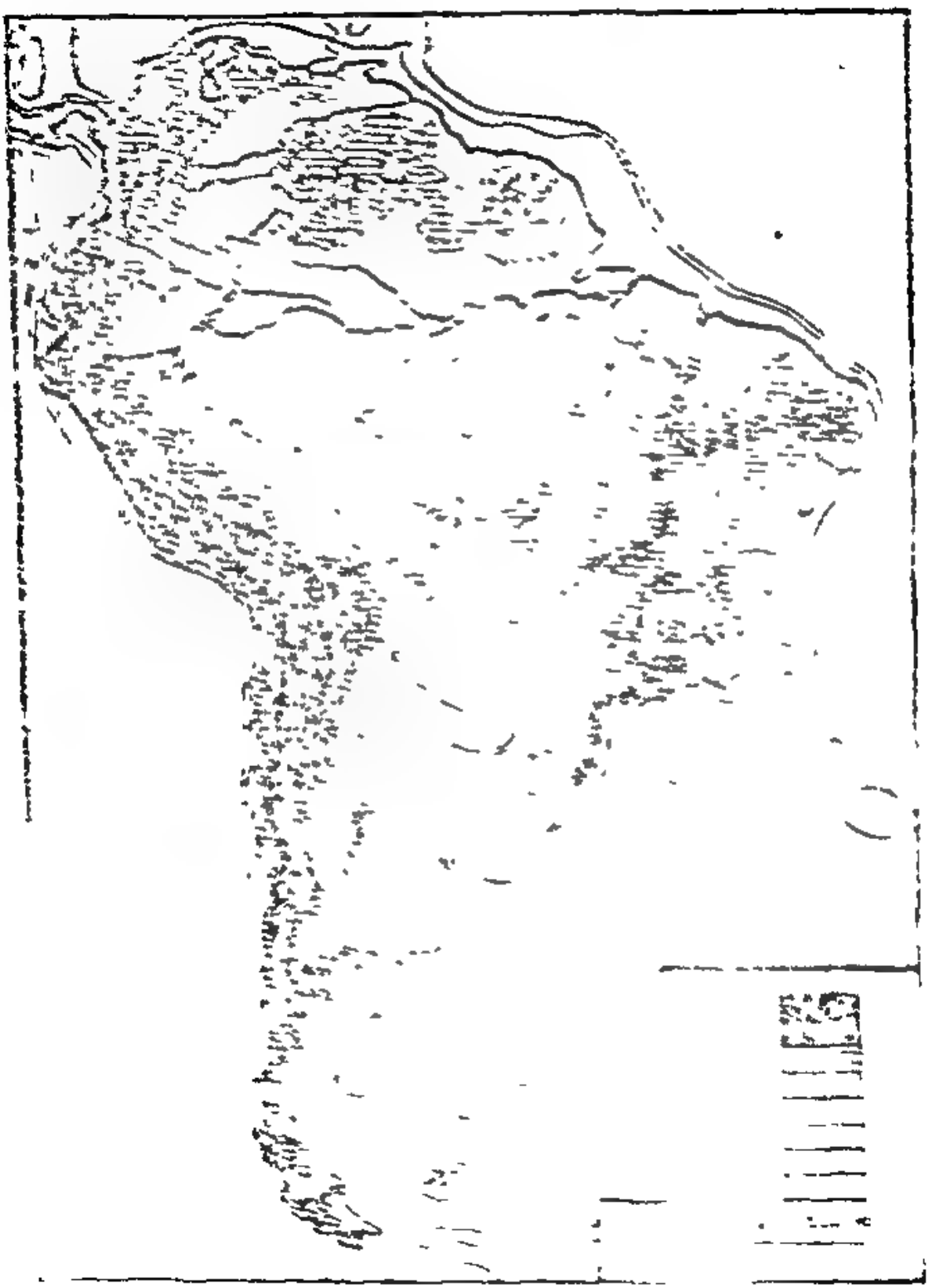

पास्को से नीचे एक पर्वतीश्रेणी प्रशान्तमहासागर के पास उसके समानान्तर चलती हुई **मेजलिन** प्रणाली तक पहुँचती है। **युकेडार** में फैल कर यह **क्विटो** का पठार बनाती है। प्रशान्त और प्रज्वलित ज्वालामुखी पहाड़ों का प्रदेश है। श्रेणी के इस भाग में १९ ज्वालामुखी हैं। इनमें सबसे ऊँचे **चिंबराज़ो** (२०,५००फुट) और **कोटोपैक्सी** (१९,५००फुट) हैं। १८७९ में **कोटोपैक्सी** के फूटने से समीपवर्ती प्रदेश एक गज़ मोटे गारा और पत्थर से दब कर बड़ी दूर तक रेगिस्तान में परिणत होगया था। यह इतने ज़ोर से फूटा था कि सवा सौ मन का एक पत्थर बीस मील की दूरी पर जा गिरा था। सबसे ऊँची चोटी (२३,००० फुट) **एकान्केगुआ** मकररेखा के ठीक दक्षिण में है [illegible] **अम्पलाटा** दर्रा (१२,५०० फुट) है जिससे होकर **चिली** से **अर्जेन्टायना** का मार्ग है। इस स्थान के [illegible] होता गया है। उसमें दो [illegible] बीच प्रसिद्ध [illegible] चिली में [illegible] समुद्र के [illegible] और [illegible] दब कर [illegible] द्वीप हो [illegible] **चिली** द्वीप है। [illegible] में और कहीं [illegible] होते हैं [illegible] दाँत का [illegible] बीच में [illegible] **अटाटो, काका** [illegible] **मेगडलीना** [illegible] कोलम्बियन [illegible] करिबियन [illegible] पर्वतीय [illegible] श्रेणियों [illegible]

अत्यन्त मनोहर है। ब्रेज़िल पठार के सर्वोच्च भागों का पानी **टोकोन्टिन्स, एरेग्वे, जिंगू, टैपेहौज़** नदियों के द्वारा एमेज़ान नदी में बह जाता है। कुछ **परना** नदी में पहुँचता है।

**मध्यवर्त्ती मैदान**—ये निचले प्रदेश दुनिया भर में सबसे अधिक विस्तारवाले हैं। उत्तर में **ओरिनोको**, मध्य में एमेज़ान-द्वारा और दक्षिण में **पेरग्व-परना**-द्वारा इनका वर्षा-जल बहा लिया जाता है। इनकी सहायक नदियों के बीच के जल-विभाजक बहुत नीचे हैं, जिससे वर्षा के दिनों में बाढ़ से डूबे हुए मैदानों का पानी कई बड़ी नदियों में जाता है। गहरी और उपजाऊ भूमि की मिट्टी **रेडरिवर** घाटी के समान ही [illegible] है, जिसमें पत्थर का नाम भी नहीं है। मध्यवर्त्ती मैदान [illegible] **ओरिनोको** [illegible] कटि-बन्ध के [illegible] एमेज़ान नदी [illegible] [illegible] मैदान बनाता है।

**एडीज़ प्रदेश** [illegible] **असप-लाटा** [illegible] **टान्सकान्टीनेन्टल** [illegible]

**रेलवे**—एक ट्रान्सकान्टीनेन्टल लाइन दक्षिण अमरीका के आर-पार शीतोष्ण अक्षांशों में बनाई गई है। यहाँ महाद्वीप सकरा है और एक ही दर्रा पार करना पड़ता है। यह लाइन **अस्पलटा** दर्रे के नीचे १०,३०० फुट की ऊँचाई पर (ढाई मील) सुरंग पार करती है। निचले शीतोष्ण प्रदेशों में रेलवे लाइनें शीघ्रता से बढ़ रही हैं। और अटलांटिक तथा प्रशान्तमहासागर के तटों से ऊँचे भागों तक लाई जा रही हैं। पर एंडीज़ प्रदेश में रेलवे लाइनों का बनाना बड़ा कठिन है। दर्रे बड़ी ऊँचाई पर हैं। असंख्य नदी-नालों पर पुल बाँधना होता है। बहुत सी श्रेणियों को पार करना पड़ता है। अथवा उनमें सुरंग बनाना पड़ता है और अधिक ऊँचाई की पतली हवा में काम करना पड़ता है। प्रशान्तमहासागर के तट के **एरीका, मोलेंटो** और **एन्टोफ़ेगस्टा** स्थानों से रेलवे लाइनें १४,००० फुट ऊँचे दर्रे पार करके बोलिविया पठार पर **टिटीकाका** झील और **ला-पाज़** राजधानी के लिए गई हैं। पर बहुत सा माल अब भी **लामा** और खच्चरों के द्वारा जाता है। इसमें देर तो लगती है, पर खर्च कम पड़ता है। एक लाइन एन्डीज़ की घाटियों से होकर महाद्वीप के उत्तर से दक्षिण तक खुल कर वर्तमान रेलवे लाइनों से मिला दी जायगी। दूसरी ट्रान्सकान्टीनेन्टल लाइन रियो डीजनरी को बोलिविया के पठार और प्रशान्तमहासागर के तट को मिलायगी। कई छोटी छोटी लाइनें प्रशान्तमहासागर के तट से एमेज़ान की सहायक नदियों के उन स्थानों तक खुलेंगी जहाँ से नावें चल सकती हैं।

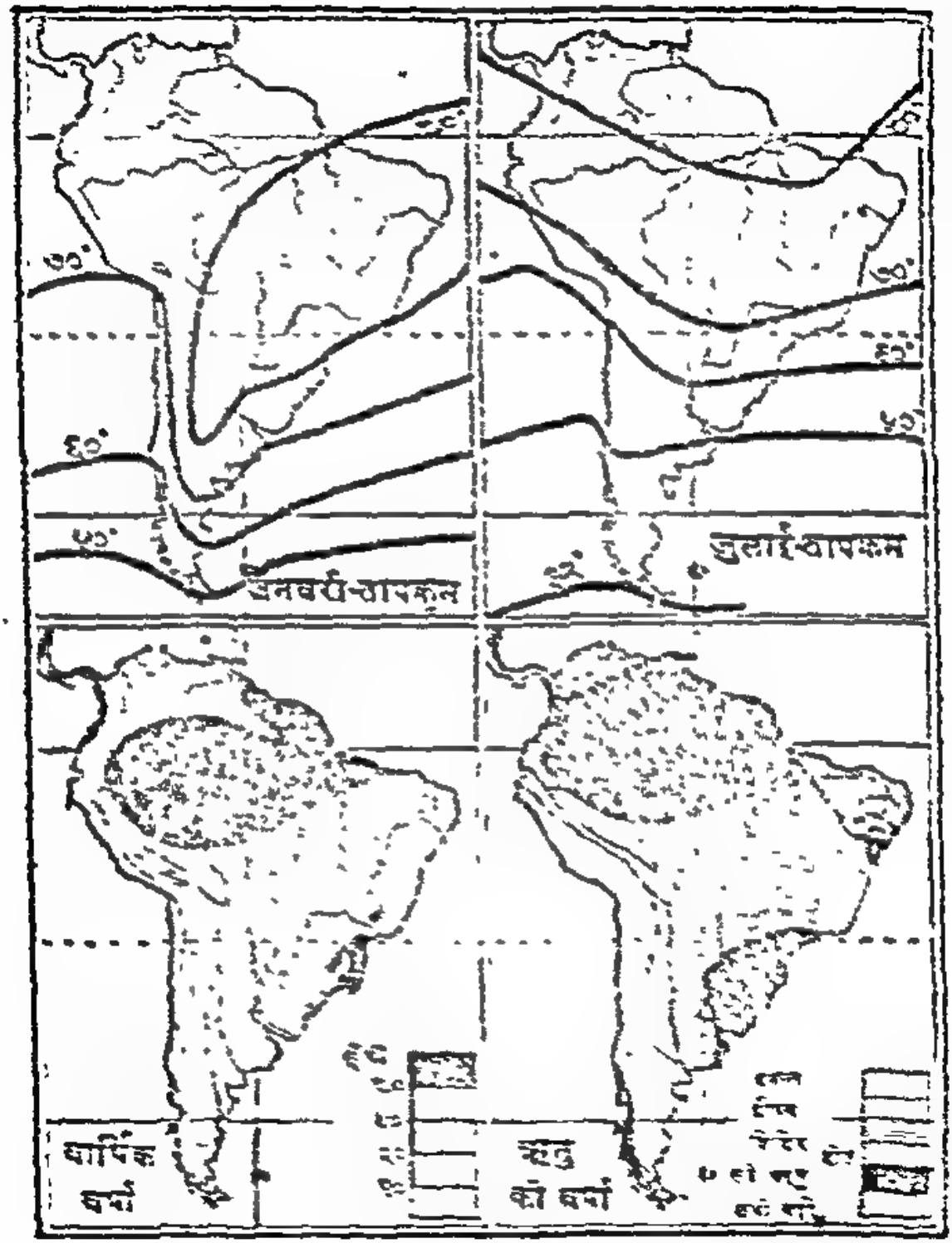


दक्षिणी अमरीका का तापक्रम और वर्षा।

रंग सुन्दर होता है। इनकी लकड़ी का दाना भी मज़बूत होता है। पर मज़दूरों के अभाव से उनको काटकर बाज़ार भेजना असम्भव है। नदी के कुछ बन्दरगाहों के आस-पास वन साफ़ कर लिया गया है और स्थानों में यहां पेड़ों का राज्य है न कि मनुष्यों का। कोलम्बिया, यूकेडार, पेरू और बोलिविया के "मान्टाना" में **सेल्वा** है। पूर्वी एंडीज़ के "मान्टाना" में ही एंडीज़ की मनोरम सुन्दरता का अनुभव हो सकता है। धुँधले पहाड़ हज़ारों फ़ुट ऊपर उठे हैं। उनके पैरों को झागदार वेगवती नदियाँ धोती हैं। उनके सिरों पर नुकीली चोटियाँ हैं। उनके निचले ढालों पर सघन वनस्पतियां हैं। हरियाली के बीच बीच तरह तरह के फूलों के समूह हैं। वन के ऊपर घास के ढालों पर भी लाल और पीले फूल शोभा देते हैं। नालों की ओर उतरने पर पहाड़ियों के ढालों पर सफ़ेद और गुलाबी फूलोंवाले सिनोकोना*-वृक्षों के कुंज हैं। सपाट ढाल के चिकने तल में झपटनेवाली झाग की सफ़ेद चादरें तली के फूलों और झाड़ियों में डुबकी लगाती सी जान पड़ती हैं। गिरते हुए पानी का कोलाहल सब कहीं सुनाई देता है। जैसे जैसे नाले चौड़े होते जाते हैं, वैसे वैसे विस्तृत दृश्य दिखाई देते हैं। अविचल वन से ढका हुआ अपार मैदान फैलता चला गया है। आकाश के मन्द नीलेपन को छोड़कर सब कहीं इसकी ही हरियाली दृष्टिगोचर होती है।

**सवन्ना**—सघन वन के उत्तर आरिनोको के सवन्ना (**लानोज़** और ब्रेज़ील के **कम्पास**) उष्ण कटिबन्धवाले घास के मैदान हैं। नदियों के किनारे और पठारों के ढालों पर वन हैं। और स्थानों में एक-आध ही पेड़ हैं।

---

* सिनकोना की ही छाल से क्वनैन बनाई जाती है

**पम्पाज़**—उत्तरी अर्जेन्टाइना, यूरुग्वे और दक्षिणी ब्रेज़ील के घास के मैदान पम्पाज़ हैं। समुद्र-तट के निकट पम्पाज़ में थोड़ा-बहुत पानी साल भर बरसता रहता है, पर यह वन के लिए काफ़ी नहीं होता। अधिक भीतर की ओर तथा दक्षिण की ओर जलवायु ख़ुश्क होती जाती है, जिससे घास भी अच्छी नहीं होती है। असली पम्पाज़ (जो घास का एक समुद्र है और जिसमें कहीं कहीं छतरी के आकार-वाले एक-आध पेड़ हैं) प्रायः महाद्वीप के अधबिच में अटलांटिक महासागर और यूरुग्वे नदी के निचले भाग से कोलेरेडो नदी तक फैला हुआ है। वसन्त ऋतु में पुराना घास के जल जाने से पम्पा-प्रदेश कोयले के समान काला [illegible] जब अंकुर निकलते हैं तब

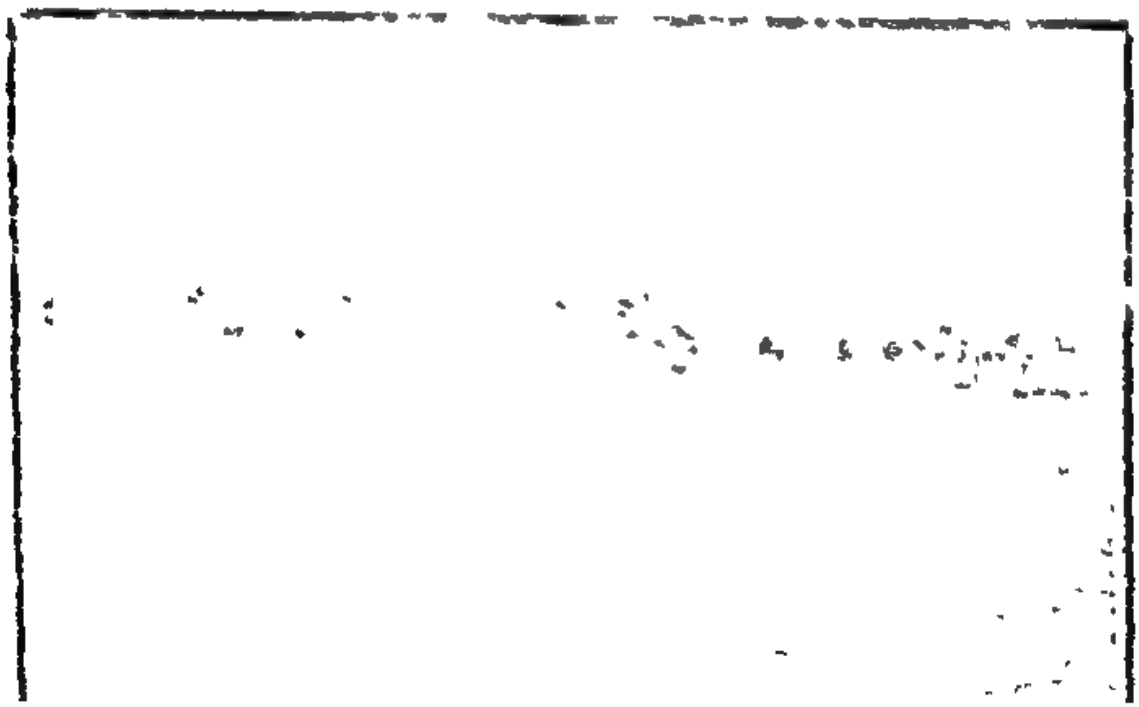

( दूध के लिए नहीं ) पाले जाते हैं। किसी समय ढोरों को संसार की मांस-मण्डियों में भेजना बड़ी जटिल समस्या थी। अगर वे ज़िन्दा भेजे जाते तो ख़र्चा अधिक होता। बहुत से जानवर रास्ते में मर जाते।

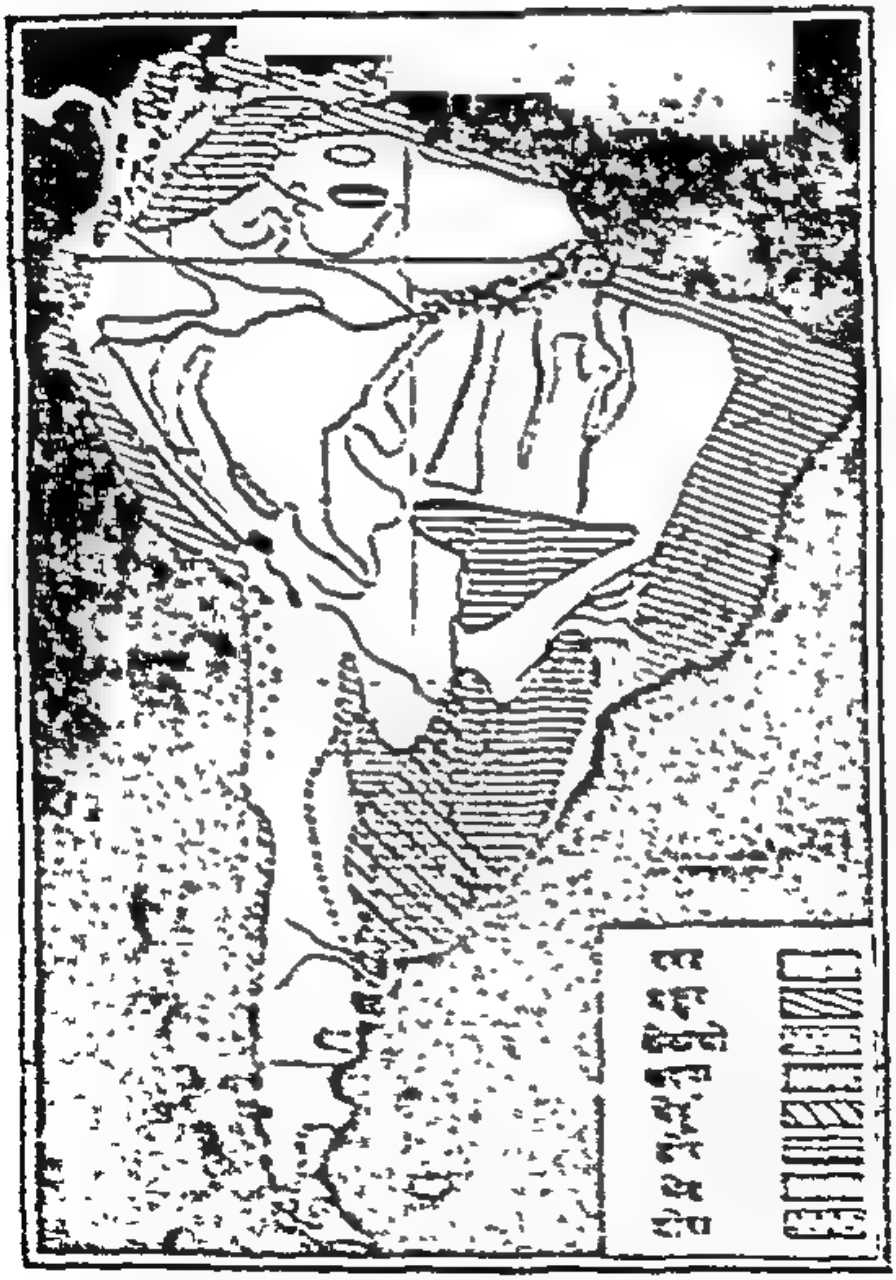

दक्षिणी अमरीका की सैर करते।

जो पहुँचते उनकी भी दुर्दशा हो जाती। ठंडी बरफ़ की कोठरियों में बन्द करके दूर देशों में कच्चा मांस भेजने की प्रथा चल निकलने से

रूई का शिकार करने लगे। जहाँ खेती हो सकती है वहाँ गोरे लोग बस गये और खेती करने लगे।

भेड़ों के लिए नियत भागों में भेड़ों के अनुकूल बहुत घास होती है। अब यह बहुत से उन्नत चरागाहों में बँटा है, जहाँ भेड़ों की ऊन कतरने और दबाकर गट्ठा बनाने में नवीन से नवीन मशीनों का प्रयोग होता है। भेड़ों को बीमारी न लगे, इसलिए उनको नहलाने के लिए [illegible] बने हैं। कुछ चरागाहों में [illegible] भेड़ें हैं। [illegible] सुख का जीवन [illegible] मालिक [illegible] सामान्य [illegible]

[illegible]

के घर भूचाल के डर से एक मंज़िले हैं। गर्मी से बचने के लिए उनकी दीवारें भी बहुत मोटी हैं।

**ब्रिटिश गायना** ( ९०,००० वर्गमील, जनसंख्या ३,९४,००० ) ओरिनोको के डेल्टा से पूर्व है। तट गोरन के दलदलों से भरा है। ब्रिटिश गायना में इसेक्यूबो और दूसरी नदियों द्वारा बनाया हुआ २० मील चौड़ा उपजाऊ मैदान (२) लानोज़ और वनाच्छादित दक्षिणी भाग शामिल हैं। अधिकतर लोग तट की पेटी में रहते हैं। प्रथम बसनेवाले डच लोगों ने बांध बांध कर नहरें निकालीं और पश्च से निचली भूमि का पानी बाहर भेज कर बहुत सी ज़मीन निकाल ली। ब्रिटिश गायना एक डच्ण कटिबन्ध का हालैंड है। **जार्ज टाउन** राजधानी है, जो **डेमरारा** नदी के दायें किनारे पर ईख के खेतों और खजूर के पेड़ों के बीच बसा है। इन खेतों में काम करने के लिए बहुत से हिन्दुस्तानी मज़दूर गये हैं। पटार में सोना भी निकलता है। ब्रिटिश गायना, डच और फ्रांसीसी गायना दोनों से बड़ा है। डच गायना की राजधानी **पेरामेरिबो** है और फ्रांसीसी गायना की राजधानी **केईन** है।

**ओरिनोको** (१,२०० मील) गायना पठार से निकलती है, और जल्दी जल्दी उतर कर समुद्र-तल से १ हज़ार फुट की ऊँचाई पर दो भागों में बँट जाती है। एक शाखा **कासीक्वेर** दक्षिण की ओर एमेज़ान की सहायक **रिओनीग्रो** में गिरती है। ओरिनोको की दूसरी प्रधान धारा गायना पठार की तलहटी के उत्तर-पश्चिम की ओर विपरीत दिशा में बहती हुई समुद्र में गिरती है। ओरिनोको (१) उत्तरी भाग में उष्णार्द्र जंगल से होकर बहती है। (२) मध्य एवं निचले मार्ग में घास के मैदान से होकर बहती है (३) इसके तट पर गोरन का दलदल है। समुद्र में प्रवेश करने से पहले यह ३५ मील के अन्तर से दो प्रपात बनाती है।

प्रथम प्रपात से ऊपर दूसरे १०० मील तक नावें चल सकती हैं। दूसरे के नीचे १०० मील तक चलती हैं। बर्बर से खारतूम तक दूसरे स्टीमर चल जाता है। जुलाई और अगस्त में इसमें सबसे अधिक पानी होता है। तभी यह मिस्र की भूमि को डुबा देती है। [illegible] से इसके दोनों ओर [illegible] नदियाँ मिलती हैं। [illegible] रूई, अन्न और [illegible] पैदा होते हैं। [illegible] की भूमि पर **स्यूडाड बोलिवर** नदी का बन्दरगाह है।

**[illegible]** ([illegible] मील [illegible], [illegible] २६,०००)

[illegible] **[illegible]** [illegible]

[illegible]

पर स्थित है। शहर दो ऊँची चोटियों के साढ़े आठ हज़ार फुट ऊँचे ढाल पर बसा है। चोटियों के ऊपर से मध्य-कोलम्बिया का दृश्य भली भाँति सामने आ जाता है। कैरेबियन तट के **बेरेन्क्वेला** बन्दरगाह से यहाँ तक १२ दिन का रास्ता है। मुहाने से अलडोराडो तक मगरों और मछलियों से भरी हुई मेगडलीना में स्टीमर चलते हैं। अलडोराडो से आगे **होन्डा प्रपात** बचाने के लिए बेल्ट्राम तक रेल है। यहाँ से चल कर ऊपरी मेगडलीना की यात्रा **जीरार्डाट** में समाप्त हो जाती है और राजधानी (बेगोटा) तक शेष ७० मील की यात्रा रेलवे द्वारा पूरी होती है। बेरेन्क्वेला मेगडलीना के मुहाने पर स्थित होने से प्रसिद्ध है। वैसे यहाँ का बन्दरगाह कुछ अच्छा नहीं है। बड़े बड़े जहाज़ों को टिकाने के लिए लगभग पौन मील लम्बा घाट गहरे समुद्र तक बनाया गया है। **कार्टेजीना** का बन्दरगाह इससे कहीं अच्छा है।

**इक्वेडार**—(१,२०,००० वर्गमील, जनसंख्या १२ लाख) में कोलम्बिया के समान ही (१) उष्णार्द्र तटीय मैदान (२) भिन्न भिन्न कटिबन्धोंवाला एंडीज़ प्रदेश और (३) ऊपरी एमेज़ान बेसिन का वनाच्छादित **मान्टाना** है। जैसा नाम से प्रकट है, यहाँ होकर भूमध्य-रेखा जाती है। पर ऊँचे पठार पर जलवायु समशीतोष्ण है। यहीं अधिकतर घनी आबादी है। यहाँ एंडीज़ की सर्वोच्च चोटियाँ २०,००० फुट ऊँची हैं। बहुत सी ज्वालामुखी हैं। पूर्वी ढाल पर प्रबल वर्षा होती है। पर पश्चिमी ढाल शुष्क हैं। और **ग्वेक्विल** (मुख्य बन्दरगाह) के दक्षिण-तटवाले रेगिस्तान का आरम्भ है। ग्वेक्विल इसी नाम की खाड़ी पर समुद्र से १०० मील की दूरी पर स्थित है और इस देश के केकोआ के बगीचों का मुख्य केन्द्र है। भूचाल और गर्मी के कारण घर बाँस के बने हैं और ऊपर से मिट्टी से लिपे हैं। यहीं दुनिया का अधिकतर केकोआ और चोकोलेट तैयार होता है।

शराब और चोकोलेट के भी कारखाने हैं। तट से ७०० मील पश्चिम **गेलापेगोस** ( कच्छपद्वीप ) नामी ज्वालामुखी द्वीप-समूह पर इक्वेडार का ही अधिकार है।

**पेरू**—( ७ लाख वर्गमील, जन-संख्या ४६ लाख ) बीस से ८० मील चौड़ा पेरू का समुद्र-तट रेतीला है। इसमें छोटी छोटी नदियाँ

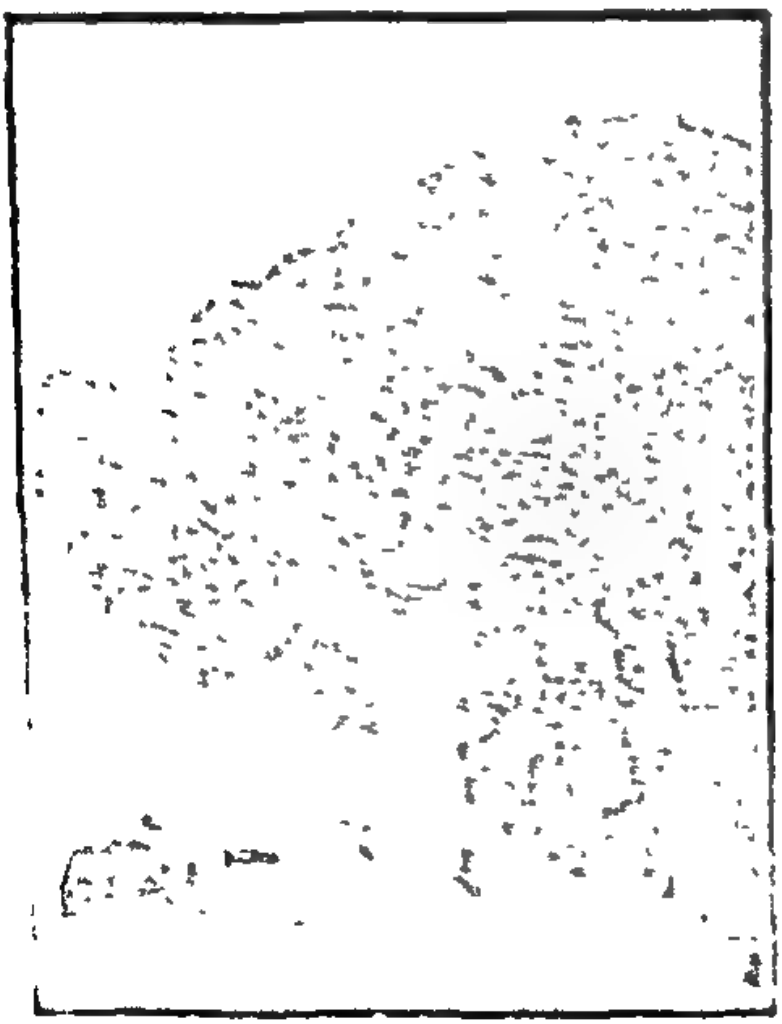

मील से आने के बदले पहले **कैलाओ** से पनामा (१२७०), वहाँ से न्यूयार्क (२,०३० मील) समुद्र द्वारा पार (२,००० मील) और फिर एनेज़ान के ऊपर इक्वीटास (२,३००) के ७,००० मील से ऊपर का चक्कर काटा जाता है। भीतरी भागों में इस देश की पुरानी चाल की सड़कों का कहीं पगडण्डियों का अनुसरण होता है। पुरानी राजधानी **कुज़को** थी। पर वह स्पेनवालों के लिए समुद्र से बहुत दूर थी। इसलिए इन्होंने नई राजधानी **लीमा** में बनाई, जो [illegible] मुख्य बन्दरगाह **कैलाओ** से थोड़ी ही मील दूर [illegible]

## बोलिविया

[illegible] मान्टाना

[illegible]

[illegible] इसके [illegible] है। [illegible] झील में टिटीकाका का पानी खारे पर भी यह बहुत कम है और [illegible] का [illegible] बना रही है। इस प्रकार का जीवन [illegible] के जीवन से भिन्न नहीं है, [illegible] इतना ही [illegible] है, पर भूमध्य रेखा से दूर है [illegible] का बहुत ही थोड़ा भाग खेती के योग्य है इसलिए [illegible] भी कम ही है। टिटीकाका के पास बसे हुए [illegible] का एकमात्र [illegible] है। [illegible]

[illegible]

देश २,८०० मील लम्बा है, पर इतना सकरा (लगभग १०० मील) है कि समुद्र से बहुत दूर जाना असम्भव है।

इस देश के तीन प्राकृतिक विभाग हैं। (१) उत्तरी भाग पूर्वी हवाओं के मार्ग पर पहाड़ के पीछे स्थित है—यह रेगिस्तान है। यहाँ मूल्यवान् शोरा की खानें हैं, जो खाद के काम आता है। सबसे अच्छा शोरा समुद्र से कुछ दूरी पर तट-मैदान के बाहर ३,००० फुट की ऊँचाई पर मिलता है। [illegible] द्वारा और पानी एन्डीज की धाराओं [illegible] द्वारा [illegible] जाता है। इक्वीक एन्टफगस्टा और [illegible] है [illegible] है [illegible] है। [illegible]

करीब आस्ट्रेलिया के दक्षिणी हिस्से को छोड़ कर सभी मुल्कों तथा विशेष करके अमरीका में पाये जाते हैं। कहीं से भी पूरे ढंग के निवासी पौधों को ढूंढ़ते हैं।

**कैक्टसाई**—कैक्टस पौधे (कैक्टाई) के सिवा और दूसरा नहीं है। काँटों जैसा होने से यह पौधा बहुत ही आश्चर्यकर है। यह न तो कैक्टियों के समान मांसल, न यूफोर्बियों के समान दूधी है, पर सिनाक्रोनिया पुष्पित का इनमें बड़ा अलग अंगवार है। इनके हजारों जन्तुवंश में १,८०० भेद हैं। इनकिरुत को गन्धों बड़ी आती है और बीजकोष में गाढ़ा भी बहुत आता है। कहीं के कैक्टसों को कभी में बहुत से अधिक काटे पानी की आवश्यकता पड़ जाती है।

**आइजोएसी, नाग्रेसी**—जन्तु से आइजोएसी का इन्द्र बड़ा अंगवार है। ऐसे तो सारे ही पहाड़ियों पर बना था। पर आस्ट्रेलिया ०२ पर बना है। कुछ तो ऐसी बातें हैं कि पुष्प में कुछ नये बन जाने के सिवा और ही उपकरण होती हैं। बन्दरगाह बीज के बाद के आकार का है और उसके ओर आता है। कुछ-कोशिम में सुन्दर है। कभी कभी इनकी पत्तियाँ इतनी नेड़ होती हैं कि जड़ों को नष्ट काटकर सूखे स्थलों में जाने से आराम मिलता है। बन्दरगाह में नव नग्न की बातें हैं। आस्ट्रेलिया को मूल पुष्प बाह्यआला को भी है, जिनके पत्तियों वाले के समान है, वह ट्रांसकान्टीनेन्टल देशों का अन्तिम अंग है।

**मिमोसी** पुष्प वर्ग के आइजोएसी पौधों में सबसे बड़ा है। यों ३०० भेद तक मिलते हैं यों के देश पृथिवी नहीं को मार कर रेत बनते हैं। **टेरानेटेन्थेरा** और प्रधान नहीं के बीच बोलिवल-बगीचों बड़े ही सुन्दर हैं। मूलनिवासी मध्यदिवस होते प्रायः नहीं दिखते हैं। टोपेज स्थलों का बनाने नाम बराबर है और आता होने से पुष्पों के लिए अनिवार्य है, इस काम अच्छे लगते हैं।

[illegible] इसलिए [illegible] (कीड़ों का रोग) [illegible] इसलिए [illegible] है।

सर्लेन्टायना— [illegible] [illegible] है। [illegible]

[illegible]

**रोज़ेरिओ** शहर पराना में गिरनेवाली **परना** नदी पर स्थित है। नदी का निचला भाग चौड़ा और गहरा होने से जहाज़ रोज़ेरिओ तक आ सकते हैं। यहाँ पर्वतीय प्रदेश से आनेवाले गेहूँ के लिए बड़े बड़े गोदाम हैं। नई चौड़ी सड़कों पर बिजली की रोशनी है, पर शहर पुराने ढंग से बसा है।

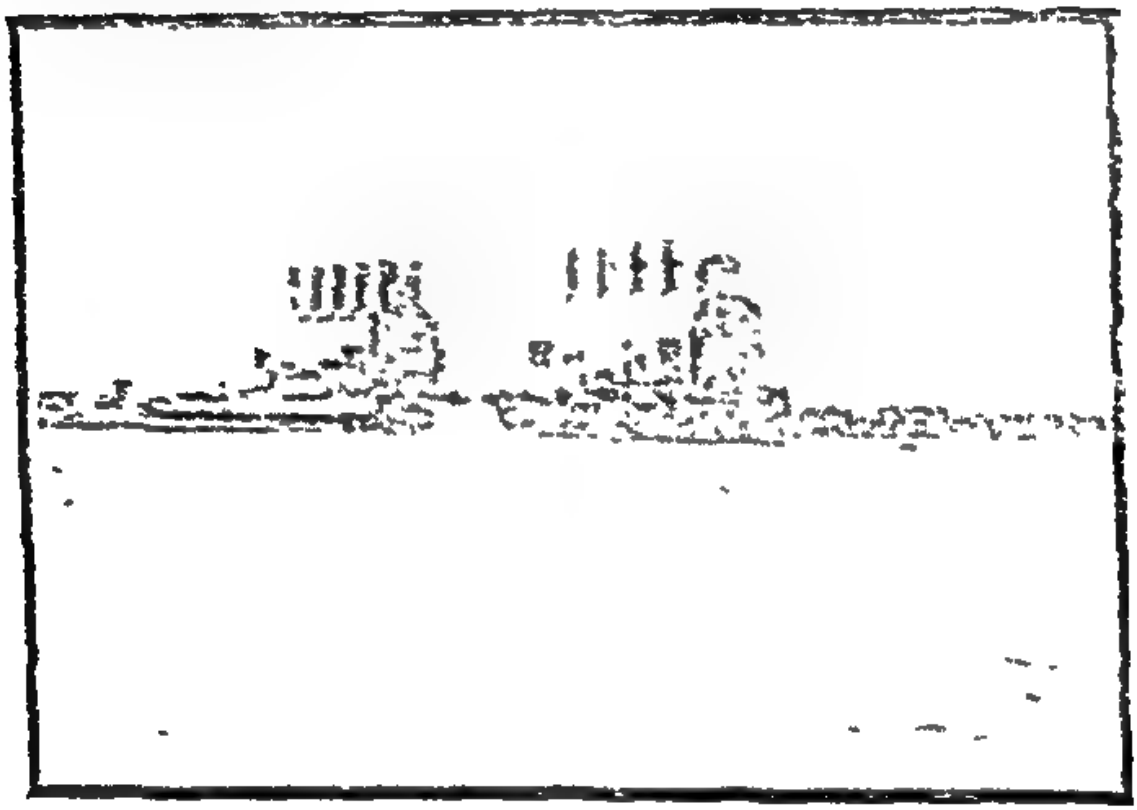

[illegible]

**यूरुग्वे** — [illegible]

के बराबर है। इसके ¾ भाग में एमेज़ान के निचले प्रदेश हैं। पूर्व में प्रायः दो-तीन हज़ार फ़ुट ऊँचा पठार है।

पठार की सबसे लम्बी नदी **साओफ्रांसिस्को** है, जो पहले उत्तर को बहती है, फिर पूर्व को मुड़ती है और बहुतसी नदियाँ प्लेट या एमेज़ान में गिरती हैं। तट और गोयाज़, मिनासजेरास आदि पठार के स्वास्थ्यकर भाग बहुत घने बसे हैं।

भूमध्य-रेखा के कटिबन्ध में ब्रेज़िल सबसे अधिक चौड़ा है। यहीं कांगों के समान उष्णार्द्र प्रदेश में एमेज़ान का बेसिन है। जल-वायु सब कहीं उष्ण है, पर पठार पर ऊँचाई के कारण कुछ कुछ ठंडक है। ट्रेड हवाओं की पेटी में वर्षा की मात्रा ऊँचाई पर निर्भर है। वर्षावाले ढाल सघन वन से ढके हैं, पर कम वर्षावाले भाग खुले हुए मैदान ( केरपास ) या सवन्ना है।

**एमेज़ान** ( ३,५०० मील ) दुनिया की सबसे लम्बी नदी नहीं है, पर इसमें सबसे अधिक पानी है और इसका बेसिन भी सबसे अधिक बड़ा (कनाडा के बराबर) है। प्रधान धारा पेरू के उच्च एडीज़ से समुद्र-तल से साढ़े बारह हज़ार फ़ुट की ऊँचाई पर एक पहाड़ी झील से (प्रशान्तमहासागर से ९० मील की दूरी से) निकलती है और महाद्वीप के सबसे चौड़े भाग में पूर्व की ओर बहती है। इसकी अनेक सहायक नदियों में कम से कम ३० बड़ी नदियों में गिनी जाने योग्य हैं। ये जहाज़ चलने योग्य हैं। सघन वन में जो कुछ (जल) मार्ग हैं वे इन्हीं नदियों के हैं। मेडीरा के संगम के बाद एमेज़ान की चौड़ाई प्रायः सात मील से अधिक ही है। अन्तिम ढाई सौ मील में तो कम से कम चौड़ाई ५० मील है। मुहाने पर जहां रेतीला **मराजो** द्वीप स्थित है, नदी की चौड़ाई २५० मील तक है। यह नदी इतना जल समुद्र में गिराती है कि कई सौ मील तक इसका हरा और मीठा जल समुद्र के जल से बिलकुल अलग दिखाई देता है।

एमेज़ान अथवा मेरेनान के समान हुआलागा और दूसरी नदियाँ

है। रबड़ कई तरह के पेड़ों से मिलती है, और जङ्गल के इन्डियन लोगों-द्वारा इकट्ठा की जाती है। फिर यह नदी के बन्दरगाहों को भेज दी जाती है। नदी के बन्दरगाहों में सबसे बड़ा **मनाओस** (२०,०००) है, जो रिओनीग्रो के संगम पर

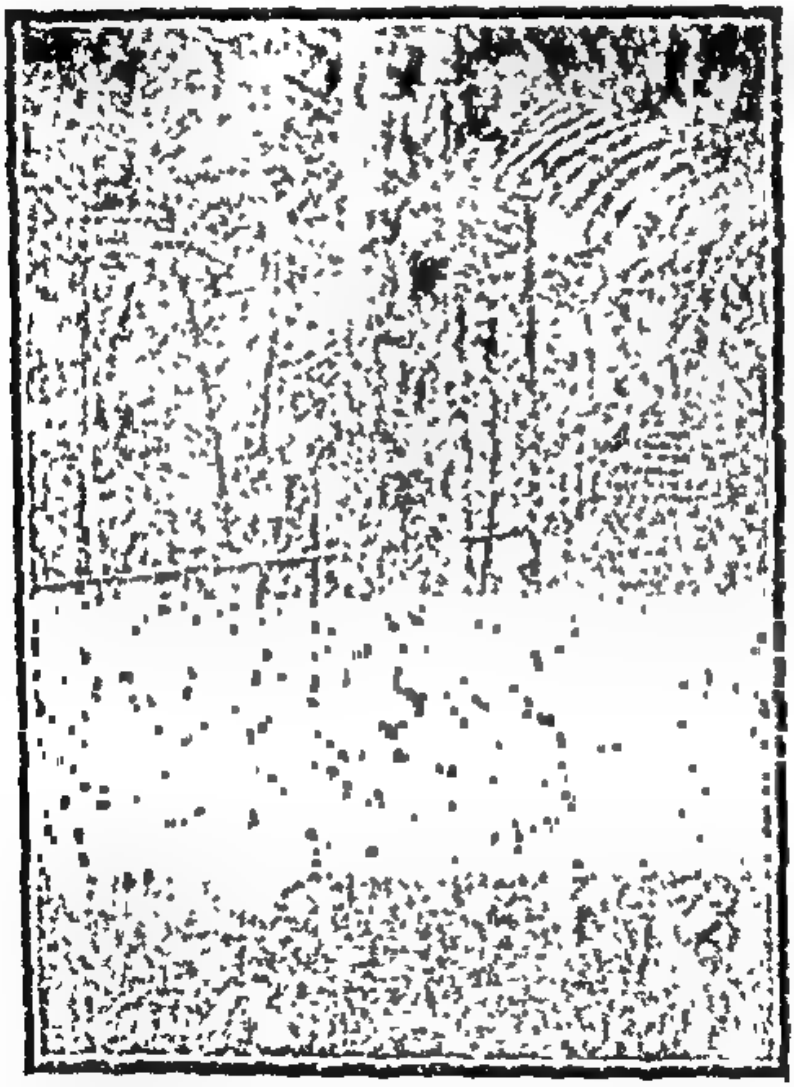

एमेज़ान-वन में रबड़ इकट्ठी की जा रही है।

बसा है। और भागों में वन सभ्य-संसार के काम का जान नहीं पड़ता, केवल कुछ हज़ार असभ्य इन्डियन लोग यहाँ रहते हैं जो तीर-कमान से मछली मारते हैं, कछुये और उनके अंडे इकट्ठा करते हैं, और खोद कर बनाई हुई नाव को धाराओं में चलाते हैं। जब कभी

# चतुर्थ भाग

# अफ्रीका

## प्रथम अध्याय

**स्थिति और विस्तार**—अफ्रीका पुरानी दुनिया का विशाल तथा दक्षिणी प्रायद्वीप है। एशिया को छोड़कर और महाद्वीपों में यह सबसे बड़ा है। क्योंकि यह महाद्वीप ३७ उत्तरी अक्षांश से ३४ दक्षिणी अक्षांश तक फैला हुआ है इसलिए भू-मध्यरेखा प्रायः इसके बीच में होकर जाती है। पर इसकी बनावट ऐसी है कि जिसमें अधिकतर थल भू-मध्य-रेखा के उत्तर में ही है। यूरेशिया के थलसमूह से यह चार स्थानों में मिला हुआ सा है। (१) उत्तरी अफ्रीका और स्पेन के बीच **जिबराल्टर** प्रणाली उथली और केवल ९ मील चौड़ी है (२) सिसली और उत्तरी अफ्रीका के बीच चौड़ी **सिसली** प्रणाली है। (३) साइनाई प्रायद्वीप के पास **स्वेज़** स्थलयोजक (८० मील) है और (४) **बाबुल मन्दब** की प्रणाली जो १४ मील चौड़ी है और पूर्वी अफ्रीका और अरब के बीच स्थित है। स्वेज़-नहर ने योरप और भारत तथा अन्य पूर्वी स्थानों के बीच ढाई हज़ार मील की दूरी कम कर दी है, साथ ही अफ्रीका को एक द्वीप भी बना दिया है। प्राकृतिक बनावट के अनुसार स्पेन और अरब अफ्रीका के ही अङ्ग हैं। इसी से तो कहा जाता है कि अफ्रीका का आरम्भ वास्तव में पिरेनीज़ पर्वत से होता है और तंग लाल-सागर के दोनों ओर भी एक से ही रेतीले किनारे हैं। इस प्रकार मिले

है। पूर्व की ओर लम्बा और तंग लालसागर है जिसके पूर्व में अरब और पश्चिम में नूबिया के ढालू किनारे हैं। आगे दक्षिण में हिन्द-महासागर है। यहां भी कोई विशेष कटान नहीं है। **मेडागास्कर** ही बड़ा द्वीप है, जिसे ढाई सौ मील चौड़े **मुज़म्बीक़** चैनल ने महाद्वीप से पृथक् कर रक्खा है। उत्तर की ओर **कोमारो** द्वीप-समूह ने अब भी इस द्वीप का महाद्वीप से घनिष्ठ सम्बन्ध कर दिया है। पश्चिम की ओर अटलांटिक सागर का भी यही हाल है। **गिनी** की खाड़ी में **बेनिन** और **बियाफ्रा** के बाइट (खाड़ी) दो ही कटान हैं। ये भी ऐसे सुरक्षित नहीं हैं कि इनमें बन्दरगाह बन सकें।

**भू-मध्यसागर**—अफ्रीका का भू-मध्यसागर तट प्राचीन काल ही में सामनेवाले योरपीय तट से व्यापार के लिए प्रसिद्ध हो चुका था। किसी समय मूर लोगों का स्पेन पर बड़ा प्रभाव था। **कार्थेज** जो अब ट्यूनिस रियासत में है पुरानी दुनिया के महान् शक्तिशाली राज्यों में गिना जाता था। **गेब्ज़** खाड़ी के पूर्व-ओर समुद्र-तट रेगिस्तान से लगा हुआ है, इसलिए सहारा को पार करके नाइजर बेसिन से आनेवाले काफ़िलों के व्यापार के अतिरिक्त यहां और कोई व्यापार नहीं हो सकता। अधिक आगे बढ़ने पर **नील-नदी** का **डेल्टा** है। यहां होकर उपजाऊ मिस्र और सूडान की उपज बाहर जाती है। **सिकन्दरिया** (एलेग्ज़ेंड्रिया) यहां का प्रधान बन्दरगाह है। **स्वेज़** नहर के खुद जाने से भूमध्यसागर के दरवाज़े पर **पोर्ट सईद** बस गया है।

**लालसागर**—लालसागर के उत्तरी सिरे पर **अकाबा** और **स्वेज़** की खाड़ियां हैं। अकाबा की खाड़ी एशिया और अफ्रीका के बीच राजनैतिक सीमा बनाती है। स्वेज़ की खाड़ी अब योजक के बीच में होकर जानेवाली २७ मील लम्बी स्वेज़-नहर द्वारा भूमध्य-सागर से मिला दी गई है। लालसागर के किनारे पर मध्य नील का व्यापारिक

रोक दिया बल्कि भीतरी व्यापार में भी रुकावट डाल दी है (२) अधिकांश अफ्रीका उष्णकटिबन्ध में होने के कारण समुद्रतट रोग का घर और बसने योग्य नहीं है। (३) दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम समुद्रतट की बड़ी बड़ी रुकावटें रेगिस्तान में मिली हैं जहां किसी तरह का व्यापार सम्भव नहीं है। (४) जहां अफ्रीका एशिया से मिलता सा है, वहां किनारे के समुद्र डाकुओं ने व्यापार को कठिन कर दिया है।

**द्वीप**—अफ्रीका के दूसरे महाद्वीपसम्बन्धी द्वीप, बनावट और जलवायु के अनुसार, महाद्वीप के ही अंग हैं। इनमें निम्नलिखित द्वीप सम्मिलित हैं (१) विशाल मेडागास्कर द्वीप को मुज़म्बीक चैनल ने महाद्वीप से अलग कर दिया है पर **कोमोरो द्वीप** समूह ने पुराना सम्बन्ध (बनावट में) अब तक बना रक्खा है (२) **नेकोद्रा द्वीप** इस स्थान का सिलसिला है जिसका अन्त **गार्डाफुई** अन्तरीप में होता है। (३) **फर्नांडोपो, सैंट टामस और प्रिंसेज़ आइलैंड** की आग्नेय बनावट कामरूनवाले केमरून की सी है। अफ्रीका के उत्तर-पश्चिम में दूरी हुई पहाड़ी पर **केनरी और वर्डी** द्वीप हैं। इन और आगे **मेडीरा** द्वीप है। इनमें समुद्र का काफ़ी असर पड़ता है वैसे जल-वायु महाद्वीप के तट की सी है। दक्षिणी अटलांटिक और हिन्द-महासागर के बीच में ऐसे द्वीप स्थित हैं, जिनका महाद्वीप से कोई सम्बन्ध नहीं है। दक्षिणी अटलांटिक महासागर से दक्षिणी अमरीका और अफ्रीका के बीच में दूरी हुई पहाड़ी पर **एसेन्शन और टिस्टनडा कुन्हा** द्वीप स्थित हैं। इनके पूर्व ज्वालामुखी द्वीप **सेन्ट हलीना** है। इन सब पर अंगरेज़ी अधिकार है।

मेडेगास्कर से २०० मील पूर्व हिन्द-महासागर की एक दूरी हुई पहाड़ी पर **मारीशस** स्थित है। इसके किनारे पर मूंगे की दीवार है।

अफ्रीका का प्राकृतिक नक्शा

रूप में अपने आप फूट निकलता है, या बदले कुँओं-द्वारा निकाला जा सकता है।

अफ्रीका की सभी नदियाँ उष्णकटिबन्ध में होकर बहती हैं। इसके शुष्क तथा वर्षा-ऋतु में बड़ा अन्तर रहने से नदियों के जल की मात्रा में भी बड़ा भेद पड़ जाता है। काँगो के जल की मात्रा में बहुत कम अन्तर पड़ता है, क्योंकि यह भू-मध्यरेखा के पास होकर बहती है, जहाँ साल भर वर्षा होती रहती है। भू-मध्य-रेखा और कर्करेखा के बीच में बहनेवाली सहायक नदियाँ उत्तरी गोलार्द्ध की ग्रीष्म में बाढ़ लाती हैं। पर भू-मध्यरेखा और मकर-रेखा के बीच में बहनेवाली सहायक नदियाँ दक्षिणी गोलार्द्ध की ग्रीष्म (अक्टूबर से मई तक) में सबसे अधिक पानी लाती हैं। अफ्रीका के सुरक्ष प्रदेश की नदियों में वर्षा के पीछे बहुत कम पानी रहता है, बहुत सी तो समुद्र तक पहुँचने ही नहीं पातीं।

---

उत्तर-पश्चिम के एटलसप्रदेश में शीतकाल की वर्षा प्रायः ६० इंच होती है, क्योंकि यह भाग इस समय तूफानी पछुआ हवाओं के मार्ग में आजाता है पर गरमी के दिनों में उसकी पहुँच नहीं होती, इसलिए पानी दस इंच से भी कम बरसता है। दक्षिण-पश्चिम के दूसरी अक्षांशों वाले केप-कलोनी में भी यहाँ के शीतकाल (मई से अक्तूबर तक) में ही अधिक वर्षा होती है। ग्रीष्म-ऋतु प्रायः खुश्क रहती है।

एबिसीनिया के उच्च प्रदेश में गरमी की ऋतु में जब कि स्थल की हवाओं का दबाव कम हो जाता है मानसून-हवाओं द्वारा वर्षा होती है। इसी प्रकार की वर्षा कुछ कुछ पूर्वी पठार पर भी होती है।

सहरा का आनुपातिक तापक्रम ६४ अंश से भी ऊपर होता है, पर कल्हारी का तापक्रम ८८ अंश ही रहता है।

**वनस्पति-भूमध्यरेखा** के उष्णकटिबन्ध में प्रायः सदा पानी बरसता रहता है। गरमी, नमी और उर्वरा भूमि के कारण उष्ण और आर्द्र घने जङ्गल हैं जिनमें सब ऋतुओं में फल-फूल आते रहते हैं यह प्रायः दो मञ्ज़िला होता है। ज़मीन इतनी घनी झाड़ियों से घिरी होती है कि बलवान् हाथियों को भी पददलित मार्गों से ही जाना होता है। नया मार्ग बनाने में वे सर्वथा असमर्थ होते हैं। बड़े बड़े विशाल पेड़ एक दूसरे से हवा और प्रकाश के लिए लड़ते झगड़ते हैं और आसमान से बातें करते हैं। नीचे पत्तियों के कारण दोपहर को भी अँधेरा छाया रहता है। वनस्पति की अधिकता ने मनुष्य और पशु दोनों की जगह भर ली है। बन्दर, रेंगनेवाले जन्तु और कीड़े-मकोड़े यहाँ के एक-मात्र निवासी हैं। आसानी से भोजन मिलने तथा आर्द्र गरमी के कारण यहाँ के लोग भी सुस्त हो गये हैं। ऐसी जल-वायु में मलेरिया खूब होती है। जिसे मच्छड़ और भी फैला देते हैं। रबड़, आबनूस, ताड़ का तेल, महोगनी की जङ्गली लकड़ी, कहवा आदि यहाँ की विशेष पैदावार है,

**सवन्ना**—सघन वन के किनारे घास के विशाल मैदान हैं, जिनके

(देवदार) शीतोष्ण प्रदेश के पर्वतीय प्रदेश में मिलते-जुलते हैं। **शीतकटिबंध** वर्षण के पूर्वी तट पर सदाबहार वनस्पति के वन मिलते हैं।

**कटीले प्रदेश और रेगिस्तान**—सदाबहार, सुगंधीदार, कंटीली तथा झाड़ी वाले वनों के दक्षिण में पतझड़ के कटिबंध आदि हैं। इसी भाग में कंटीले वन और घास भी इसमें मिलता है। **प्रेयरी** के दक्षिणी प्रदेश में लगभग एक सौ इंच वर्षा आदि है, जहाँ घास चरते हैं। सहारा के ऐसे अनेक भागों में वनस्पति का अभाव है। कटहारी में ये भाग बहुत छोटे हैं। बीच बीच में जहाँ पानी जमीन के पास मिलता है, वहाँ खजूर, बबूल, आकड़ और अन्य अनाज, तथा सब्जी आदि पैदा भी होते हैं। इन्हीं हरे भरे मरुद्यानों के कारण रेगिस्तान में यात्रा सम्भव हो जाती है। यहाँ ऊँटों के काफ़िले आकर ठहरते हैं।

**भू-मध्य-सागर के प्रदेश**—इस-दक्षिण में **एटलस** और दक्षिण-दक्षिण में केपटाउन के आस पास सर्दी की ऋतु हल्की और आर्द्र होने से इस ऋतु भर भूमध्यसागर-प्रदेश के पौधे हरे रहते हैं। सूखे पर अत्यन्त गरम ग्रीष्म ऋतु में शीतोष्ण प्रदेश के सभी वन एक आते हैं। पेड़ छोटे होते हैं, इनमें पतझड़ नहीं होता है। बहुत सी झाड़ियाँ सुगन्धित फूलदार होती हैं। एटलस के वृक्ष आर्द्र जाड़े का कार्क, ओक मेंहदी, अंजीर और लौरेल के वृक्ष हैं। सूखे पहाड़ पर झाड़ पेड़ों का अभाव सा है। पर कुछ घास (जिससे कागज़ बनता है) खूब होती है छोटा कटहल और फूलदार झाड़ियाँ भी मिलती हैं। हाल में आस्ट्रेलिया के यूकेलिप्टस पेड़ केप कालोनियों में सफलता-पूर्वक लगाये गये हैं।

**पशु**—अपने अगले में मनुष्य के आकारवाले लंगूर, वनमानुष तथा बन्दर, पर्वत और वाले मिलते हैं। इन बड़े जानवरों में हाथी, दरियाई घोड़ा (जो बड़ी बड़ी नदियों और झीलों के पास रहते हैं),

इस प्रकार सहरा के रहनेवाले अरबी लोग बद्दू हैं। वे खाल के डेरों में रहते हैं। पर खेती करनेवाले घर बनाकर शहर या गाँव में रहते हैं।

योरपीय उपनिवेशों ने खनिज, शिल्प, कृषि और व्यापार में नये ढंग से काम लिया है।

## राजनैतिक विभाग

(१)

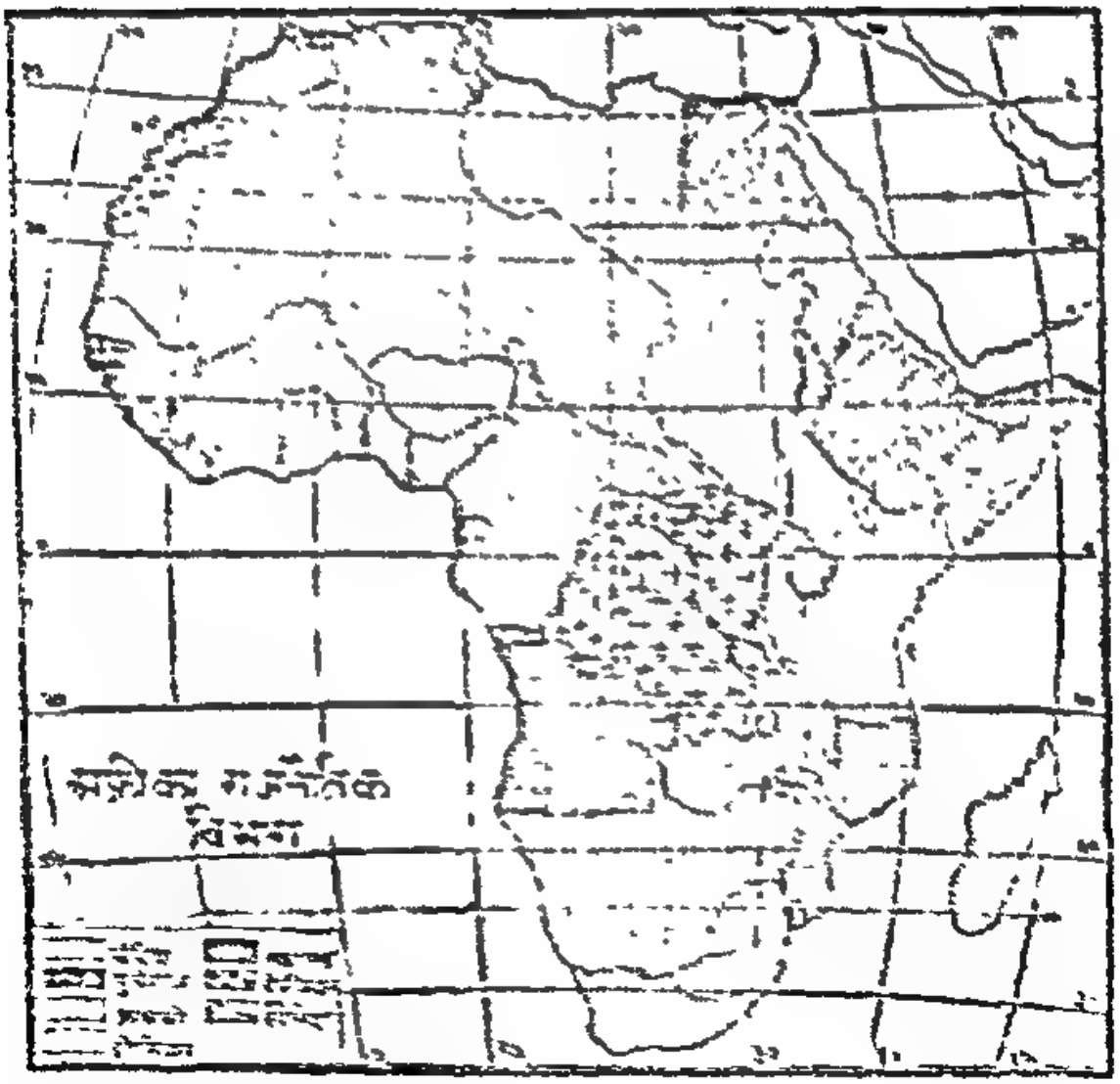


यद्यपि अफ्रीका पुरानी दुनिया का अंग है। तथापि इसके बहुत से भागों में सभ्य लोगों का प्रवेश हाल ही में हुआ है प्राचीन सभ्यता

शताब्दी के आरम्भ में यह भाग ब्रिटिश-शासन में आ गया। यहीं से गोरे लोग दक्षिण की ओर शीतोष्ण घास के प्रदेश में फैल गये। योरपीय लोग, व्यापारी, मिशनरी या शासक हैं। इन्हीं योरपीय लोगों ने प्रायः समस्त महाद्वीप आफ्रिका में इस प्रकार बाँट लिया है:—

| देश | क्षेत्रफल वर्गमीलों में |
|---|---|
| ब्रेटिश्दिन | ४२,६४,००० |
| फ्रांस | ४२,००,००० |
| पुर्तगाल | ७,८८,००० |
| इटली | ६,२०,००० |
| देश | क्षेत्रफल वर्गमीलों में |
| स्पेन | १,४०,००० |
| बेल्जियम | ६,२०,००० |
| लाइबिरिया | ४०,००० |
| एबिसीनिया | ३,२०,००० |

१९१४ ई० में जर्मन-शासित प्रदेश का क्षेत्रफल १०,३०,००० वर्गमील था। ४ लाख वर्गमील पर तुर्की का भी अधिकार था। महायुद्ध में यह सब मित्र दल के हाथ आया।

बन्दर ( जो स्पेन के हाथों में है ) से दिसावर जाता है। मोटर चलने योग्य सड़कें भी बन गई हैं। और छोटी छोटी पहाड़ी रेलवे लाइनें समुद्र-तट के नगरों से भीतरी नगरों को गई हैं। कच्चे माल से तरह तरह की चीज़ें बनाने के लिए मिलें खुल गई हैं, बिजली से भी काम लिया जाता है। फ़्रांसीसी मरक्को में **कासाब्लांका** बन्दरगाह को बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेल-द्वारा यह उत्तर-पश्चिम में **फ़ेज़** से मिला दिया गया है। **टेटुआन** बन्दरगाह भूमध्यसागर में गिरनेवाली नदी पर स्थित है, पर यहाँ के रेत को साफ़ करने की ज़रूरत पड़ती रहती है। अधिकतर बाहरी व्यापार फ़्रांस और ग्रेट-ब्रिटेन से होता है, जिब्राल्टर के सामने **स्यूटा** और पश्चिम की ओर **टैंजीर** उत्तम बन्दरगाह हैं। अंडे, गेहूँ, अन्य अनाज, बादाम, ऊन, तिल तथा दूसरे कृषि-पदार्थ दिसावर जाते हैं। देशी कारीगरी की चीज़ों में फ़ेज़-टोपी और चमड़ा अफ़्रीका के भिन्न भिन्न भागों में भेजा जाता है। मरुद्वीपों ( ओसिसों ) में दिसावर भेजने के लिए छुहारे लगाये गये हैं।

**अल्जीरिया**—यह देश (२½ वर्गमील, जन-संख्या ५८ लाख) सन् १८३० ई० से फ़्रांस की संरक्षकता में है। तब से अब तक फ़्रांस ने बहुत सा धन लगा कर यहाँ हज़ारों मील सुन्दर सड़कें और २,२०० मील रेलवे तैयार कर दी है। बहुत से बन्दरगाह भी बन गये हैं। जलाशय और आर्टिज़िअन कुँओं के खुद जाने से बहुतसी नई ज़मीन खेती के योग्य बन गई है। अधिकतर जन-संख्या प्रायः समुद्र-तट के नगरों में बसी हुई है। कबलई, अरब और यहूदियों आदि की संख्या सारी जन-संख्या की $\frac{1}{6}$ है। शेष आबादी फ़्रांसीसी, इटेलियन, स्पेनिश, और माल्टावालों की है। अल्जियर्स एक समुद्र-खाड़ी के सिरे पर बसा हुआ सबसे बड़ा नगर है। इसके पीछे का प्रदेश सम्पन्न होने के कारण यही राजधानी भी बन गया।

**ट्रिपली**—(४ लाख वर्गमील, जनसंख्या १० लाख) ट्यूनिस और त्रिपली के बीच में प्रायः चार लाख वर्गमील प्रदेश ट्रिपली नाम से प्रसिद्ध है। अधिकतर यह रेगिस्तान है। पहले यहाँ तुर्की शासन था, पर १९१२ से यहाँ इटली का राज्य होगया। इस इटेलियन त्रिपदिया में पश्चिम की ओर **फेज़ान** और दक्षिण की ओर **बर्का** का प्रदेश शामिल है। सिंचाई होने पर इसका बहुत सा भाग अन्नागार बनाया जा सकता है जैसा कि रोमन-काल में था। इसके भीतरी भागों में पानी नहीं बरसता, पर तट पर ७ से बीस इंच तक पानी बरस जाता है। मरुद्यानों में सुहारा विशेष होता है। तट के निकट ऊँची भूमि पर भूमध्य-सागर के फल हैं। अलसी या स्पार्टो घास भी उगती है। शुतुर्मुर्ग पालने की भी योजनाएँ हो रही हैं। सुहारा, कुछ घोड़े, ऊन, शुतुर्मुर्ग के पर, स्पार्टो घास (जिससे काग़ज़ बनता है) और बकरे की खाल त्रिपली निवासी की चीज़ें हैं। यहाँ सहारा रेगिस्तान अत्यन्त सकरा है। ट्रिपली शहर सहारा का निकटतम बन्दर है, अतएव यहाँ काफ़िलों के मार्ग मिलते हैं। इस कारण सूडान के हाथीदांत, खाल और शुतुर्मुर्ग के पर, रेगिस्तान का **सोडा** और नमक खात कोमिस के सोने की धूल ट्रिपली बन्दरगाह से ही बाहर जाती है। इस व्यापार ही से **ट्रिपली** शहर की नींव पड़ी। इस देश के छाः सौ मील लम्बे तट में ट्रिपली ही कुछ कुछ अच्छा बन्दरगाह है। यद्यपि यह छोटी छोटी पहाड़ियों से सुरक्षित है, तो भी उत्तरी वा परिवर्त्तनी वायुओं के कारण इसके उथले जल में छोटे छोटे ही जहाज़ों की पहुँच है। यह शहर माल्टा द्वीप के ठीक सामने है और इससे समुद्री तार द्वारा जुड़ा हुआ है। बर्का-प्रदेश का मुख्य बन्दरगाह **बर्गाज़ी** है। यह भी उथला तथा वायुओं से पीड़ित है। व्यापार प्रायः माल्टा ही से होता है। **फेज़ान** कोमिस में कई छोटे छोटे गांव हैं पर उनमें मध्यवर्ती सबसे बड़ा नगर मुर्ज़ुक ही है। सूडान और ट्रिपली के व्यापार-मार्ग में स्थित होने के कारण इसकी बढ़ती हुई है

बन्दूक, सिगरट दाढ़ी नींद सब कहीं रेत ही रेत भर जाता है। अफ्रीका के लाल रेत-मिली हुई वर्षा इटली में "खूनी वर्षा" कहलाती है। कभी कभी तो अफ्रीका का रेत अल्प्स को पार करके जर्मनी में खूनी वर्षा कर देता है। रेत की अन्धकार-मय आंधी यात्री का दम घोटने में बड़ी भयानक होती है। आंधी के आने पीठ करके और चेहरे को ढक कर ही ऊंट को निकाल दिया जाता है। बरसों पानी नहीं बरसता और जब बरसता है तब लगातार मूसलाधार कई दिन गिरता है।

वनस्पति दो तरह की होती हैं। रेगिस्तान में घुमनेवाले रामवांस, कटीले पौधे और खुरदरी घास मिलती है। इनकी मोटी और छोटी पत्तियों से बहुत कम नमी बाहर जाती है। कुछ पौधे थैलीदार जड़ों में पानी रखते हैं। सोसिस में तो गन्ना, धान, गेहूँ, जौ, बाजरा, जुआरा, गोभी, मूली, प्याज़, लौकी, ककड़ी, मटर, खरबूज़ा, अनार, अंगूर, नारंगी और नींबू आदि का उगाना भी सम्भव है। रेगिस्तान की भूमि बड़ी उर्वरा होती है, पानी मिलते ही बगीचा बन जाती है।

पशु भी रंग रहित और छिप जानेवाले अधिक हैं। कुमरी, सोनहरी चिरकली, कौए, गिद्ध, रेगिस्तान में भी मिलते हैं, ओसिस में तरह तरह के पक्षी, बाज़ और शुतुर्मुर्ग हैं; शरमीले बन्दर सघन घाटी में तथा सिंह पहाड़ी गुफाओं में मिलते हैं। विषरहित सांपों के अतिरिक्त यात्री के लिए यहां के सींगदार ज़हरीले कीड़े बड़े भयानक होते हैं जिनके डंक मारते ही मनुष्य व्याकुल होकर एक घंटे में मर जाता है। प्रायः प्रत्येक पत्थर के नीचे कोई न कोई कीड़ा-मकोड़ा मिलता है जो बड़ी तेज़ी से भाग जाता है, पर फँस जाने से काट खाता है। अरबी लोग ऐसे कीड़ों को आपस में लड़ाने में बड़ा आनन्द लेते हैं। बिच्छू को वे आग के कई वृत्तों में बन्द करते हैं, जिससे वह इतना तड़पता है कि अपने को काट काट कर मर जाता है। मधुमक्खी के समान कुछ चिपकलियां और चींटियां बिल में रहती हैं। झीलों में असली मछली और दलदलों में मेंढक मिलते हैं। बहुतों में सफ़ेद घोंघे मिलते हैं

उसे अपना सामान कम करने की पड़ी रहती है, इसलिए वह थोड़े ही से सन्तोष कर लेता है। तम्बू के लिए चटाइयाँ बकरी और ऊँट के बाल की बनी हुई रस्सियाँ; मक्खन, दूध और पानी रखने के लिए मिट्टी के बरतन, मशक और भेड़ की खाल के कपड़े ही अरबी की प्रधान आवश्यकतायें हैं।

ओसिस का जीवन इससे बिलकुल भिन्न है। बहुत कुछ ओसिस के विस्तार और उपजाऊपन पर निर्भर है। सबसे बड़ा एक ओसिस सहरा के अल्जीरिया प्रदेश में **तेफिलत** नाम से प्रसिद्ध है। विस्तार में ४० या पचास मील उत्तर-दक्षिण को और १० मील पूर्व से पश्चिम को है। कुल साढ़े चार सौ वर्गमील का प्रदेश छुहारे का ऐसा सघन वन है कि १०० गज़ से अधिक दूरी की कोई चीज़ दिखाई नहीं देती। छुहारे सुखाने और बाज़ार लगाने के लिए खुले स्थान भी हैं। शत्रु की फ़ौजों की रक्षा के लिए गांवों में चाहार-दीवारी होती है। इस चाहार-दीवारी के आगे खुली जगह होती है। भिन्न भिन्न फिरक़ों में युद्ध होना एक साधारण सी बात है। छुहारे के सिवा फल, चावल और अन्न की खेती होती है। जानवरों की भरमार है, ऊँट गधे, ढोर, खच्चर और घोड़े अपनी सुन्दर टाँगों और छोटे छोटे खुरों के लिए विख्यात हैं। भेड़ों से लम्बी लम्बी ऊन और स्वादिष्ट मांस मिलता है। ओसिस का अरबी किसान और चरवाहा दोनों ही होता है।

कुछ छोटे छोटे और काम भी हैं जैसे छुहारों को सुखाना, बकरी की खाल से मरक्को चमड़े का कमाना, इस चमड़े से रेशम की किनारीदार ज़ीन और थैले बनाना, कपड़े, ऊनी कम्बल, कालीन बुनना तथा छुहारे की पत्तियों से चटाई व टोकरी तैयार करना आदि। बचा-बचाया सामान, कपड़ा, मसाला, टीन के बरतन, रेशम और चाय के बदले में दे दिया जाता है। यह व्यापार बहुधा घुमक्कड़ बद्दू के हाथ में होता है। रेगिस्तान में उन्हें घूमने का स्वभाव पड़ गया है और वे सब मार्गों से परिचित हैं। इसका फल यह हुआ है कि घूमनेवाले बद्दू अरब का ओसिस

तथा शीतकाल और ग्रीष्म के ताप-क्रम में भारी अन्तर रहता है। बाढ़ की ऋतु में मकई, बाजरा, सन और धान उगाये जाते हैं। बाढ़ के बाद तर ज़मीन में गेहूँ, जौ, चारा, प्याज़, तरकारी और दाल आदि शीतकाल की मुख्य फसलें होती हैं। ग्रीष्म काल के आने तक नील नदी अत्यन्त सिकुड़ जाती है। पर लोअर मिस्र में सिंचाई की नहरें खुल जाने से कपास, ईख, फल और शाक आदि की फ़सलें उगाई जाती हैं। जिन इञ्जीनियरों ने पंजाब की वेगवती नदियों से नहर निकालने में अनुभव प्राप्त किया था, उनके लिए अस्वान, एस्विट और डेल्टा की मन्द धारा में सिंचन-कार्य तैयार करना खेल सा जान पड़ता था।

तेल पेरने, आटा पीसने, शक्कर बनाने, साबुन, शराब और चमड़ा तैयार करने का काम बड़े बड़े कारखानों में होता है। सुन्दर रेशम,

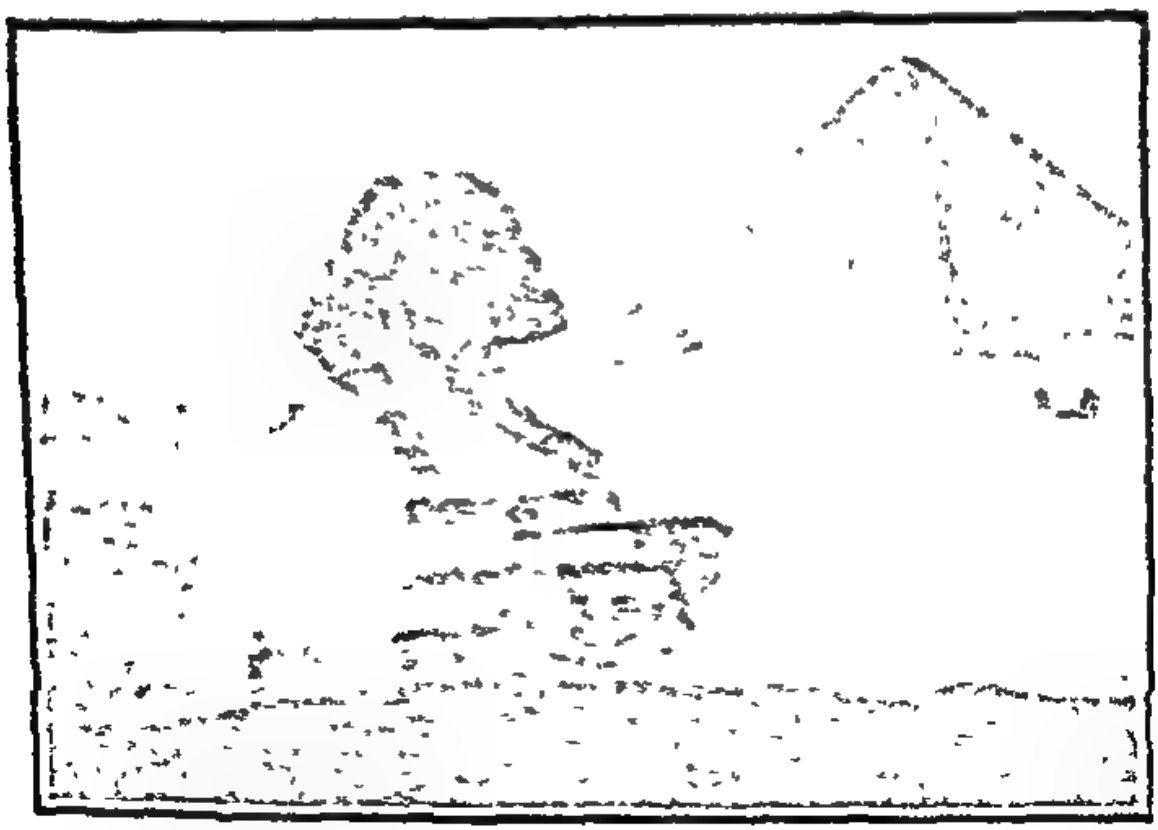

यह [illegible]

[illegible]

खिचड़ी है। डेल्टा के पूर्व में **पोर्ट सईद** एक कृत्रिम बन्दरगाह है। **स्वेज़** नहर के खुल जाने से यह नगर बहुत बढ़ गया है। **थीबीज़** शहर (लुक्सर) पुरानी राजधानी है। डेल्टा से अस्वान तक नाव और रेल दोनों ही से यात्रा हो सकती है। अस्वान के नीचे प्रथम प्रपात जल-मार्ग में बाधा डाल देता है। पर इस प्रपात के बाद **वादी-हाफा** तक जल-यात्रा सुगम है।

**निलीसूडान** (१० लाख वर्गमील, जन-संख्या २४ लाख) दक्षिण में अधिक सजल है। यहस्ल-गज़ल प्रदेश में वन हैं। यहां हाथीदांत, रबड़, कपास, मकई, छुहारे आदि मुख्य उपज हैं। गेहूँ और तम्बाकू ऊँचे भागों की पैदावार है। यहां की जन-संख्या घुमंतकर है। उत्तर में अरबीरधिर अधिक है। दक्षिण में हबशियों की अधिकता है। इस देश की राजधानी **खार्टूम** नगर हमारे प्रयाग के समान है और ब्लू तथा श्वेत नील के संगम पर बसा है। यह कई मार्गों का केन्द्र है। नदी के दूसरी ओर **ओम्डरमन** है। खार्टूम नगर रेल-द्वारा **बर्बर** से जुड़ा हुआ है। बर्बर से एक लाइन **पोर्टसूडान** और **सुआकिन** को गई है। रेगिस्तान में होकर एक लाइन **वादी-हाफा** को जाती है।

---

हैं। **किलीमांजारो** अफ्रीका की सर्वोच्च (१९,३२० फुट) चोटी है। एडवर्ड और एलबर्ट झीलों के बीच हिमाच्छादित **रूवनज़ोरी** की सुन्दर चोटी अक्सर कुहरे से ढकी रहती है। इसी से एक बार प्रसिद्ध अन्वेषक स्टैनली यहां से कुछ ही मील की दूरी पर पहुँच जाने पर भी चोटी को न देख सके। इस पठार का उत्तरी भाग दक्षिण की ओर टैंगनाइका प्रदेश में है। यही पहले पूर्वी जर्मन अफ्रीका था। दक्षिणी पठार के दक्षिणी भाग में उत्तरी रोडेशिया, न्यासालैंड (ब्रिटिश) और पुर्तगीज़ पूर्व अफ्रीका या मुज़म्बीक शामिल हैं।

यहां ४० से ६० इंच तक वर्षा होती है और गरमी और सरदी के तापक्रम में कम अन्तर पड़ता है।

**कीनिया-कलोनी और यूगांडा**—( ३,४६,००० वर्गमील, जन-संख्या ६० लाख )। विक्टोरिया झील को विषुवत-रेखा काटती है। कीनिया और यूगांडा बिलकुल उष्ण-प्रदेश में स्थित है। समुद्र-तट का मैदान भिन्न भिन्न भागों में भिन्न भिन्न चौड़ाई का है, यह उष्णार्द्र, अस्वास्थ्यकर और सघन वन से ढका है। भीतर की ओर भूमि क्रमशः ऊँची हो गई है। पहली सीढ़ी ( ८०० फुट ) के बाद लगभग ४० मील चौड़ा, खुश्क, कटीली झाड़ीदार मैदान है। इसमें ऊँचे पठार में अधिक वर्षा होती है और देश मसाईलैंड में चढ़ाई मैदान के उपजाऊ सवन्ना ( घास पेड़युक्त ) मैदान में बदल जाता है। यहां सिंह आदि अनेक शिकारी जानवरों का घर है। भूमि और भी ऊँची होती है। यहां की शीतोष्ण जलवायु गोरे उपनिवेशकों को भी अनुकूल पड़ती है। माउन्ट कीनिया के दक्षिण और किलीमांजारो से १०० मील उत्तर कहवा के मैदान में **नैरोबी** शहर स्थित है, जो इस देश की राजधानी है।

**किकुय** पहाड़ (७,००० फुट) पूर्वी रेफ्ट घाटी की ओर एक-दम नीचा हो जाता है। सामने इससे भी अधिक

और नारियल के खोपड़े से तेल निकाल कर साबुन, मोमबत्ती, चिकनाई आदि बनाते हैं। कटीली झाड़ी के प्रदेश में सन आदि रेशेदार पौधे उगते हैं, जिनसे मूल-निवासी रस्सी और कमान की डोरी बनाते हैं। अधिक ऊँचाई पर अन्न, कपास, कहवा, चाय आदि कई फ़सलें मूल-निवासियों के परिश्रम से गोरों की देख-भाल में उगाई जाती हैं। यूगांडा में भी ये ही फ़सलें उगती हैं। केला यहाँ का मुख्य भोजन है। यूगांडा का अधिकतर भाग [illegible] पर [illegible] भाग पाँच पाँच गज ऊँची [illegible]

[illegible]

यूगांडा [illegible]

[illegible] मोम्बासा [illegible]

किसुमू [illegible]

ऊँचे पठार भाग में एक हजार फुट तक है। सबसे ऊँची चोटी १०,००० फुट है। यह पठार मुज़म्बीक के तट के मैदान की ओर, ज़ेम्बिज़ी घाटी की ओर झीलों की ओर, तथा पार करनेवाली नदियों की ओर, नीचे होगये हैं। ६५० मील लम्बी शायर झील का पानी शायर नदी ज़ेम्बिज़ी में से जाती है। पठार की ऊँची सीढ़ियों से उतरने पर यहाँ प्रपात होगये हैं। अधिक परिश्रम की ओर ओकांगो की पैदी, गहरी, दलदली, मगरमच्छादित और कम्बलाच्छादित, रोगप्रद घाटी है। यह दक्षिण में ज़ेम्बिज़ी से मिलती है।

**मुज़म्बीक** मेडेगास्कर की आड़ में स्थित है। इससे यहाँ इतनी वर्षा नहीं होती जितनी कि ज़ोम्बा में होती है। इसी प्रकार समुद्र तट पर भी कम वर्षा होती है। उष्णकटिबन्ध में होते हुए भी इस पठार की जलवायु ऊँचाई के कारण समशीतोष्ण हो जाती है। वर्षा में दलदल और कीचड़ होने से मार्ग भी दुर्गम हो जाते हैं। वर्षा के बाद बुखार फैलता है। फिर लम्बी शुष्क ऋतु होती है। प्रकृति-दत्त सम्पत्ति बहुत है।

घाटी में रबड़ आदि इस कटिबन्ध की चीज़ों की अधिकता है। पर यहाँ गोरे लोग रहना पसन्द नहीं करते हैं। बहुत सा प्रदेश खुला हुआ घास का मैदान है, जिसमें कहीं कहीं पेड़ों का झिड़काव है। शिकार के जानवरों के बड़े बड़े झुंड हैं। जहाँ **सेट्सी** मक्खी का अभाव है, वहाँ ढोर भी बहुत हैं। काली काली उपजाऊ मिट्टी के भी बहुत से विशाल भाग हैं। यहाँ कपास खूब पैदा हो सकती है। **शायर-पठार** में कहवा, चाय और कोकीन खूब उपजते हैं। यह पठार सोना, चाँदी, ताँबा, सीसा, लोहा, कोयला आदि खनिज पदार्थों से भरपूर है। केपटाउन से आनेवाली रेलवे पर स्थित **ब्रोकिन-हिल** की खानें बड़ी उपयोगी हैं। लोहे का काम तो मूल-निवासी बहुत दिनों से करते आ रहे हैं।

एक सँकरी चौड़ी शिला पर आ पड़ती है। साढ़े तीन सौ फुट नीचे एक तंग कन्दरा में गिरने पर पानी चक्कर खाने और उबलने लगता है। इस पानी का गरजना मीलों तक सुनाई देता है। पानी के छींटों से छोटा सा इन्द्रधनुष बन जाता है। विक्टोरिया-प्रपात के नीचे नदी की घाटी तङ्ग हो जाती है। केपटाउन से आनेवाली रेल्वे इसी तङ्ग जगह पर नदी को पार करती है [illegible] नदी फिर कहीं तङ्ग [illegible] [illegible] [illegible]

नगर और मार्ग [illegible]

[illegible]

ब्लैन्टायर [illegible]

[illegible]

मुजम्बीक या पुर्तगाली [illegible] अफ्रीका [illegible]

[illegible]

के नील का रँगा हुआ होता है। **फानो** का कपड़ा फूलेरजेंड़िया से लेकर लागोस तक प्रत्येक गाँव में मोल लिया जा सकता है; उत्तरी अफ्रीका के लाखों लोग इसे पहनते हैं। **'कोला'** फल टोकरियों में भरे हुए और पत्तों से ढके हुए तट से आते हैं। आने-जाने का खर्चा इतना बढ़ जाता है कि जो फल तट में पाच कौड़ी को मिलता है वही **फानो** में २० या कभी कभी २५० को मिलता है। **चाड** झील तक पहुँचते पहुँचते इनके दाम और भी बढ़ जाते हैं। ये फल बड़े ही स्वादिष्ट और पुष्टिकर होते हैं। थोड़ा खाने से ही बहुत काम किया जा सकता है। नाइजर और इसकी सहायक बेन्यू यहाँ की प्रधान नदी हैं। नाइजर का डेल्टा दक्षिणी नाइजीरिया में स्थित है यह गिनी कोस्ट का एक सच्चा नमूना है। इस तट पर समुद्र की भयानक लहरें टकराती हैं। यहाँ के गोरन पड़े उग हुए [illegible] आगाथ [illegible] कई भाग में बाट दिया है। सोना रबड़ और [illegible] नाइजीरिया [illegible] बाहर भेजने के लिए बहुत सी रेलें तट से भीतर [illegible] स्थानीय व्यापार का मार्ग [illegible] रास्ता पर [illegible] जाता है। कपास, [illegible] उगाई जाती है [illegible]

**ब्रिटिश गिनी प्रदेश** [illegible] चारों ओर [illegible] है। [illegible] तथा पश्चिमी [illegible] में [illegible] दक्षिणी नाइजीरिया के [illegible] जो अधिकतर [illegible] है।

**गेम्बिया प्रदेश** [illegible]

शिकारी और मछली मारनेवाले होते हैं। इनके घर वनमानुसों ही जैसे होते हैं। ये लोग प्रकृति के उपासक होते हैं और नहीं पूजते हैं। छोटे छोटे तीर कमान इनके शस्त्र हैं, जिनसे वे हाथी आदि बड़े बड़े जानवरों का शिकार करते हैं।

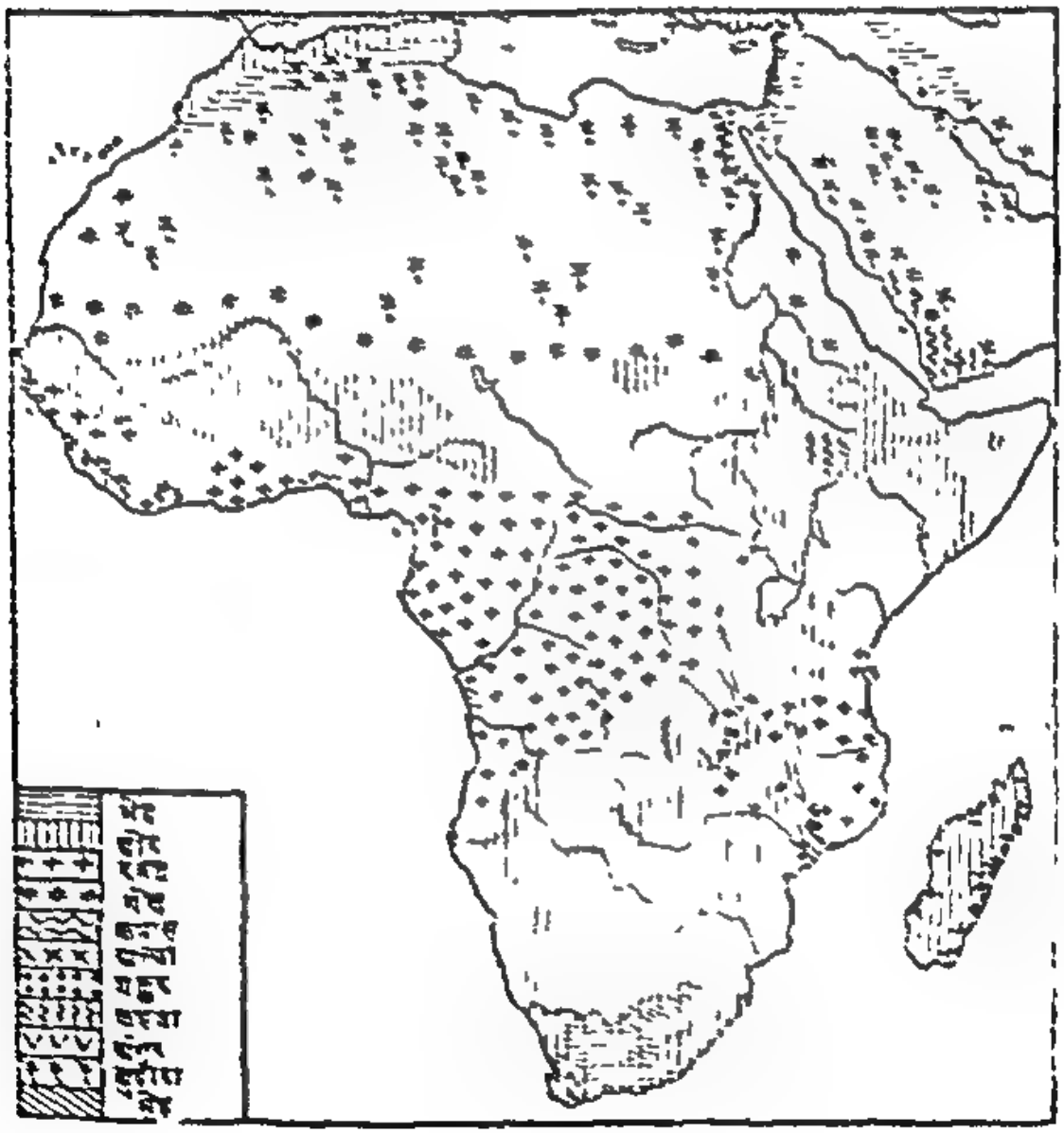

अफ्रीका की सम्पत्ति।

**अंगोला**—(४,८२,००० वर्ग मील, जन-संख्या ४१ भीतरी ऊंच पठार खुला हुआ मैदान है और निचले सघन

# षष्ठ अध्याय

## दक्षिणी अफ्रीका

[illegible] नदी के दक्षिण में अफ्रीका का सर्वोच्च पठार है। तटीय मैदान कहीं भी [illegible] मील से अधिक चौड़ा नहीं है। इस मैदान के ऊपर अफ्रीका का पठार [illegible] की सीढ़ियों के समान ऊँचा उठा हुआ है [illegible] कई सौ मील की [illegible] फुट के [illegible] है। पर डर्बन [illegible] फुट की ऊँचाई पर पहुँच [illegible] ड्रेकन्सबर्ग [illegible] पहुँचते पहुँचते [illegible] ड्रेकन्सबर्ग की [illegible] आरेंज [illegible] वाल [illegible] लाजबर्गन [illegible] लिटिलकारू [illegible] ग्रेकारू [illegible] वेल्ड [illegible]

[illegible]

(२) तट के पीछे का प्रदेश अधिक ऊँचा, शीतोष्ण और पहाड़ी है यहां हरे भरे चरागाह हैं। गेहूँ, जौ, मकई और आलू खूब उगते हैं।

(३) और अधिक भीतर की ओर पहाड़ तथा उच्च मैदान हैं। यह भाग भेड़ और ढोर चराने के काम में आता है। **डर्बन** इस देश का प्रधान बन्दरगाह और कई रेलवे लाइनों का अन्तिम स्टेशन है। यहां से एक रेलवे पठार पर चढ़ कर इस देश की राजधानी **पीटर मारित्सबर्ग** को जाती है। यहां से चल कर यह रेल **लेडी-स्मिथ** पहुँचती है। फिर [illegible] को पार करके **केप-टु-केरो रेल** में [illegible]

**आरेंज फ्री स्टेट** [illegible]

[illegible]

**बोअर-ग्वाले** [illegible]

[illegible] **ब्लोयम्फान्टेन** [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] **प्रिटोरिया** [illegible]

हवादार होते हैं। खानों में काम करनेवाले तथा इन्हीं से व्यापार करनेवाले शहरों में भरे पड़े हैं। ये लोग सदा रहने के लिए नहीं आते, इसलिए जल्दी में टीन व लोहे के घर बना लेते हैं।

**बेचुआनालैंड** (२,७२,००० वर्गमील, जन-संख्या सवा-लाख) केप-उपनिवेश के उत्तर में स्थित है। यहाँ पानी का प्रायः अभाव है। वैसे जलवायु अच्छी है। यह एक अंगरेजी "रक्षित राज्य" है अर्थात् अंगरेज़ी सरकार इस देश को अपने राज्य में मिलाये हुए है। यहाँ शासन करने का अधिकार रखता है [illegible] दूसरी योरुपीय जातियों को यहाँ नहीं आने देता

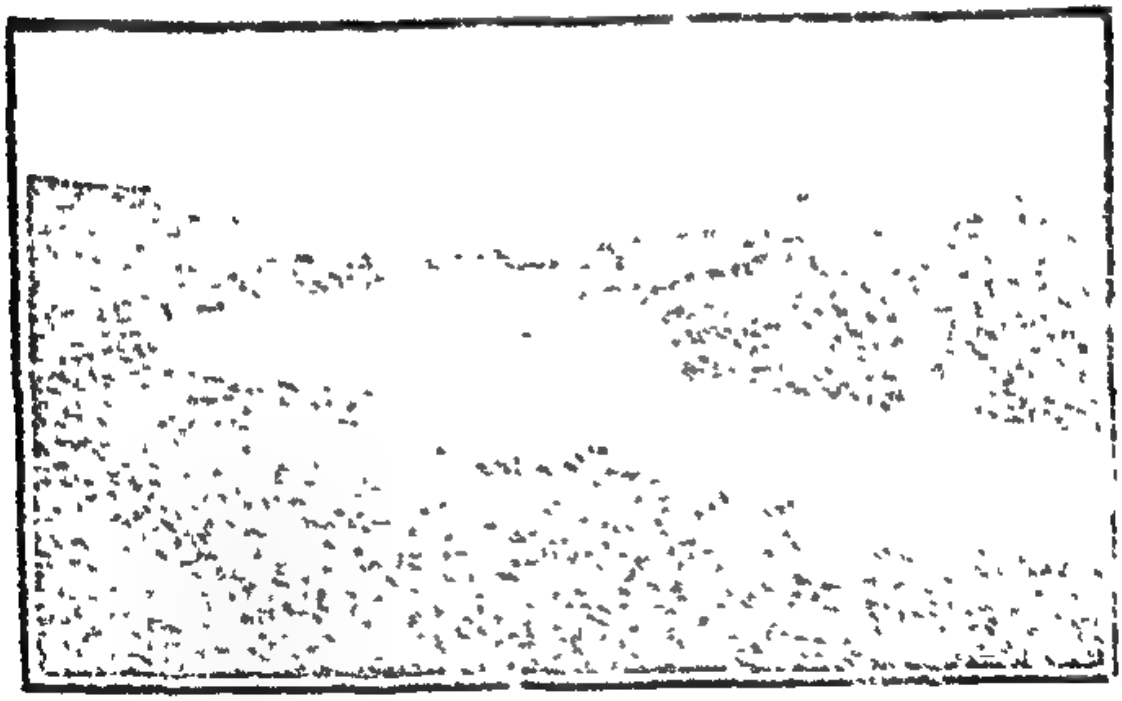

[illegible]

**बसूटालैंड** [illegible]

[illegible]

भारतवर्ष का मानचित्र

करती है। लेकिन कार्डिलेरा चौड़ा तथा ऊँचा होता जाता है और लिवरपूलरेंज (४,२०० फ़ुट) न्यू-इंग्लैंड-रेंज और मैकफर्सनरेंज (५,२०० फ़ुट) के नाम से प्रसिद्ध है। स्वीन्सलैंड में पश्चिम से लेकर पूर्व तक पहाड़ी प्रदेश की चौड़ाई ३०० मील है और केपयार्क से प्रायद्वीप में इसके बेलेडिकनकर मार्टिन की ऊँचाई साढ़े पाँच हज़ार फ़ुट हो गई है।

ये पहाड़ियाँ निस्सन्देह ऊँची हैं परन्तु जिन पहाड़ों के ये भग्नावशेष हैं, वे इनसे भी कहीं अधिक ऊँचे थे [illegible] और [illegible] चढ़ाने, [illegible] के [illegible] और [illegible] प्रकट करती हैं कि जिस तरह [illegible] के एक किनारे [illegible] में) [illegible] हैं [illegible] ग्रेटडिवाइडिंगरेंज [illegible] बेन लोमाड [illegible] मध्यवर्ती मैदान— [illegible] आयर झील [illegible]

नदियों द्वारा क्रीस्सलैंड के पठार की मिट्टी इसमें बह आने से इस झील का आकार बहुत छोटा हो गया है। टारेन्स झील प्रायः सौ मील लम्बा नमक का दलदल है।

**आर्टिज़यन प्रदेश—कार्पेंट्रिया** की खाड़ी और **डार्लिंग-नदी** की सहायक **मरम्बिजी** के बीच के प्रदेश को प्रायः आर्टिज़न प्रदेश कहते हैं। यह उत्तर से दक्षिण तक १,८७० मील लम्बा तथा पूर्व से पश्चिम तक ३०० मील चौड़ा है। यह जल सोखने-वाली तहों से बना हुआ है जिनमें होकर पानी बह जाता है और नीचे का

[illegible]

[illegible]

[illegible] होता है [illegible] और भी आर्टिज़यन प्रदेश है।

**पश्चिमी पठार**—यह प्रदेश [illegible] सख्त चट्टान

रेखा तक पहुँची है। इस रेखा के आगे पानी का तापक्रम इतना ऊँचा नहीं रहता जिसमें मूँगे का कीड़ा जीवित रह सके।

भीतरी प्राकृतिक समतलता से टक्कर लेने में सपाट तट भी कुछ पीछे नहीं है। स्पेन्सर और कारपेन्ट्रिया की खाड़ियों के समीप ही तट कुछ कुछ कटा फटा है। ग्रेट **आस्ट्रेलियन बाइट** के किनारे किनारे ऊँची ऊँची प्रायः चूने की दीवारें चली गई हैं।

**आस्ट्रेलिया की नदियाँ**—आस्ट्रेलिया के समुद्र तटवाले मैदान बहुत ही संकुचित हैं [illegible] होकर छोटी छोटी नदियाँ बहती हैं। **स्वान** नदी पश्चिमी पठार के किनारे से निकल कर हिन्द-महासागर में गिरती है। पूर्वी [illegible] **बरडेकिन फिट्ज़राय, ब्रिस्बेन, हंटर** तथा [illegible] के किनारेवाले [illegible] दरसाती है [illegible]

यदि **डार्लिंग** [illegible] **कंडेमाइन** [illegible] **लिवरपूल** [illegible] **ब्लू नीले** [illegible] **मरम्बिजी** [illegible] **मरे** [illegible]

के किनारे को सूर्य के सामने कर लेते हैं। कुछ की चमड़े के समान पत्तियाँ होती हैं। कुछ तेल बहा कर जमा लेते हैं और कुछ पानी की तलाश में अपनी जड़ों को अत्यन्त गहराई तक पहुँचा देते हैं इस प्रकार की बिरली, छोटे क़द की वनस्पति को कटीली झाड़ी या स्क्रब

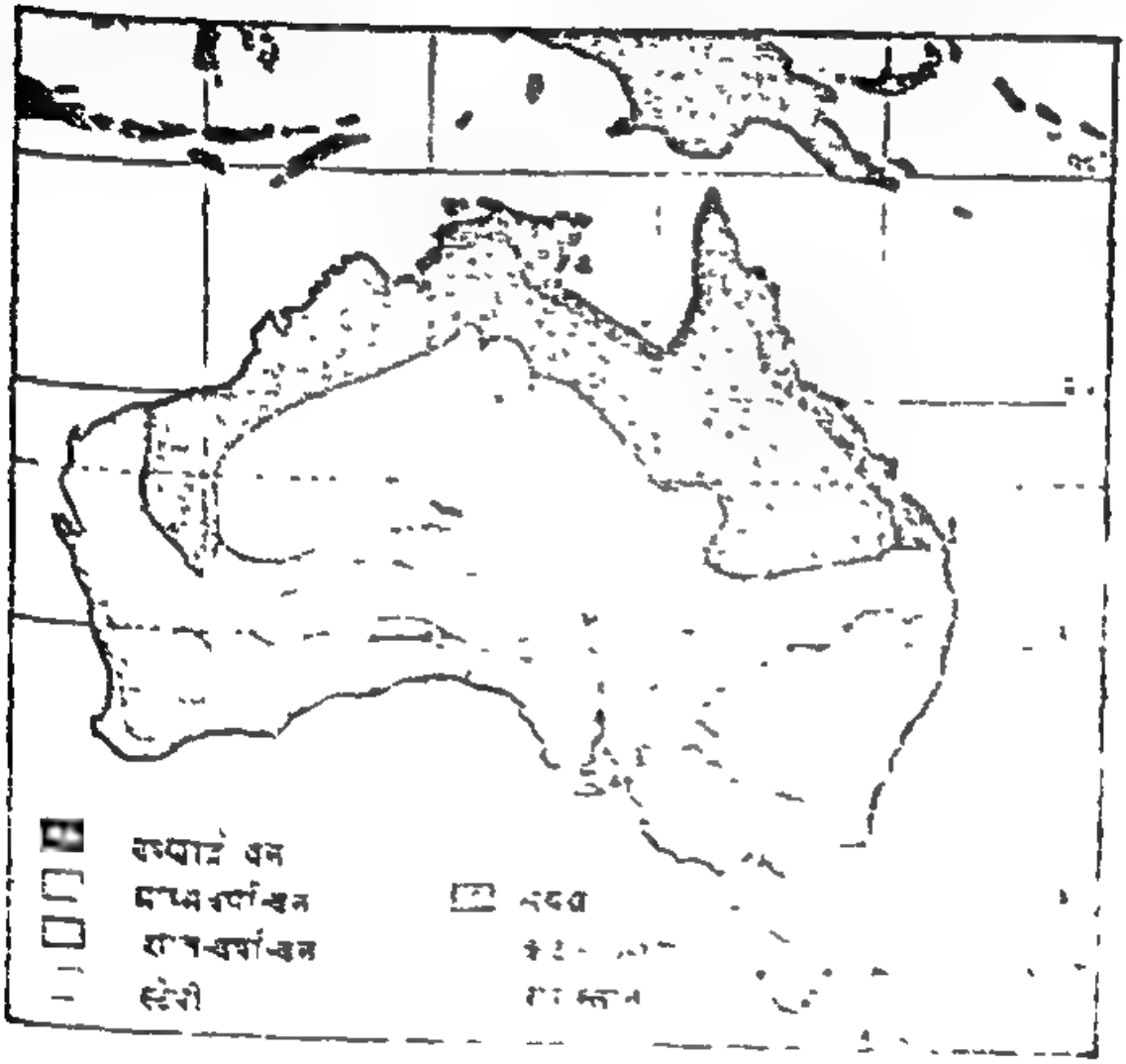


आस्ट्रेलिया का प्राकृतिक वनस्पति

रहते हैं। मालीस्क्रब कुरूप [illegible] होता है [illegible] तीन गज ऊँचा होता है और [illegible] कि इसका [illegible] प्रायः दुर्गम हो जाता है। [illegible] विक्टोरिया के [illegible] वर्ग [illegible] ऐसे ही सघन जङ्गल [illegible] है [illegible] विक्टोरिया के

[illegible] है और [illegible] पश्चिम की ओर [illegible] रेतीली [illegible] में परिणत हो गया है।

[illegible] प्राकृतिक [illegible] की [illegible] पैदावार और [illegible] हैं। [illegible] नदियों ने [illegible] के [illegible] पर [illegible] और [illegible] की [illegible] दी है। [illegible] प्रदेश की [illegible] हैं। [illegible] का [illegible] हुआ [illegible] था। [illegible] और [illegible] प्रदेश में [illegible] है। [illegible] और [illegible] के [illegible] की [illegible] थी, [illegible] नदियों ने [illegible] के लिए [illegible] की [illegible] और [illegible] हुआ। [illegible] और [illegible] में [illegible] है [illegible] और [illegible] में [illegible] होती है

[illegible] के [illegible] **माउटमारिगन** [illegible] **चार्टर्स-टावर्स** [illegible] **डार्लिंग-डाउन्स** [illegible]

होती है, रिवरीना प्रान्त का पानी अपरलाचलान और मरम्बिजी-द्वारा डार्लिंग में बह जाता है। यहाँ सिंचाई हो जाने पर गेहूँ और भाँति भाँति के फल पैदा होते हैं।

**सिडनी** आस्ट्रेलिया का सबसे पुराना नगर है। यह समुद्र के एक मनोहर भाग में स्थित है। यह जल-विभाग बहुत दूर थल के भीतर तक चला गया है। यहाँ गहरे पानी का १०० मील विस्तार है। कई पथरीले स्थल से सुरक्षित होने के कारण यह दुनिया के मनोहर और उपयोगी बन्दरगाहों में से एक है। न्यूसाथवेल्स के तट के मध्य में स्थित होने से यह अनुकूल राजधानी बन गया। इसकी स्थिति और बनावट इतनी मनोहर है कि यह [illegible] कहलाती है, [illegible] यहाँ तैयार किया जाता है [illegible] की छाल [illegible] की लकड़ी [illegible] चिर्दा बनती है [illegible] में स्थित है [illegible] न्यूकासल [illegible] [illegible] बेथर्स्ट [illegible] [illegible] गोलबर्न [illegible]

[illegible] अधिक (३,००० [illegible]) [illegible] देश है। [illegible] [illegible] है, [illegible] [illegible] है, [illegible] दिया है। [illegible] हुए हैं। [illegible] पेर्टफिलिप [illegible] है। [illegible] ८,००० फुट से भी अधिक [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible] है। [illegible] हैं [illegible] [illegible] ढेलाराट [illegible] है टिनो [illegible]

[illegible]

खानों में खुदाई होती है। और खुश्क प्रदेश में स्थित जेराल्डटन बाल्गू और मरकीसन प्रान्तों का सोना, तांबा और पारा बाहर भेजता है।

इस उपनिवेश में खानों के सामने खेती व चराई का कुछ भी महत्व नहीं है। पटार से पश्चिम की ओर बहनेवाली नदियों की घाटियाँ उपजाऊ हैं। इनमें गेहूँ उगाया जाता है और भेड़ें व ढोर चराये जाते हैं। उत्तर में समुद्रतट से लगा हुआ किम्बरली प्रदेश उपजाऊ है। फिट्जराय की घाटी में चराई होती है, पर जलवायु बसने योग्य नहीं है। यहाँ नगर या तो सोने की खानों के छोटे छोटे केन्द्र हैं, या बन्दरगाह हैं, जहाँ मोती, मूँगे निकालने का काम होता है।

आस्ट्रेलिया में शहरों की जन-संख्या बढ़ रही है, पर गाँवों की घट रही है। [illegible] विस्तार में तीन लाख ८० हजार वर्गमील है। पर इस समस्त उपनिवेश की आधे से भी अधिक जन-संख्या एक एडोलेड शहर में बसी हुई है। इसी प्रकार विक्टोरिया और न्यूसाउथवेल्स में क्रमशः [illegible] व [illegible] की सदा जन-संख्या [illegible] एक [illegible] में [illegible] हुई है। आस्ट्रेलिया भर की [illegible] में निवास करता है। शहरों में बड़ी [illegible] में [illegible] समस्या बड़ी [illegible] [illegible] गये। पर गाँवों [illegible] शहरों के प्रलोभनों [illegible] जन-संख्या [illegible] शिक्षा निःशुल्क, अनिवार्य तथा [illegible] है। उच्च शिक्षा निःशुल्क नहीं है पर [illegible] है जिससे अत्यन्त निर्धन बालक भी उच्च से उच्च शिक्षा पा सकें। कृषि तथा

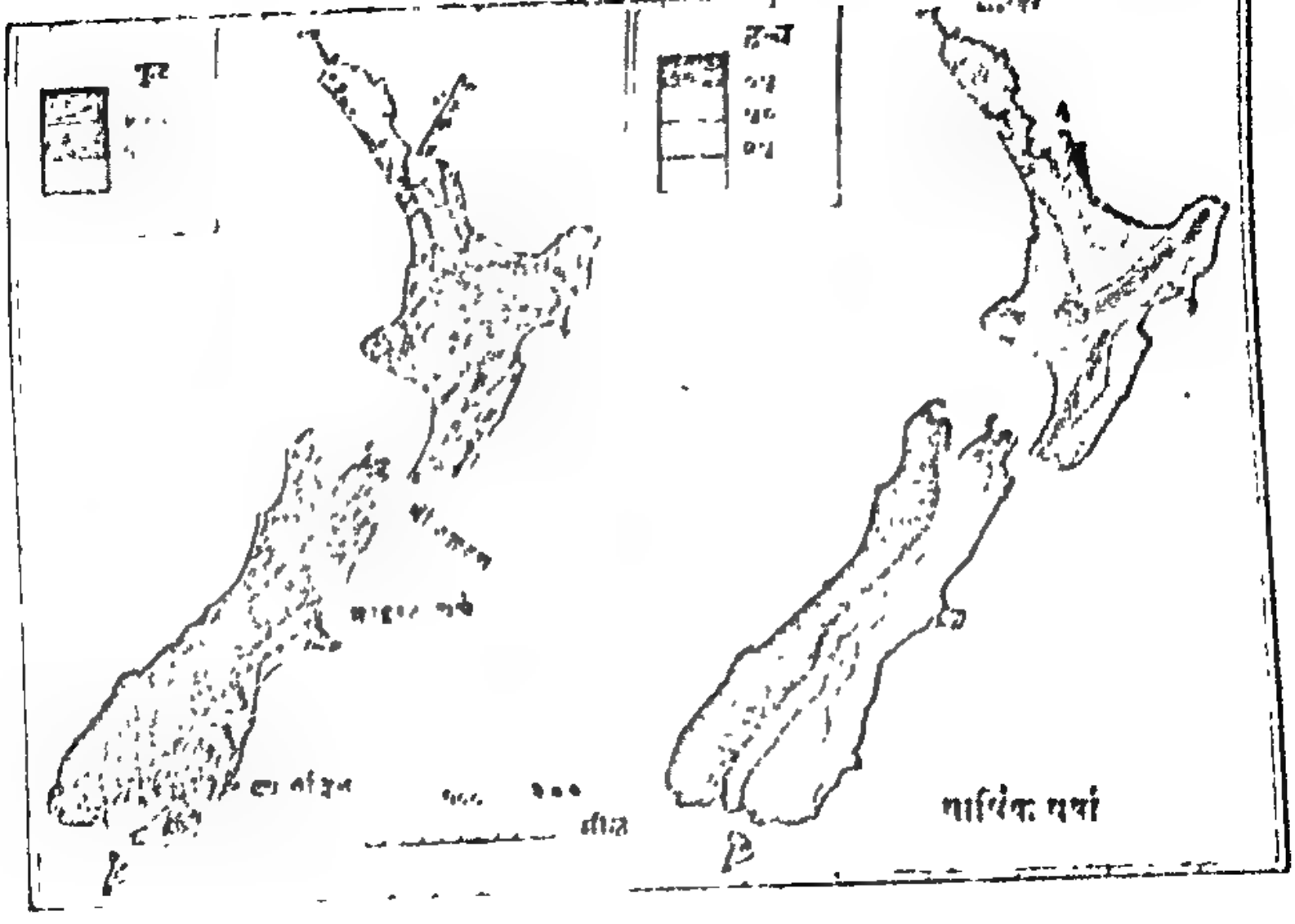


न्यूजीलैण्ड के प्राकृतिक विभाग और वर्षा।

इनका रङ्ग भूरा और शरीर गठा हुआ होता है। ये लोग बुद्धिमान् और चतुर होते हैं। आस्ट्रेलिया के मूलनिवासियों और इनमें आकाश-पाताल का अन्तर है। योरुपियों के आने के पहले ही ये लोग सभ्य थे। इसलिए इन्होंने अपने देश को गोरों के आक्रमण से बचाने में बड़ी वीरता का परिचय दिया। विदेशी आक्रमण से भयभीत होकर ये कहा करते थे कि जैसे गोरों के चूहे ने हमारे चूहे को नष्ट कर दिया और जैसे विलायती मक्खी देशी मक्खी और विलायती घास देशी झाड़ी को दूर कर रही है, उसी प्रकार गोरों के फैलने से हम ( माओरी ) लोग भी नष्ट हो जायँगे। फिर भी [illegible] में कुछ जिले माओरी लोगों के लिए सुरक्षित हैं। इस समय इनकी संख्या प्रायः ५० ००० है। विलायती रहन-सहन [illegible] कुशलता दिखला रहे हैं [illegible] करते हैं [illegible] अंगरेजी हैं [illegible]

**पेशे**—[illegible]

[illegible] **केन्टरबरी** [illegible]

[illegible]

मूल्यवान् दिसावरी वस्तु हैं। मक्खन, पनीर, खाल और चमड़ा भी बाहर भेजा जाता है। मूल्य के अनुसार बाहर जानेवाली वस्तुओं में सोने का दूसरा स्थान है। विलायत पहुँचने में कई सप्ताह लग जाते हैं। इसलिए अच्छी दशा में रखने के लिए मांस और मक्खन आदि ठंडी कोठरियों* में बन्द रक्खे जाते हैं। लोहा, फ़ौलादी सामान और कपड़े बाहर से आते हैं।

---

*हिम-गृह प्रायः समुद्र तट के पास बनाया जाता है जिससे जहाज पर सामान लादने में सुभीता हो।

पहले भेड़ें बड़ी सफ़ाई [illegible] उतार ली जाती हैं [illegible] रखते हैं। फिर [illegible] यह एक बड़ा कमरा [illegible] धूप और गरमी [illegible]

कभी कभी [illegible] है। बाहर [illegible] जाना पड़ता है [illegible] कर [illegible] कर लेता है [illegible] मुँह से निकलता [illegible] दुकान पर [illegible] लटका रहता है [illegible] विलायत [illegible] वायुमंडल [illegible] बाहर की खुली हवा में [illegible]

हिम-गृह में कठोर जाड़े [illegible] जोर से [illegible] ताप क्रमवाली है। [illegible]

# अनुक्रमणिका तथा कोष।


अजर बैजान, Arerbaijan ४६
अज़ोब, Azov, १००,१६८
अटलांटिक, Atlantic Ocean १००
अन्तः प्रवाह, Inland drainage area ४
अदन, Aden ६६
अनाम, Anam ६४
अफ़्ग़ानिस्तान, Afghanistan ६५
अमूर नदी, Amur ११,३६
अर्ज़ेबर्ज़, Erzgebirge १५५
अर्जेन्टायना, Argentina ३१३
अरब, Arabia ७,६८
अरल सागर, Aral Sea ३,४
अलटाई, Altai ५
अल्प्स, Alps १०४
अलप्पो, Aleppo ५१,५२
अस्पलाटा दर्रा, Uspallata Pass ३१३
अक्षांश, Latitude २

(आ)

आइरिश-फ्री-स्टेट, Irish Free State २२०
आइबेरियन प्रायद्वीप, Iberian Peninsula १००
आयसलैंड, Iceland १५०
आक्सफ़ड, Oxford २२०
आग्नेय धरती, Volcanic Soil ४६४
आंटेरियो, Ontario २६७
आर्डेन्स, Ardennes १०८,१७५
आपूसम (पशु), Opossum ४३२
आर्मेनियन पठार, Armenian Plateau ४८
आयर झील, Eyre L. ४१७,४१८
आयरन गेट, Iron gate १२०
आर्कटिक वृत्त, Arctic circle २
आर्नो नदी, Arno R. २०४
आर्किज़ियन कुआं, Artesian Well ४१६
आर, Aar १८६
आरेंज फ्री स्टेट, Orange Free State ४०६
आलबेनी, Albany ४५४
आशियो, Ashio ८७
आस्ट्रिया, Austria १८७
आस्ट्रेलियन, अल्प्स Australian Alps ४१६,४२१
आस्लो, Oslo १४४

(इ)

इक्वीटास, Iquitos ३३६
इचांग, Ichang ७१,७३
इटना, Etna २०५
इटली, Italy २००
इंडोचीन, Indo China २८,६१
इन नदी, Inn R. १२०,१५२,१८४
इकुटस्क, Irkutsk ४५
इर्टिश, Irtish ३८
इरावदी न० Irawadi १०

ओखोत्स्क समुद्र, Sea of Okhotsk [illegible]

ओटावा, Ottawa [illegible]

ओटर, Otter [illegible]

ओडेसा, Odessa [illegible]

[illegible]

कस्केड पहाड़, Cascades [illegible]

कैरो, Cairo [illegible]

काकेशस, Caucasus [illegible]

[illegible]

कोस्टारिका, Costa Rica ३०५
कगारू द्वीप, Kangaroo Is. ४२०
क्यूरायल, Kurile Is. ६०
क्वेन लुन, Kuen Lun ४
क्राइस्ट चर्च, Christchurch ४६०
क्रास्नोयार्स्क, Krasnoyarsk ४५
क्रास्नो वोडस्क, Krasnovodsk ६२
क्लाइड, Clyde २१५
क्वीटो, Quito ३१३, ३३४
क्वीन्सलैण्ड, Queensland ४४२
क्यूबा, Cuba ३०८, ३०६
क्यूबेक, Quebec २३५, २६७, २६८, २६६
कृष्णसागर, Black Sea १६६, २११
क्रसमसद्वीप, Christmas Is ६६
क्वेटा, Queta ६५
क्रेनबेरी फल, Cranberry १२१
क्रोबेरी, Crowberry १२१
क्रोशिया, Croatia २०६

(ख)

खामसिन, Khamsin ३८४
खारकोफ, Kharkof १७१
खार्टूम, Khartum ३८७
खीवा, Khiva ६०
खोकन्द, Khokand ६०

(ग)

गल्फ स्ट्रीम, Gulf Stream ११६
गडियाना, Guadiana १६५
गाडेलक्विवर, Gandalquiver १६५, १६८
गायना के पठार, Guiana Highlands ३१४
गार्डा, Garda १८४
गाल, Gaul १८२
गाल्वेस्टन, Galveston २६१
गिनी की खाड़ी, Gulf of Guinea ३५५
ग्वाको, Gauchos ३२४
गेन्ट, Ghent १७६
गेरोन बेसिन, Garonne Basin १७६
गेलापेगोस, Galapagos ३३५
गेहूं के प्रदेश, Wheat region २७५
गेम्बिया प्रदेश, Gambia, ३६६
गेलिशिया, Galicia १६१
गोटा, Gota १३६, १४४
गोथार्ड, Gothard १८४
गोथेन बर्ग, Gotenborg १४०, १४४
गोर्ज, Gorge १०
गोल्ड कोस्ट, Gold Coast ४००
गोल्डनगेट, Golden Gate २४८
गोल्ड रेंज, Gold Range २७८
गंगा, Ganges १०
ग्राज़, Graz १८७
ग्रैन चाको, Gran Chaco ३४३
ग्रान्ड ट्रक पेसिफिक, Grand Trunk Pacific Ry. २४२
ग्लास्गो, Glasgow २१८, २१६
ग्वाटमाला, Guatemala ३०६
ग्वेक्विल, Guayquil ३३३
ग्रीन लैण्ड, Greenland १४७, २२५
ग्रेट कारू, Great Karroo ४०५
ग्रेट डिवाइड, Great Divide २४४
ग्रेट डिवाइडिंग रेंज, Great Dividing Range ४१७, ४२८

ग्रेट बियर Great Bear ३३०
ग्रेट ब्रिटेन, Great Britain ३१३
ग्रेट बेसिन, Great Basin ३४६
ग्रेट बैरियर रीफ, Great Barrier Reef ४२०, ४४४
ग्रेट लेक्स, Great Lakes ३३२
ग्रेट साल्टलेक, Great Salt Lake ३४६,३८७
ग्रेट स्लेव, Great Slave ३३०
ग्रेम्पियन, Grampian ३१३
ग्लैमार्गन, Glamorgan ३१८
ग्लोमेन, Glommen ३३६

(घ)

घराई, Ghorzing ३७६
घाड, Ghaul ३६४
घाडियर प्रपात, Ghandia Falls ३७१
घाटम टावस, Ghantam Towers ४४३
घाल्मदल, Ghorbund ३४१
घिनक Ghinak ४४१,४४८
घिम्बराजो, Ghimbaraju ३१३
घिर्नी, Ghirni ३२८,३३८
घीन Ghin ४८
घान सागर, Ghan Sea
घोनी तुर्किस्तान, Chinese Turkestan ७१
चगकिंग, Chungking ६८
चेका स्लोवेकिया, Czecho-Slovakia ३६८
चेमल्पो Chemulpo ६१
चैथम, Chatham, ३९८

चोसन, Chosen ७३,६१

(ज)

जटलैंड, Jutland १४७
जर्मनी, Germany १५१
जरफ्शा, Zarfashan ६८
जलविभाजक, Water parting १८८
जलशक्ति, Water-power १८५
जङ्गेरियनगेट, Zungarian Gate ३८
जाग्रोस, Zagros ४
जापान, Japan ८७
जाफा, Jaffa ५४
जाजटाउन, George Town ४४१
जावा, Java ४,५७,१७७
जिबराल्टर, Gibraltar १६८,३५३
जीलड Zealand १५७
जेनेवा, Geneva १८३,१८४
जेनोआ, Genoa २०३,२०३
ज्यूडरजी, Zuiderzee १७५

(झ)

झीना का पठार, Lake-plateau ३८८

(ट)

टसमेनिया, Tasmania ४२५,४२७
टाउन्सविली, Townsville ४४५
टोंकिंग, Tongking १७,६४
टानानेरिवो, Tananarivo २६६
टारस पहाड़, Taurus ४,५१
टारस जलसंयोजक Torres Strait ४२७
टिएनसिन, Tientsin ७५
टिटीकाका झील, Titicaca L. ३१२, ३१५

टिफ्लिस, Tiflis ४७, ७९
टिम्बक्टू, Timbuktu ३९८
टिसिनो, Ticino १८५
टीहांटीपेक, Tehuantepec २४१
ट्यूनिस, Tunis ३६२
टूला, Tula १६८
टूलूज़, Toulouse १७६
टूरिन, Turin २८२
टेगस नदी, Tagus १६५
टेम्पिको, Tampico ३८२
टेम्सनदी, Thames २१५
टेबिलबे, Table Bay ३५३
टेरा डेल्फ्यूगो, Tierra del Fuego ३२६
टैपेहोज़, Tapajose ३१५
टैगा, Taiga २२,३३
टैन्जीयर्स, Tangiers ३७७
टोबल नदी, Tobol ३७
टोबल्स्क, Tobolsk ४५
टोक्यो, Tokyo ८९
टुंड्रा, Tundra २१,२२,२७,१२१
ट्रान्स कास्पियन रेलवे, Trans-Caspian Railway ६३
ट्रांसिल्वेनिया, Transylvania २२८
ट्रान्सकान्टीनेंटल रेलवे, Trans-continental २७८
ट्रान्सवाल, Transvaal ४२९
ट्रिनिडाड, Trinidad ३९८
ट्रिपोली, Tripoli ३७९
ट्रीस्ट, Trieste २२२

(ड)

डगलस पत्र, Douglas Fir २५२
डच गायना, Dutch Guiana १७७
डबलिन, Dublin २२८
डर्बन, Durban, ४२६, ४१८
डलमेशिया, Dalmatia, २२८, २२९
डाउन्स, Downs ४३१
डान, Don १५९
डार्डनेल्स, Dardanelles १००
डार्लिंग, Darling ४१६, ४२१, ४४३
डिजान, Dijon १७८
डिनारिक अल्प्स, Dinaric Alps १९०
डिपी, Dieppe १८१
डिंगो, Dingo ४३२
डीट्राइट, Detroit २३३
डुलूथ, Duluth २६७
डूना, Duna १५९
डेकोटा, Dakota २८६
डेथवैली, Death Valley २४५
डेन्माक, Denmark १४७
डेन्यूब, Danube १२४, ११२, १२०, २०५, २०७, २०९
डेन्वर, Denver २६७
डेफ्ट, Delft १७१
डेमरारा, Demerara ३३२
डेल्टा, Delta ३८
डेवनपोर्ट, Devonport २१९
डेंजिग, Danzig १५८, १५३
डोब्रूजा, Dobruja २०७
ड्रेकन्सबर्ग पहाड, Drakensberg Mountains ४२५
ड्रेस्डन, Dresden १५८

नेपाल, Nepal ३३७
नेपाल, Nepal ३८७
नेपाली, Nepali ३८८
न्यूकैलेडोनिया, New Caledonia ३५५
न्यूजा, Nyasa ३१६
न्यूफाउंडलैंड, Newfoundland ३४६
न्यूबरी, Newbury ३४७
न्यूब्रिटेनिया, New Britain ३१५, ३१६
न्यूगिनी द्वीप, New Guinea ३१५, ३१६, ३१७
न्यूजीलैंड, New Zealand ३४६
न्यूजर्सी, New Jersey ३४८
न्यूफाउंडलैंड द्वीप, Newfoundland ३३८, ३६२
न्यूब्रन्सविक, New Brunswick ३६६
न्यूयार्क, New York ३६८, ३६९
न्यूसाउथवेल्स, New South Wales ४५५
न्यूहेवेन द्वीप, New Hebrides ४६३

( प )

पश्चिमी अफ्रीका, West Africa ३४८
पश्चिमी घाट, West Ghats ३६८
पश्चिमी सूडान, West Sudan ३६७
पहाड़ी इलाके, Highlands ४८
पनामा, Panama ३८५, ३८६
पम्पास, Pampas ३३३
पराग्वेयन, Paraguayan—Parana ३१४, ३१५
परनाम्बूको, Pernambuco ३५३
पर्थ, Perth ४८७
पर्थ सीट, Perth seat ३८३
पर्वतीय, Peruvian ३४
पर्सीपोलिस, Persepolis ४
पारा, Para ३५८
पाल्मो, Palmyra ३१३, ३१५, ३३६
पिरियस, Piraeus ३११
पिरेनीज़, Pyrenees १३६, १७८, ३७८
पिलेकोलेनो, Pilcomayo ३४३
पीट (ईंधन), Peat ३१८
पीटरमारिट्सबर्ग, Pietermaritzburg ४०६
पीनाइन, Pennines १८३, ३१६
पीतसागर, Yellow Sea ३
पीस, Peace ३७६
पुर्तगाल, Portugal ३६३
पूर्वी एशिया, Eastern Asia ७८
पूर्वी हिंदमहद, East Indies ६७
पेकिंग, Peking ७५
पेटगोनियन स्टेपी, Patagonian Steppe ३३६
पेन्सिलवेनिया, Pennsylvania ३६८
पेमबा, Pemba ३६३
पेमब्रोक, Pembroke ३१८
पेरिस, Prairie ६८
पेरिस, Paris ३८१
पेरू, Peru ३३५
पेरेग्वे, Paraguay ३४६
पो, Po ३००, ३०१

फेज, Fez ३७१, ३७३
फेरात, Feratin ३७१
फेरोज़ीन, Faroe १९७, १९८
फेल्ट, Felt १३५, १८७
फोर्ट, Fort ३३१
फोर्ट विलियम, Fort William ३७३
फ्रांस, France १७८
फ्रांसीसी इन्दोचीन, French Indo-China ६४
फ्रीटाउन, Freetown ४८८
फ्री स्टेट, Free State ३३८
फ्रेजर, Fraser ३४३, ३७८
फ्रेंचगुयाना, Fray Bentos ३३६, ३४१
फ्लोरेन्स, Florence ३८३, ३८४

(ब)

बगदाद, Bagdad १५१
बर्न, Burn १८
बटम, Batum ५०
बिलाओ, Bilao ३३८
बर्मीजिंघम गेट, Birmingham Gate १८१
बर्न, Bern १८३
बर्लिन, Berlin १८४
बर्मिंघम, Birmingham ३८१
बर्गेन, Bergen १३७
बर्मा, Burma १८८-१९१
बर्फ़, Barf ३७१
बलूची, Baluchi ३७१
बलोड, Balod ३८१
बलोचिस्तान, Baluchistan ३८८
बल्ल आयल, Bell Isle ३१३
बाल्टिक आयल, Baltic Sea १८८, १९१, १९१
बाल्टिक हाइट्स, Heights १८४
बाल्कन पहाड़, Balkan Mountains ११४
बासल, Basel १५४, १५१
बाली द्वीप, Bali Is. ७
बाहिया ब्लान्का, Bahia Blanca ३४४
बाहिया, Bahia ३५७
बास-स्ट्रेट्स, Bass Strt. ४८०
ब्रिटनी, Britany १८८
ब्रिन्डिसी, Brundisi ३८३, ३८४
ब्रिटिश होंडुरास, Br Honduras ३८८
ब्रिटिशगायना, Br Guiana ३३१
ब्रिटिश सिमीलैंड, Guinea ३६६
ब्रिस्टोलिस्तान, Palaestan ६४, ६५
ब्लूमाउन्टेन, B M ... ४१६, ४३१
ब्रिस्के, ... १८७
ब्रिस्टल, Bristol ३३१, ४४४
ब्रिस्मार्क द्वीप, ... ४१५
ब्रिस्टल, Bristo ३१५
बीच, Beech १८७
बुकोविना, Bukowina ३८३
बुखारेस्ट, Bucharest ३८८

ভূমধ্যরেখা-প্রদেশ, Equatorial region ১৮০
ভূমধ্যসাগর, Mediterranean Sea ৭,৩৪৪
ভূমধ্যসাগর প্রদেশ, Mediterranean region ৩৫,৭৬

(ম)

মকররেখা, Tropic of Cap[illegible] ৩৪৫
মক্কা, Me[illegible] ৭৮
মজুর, M[illegible]
[illegible]
[illegible]

মাটো গ্রসো, Matto Grasso ৩১৮, ৩৫৮
মন্ট্রিয়ল, Montreal ২৭৬
মৌসুমী হাওয়া, Monsoon Winds ৭৬
মন্স, Mons ৭৩৭
[illegible], M[illegible] ৩২৭, ৩৩৩, ৩৩৮,৩৩৬
[illegible]
[illegible]

रेशेदार पौधे, Fibrous plants ३३
रोज़ारियो, Rosario ३४५
रोडाल्फ़, Rudolph ३६१
रोडेशिया, Rhodesia ४१०
रोन, Rhone ११८, १५६
रोम, Rome ३८३
रोस्तोव, Rostov १७८
रयूस नदी, Reuss १३८, १८९

( ल )

लघुअरारात, Little Ararat ४८
लंकाशायर, Lancashire २१६
लैब्राडोर, Labrador ३३८
लागुएरा, La Guaira ३३८
लाप्लाटा, La Plata ३४७
लापाज़, La Paz ३१७
लाब्रेडर, Labrador ६,६३
लामा, Llama ३१७
लानोज़, Llanos ३७१, ३३८
लालसागर, Red Sea १, ३४५
लारेन, Lorraine १५५
लारेंशियन पठार, Laurentian Plateau ३३८, ३३७
लासएंजेलीज़, Los Angeles ३६७
लासा, Lhasa ८१
लासेन, Lausanne ३१७
लिमोज़, Lyon १७८, ३८७
लियोपोल्डविली, Leopoldville ४८७
लिटिलकारू, Little Karroo ४८५
लिथुएनिया, Lithuania १७७
लिवरी, Lyon ३८५
लिल, Lille १८१
लिवरपूल, Liverpool ३१५
लिवरपूलरेंज, Liverpool Range ४१७, ४२१
लिसबन, Lisbon १६७
लीड्स, Leeds ३२८
लीज, Liege १७१
लीथ, Leith ३३१
लीना, Lena ३८
लीवर्ड, Leeward ३०६
लुडविग, Ludwig १५७
लुरन, Luron ६८
लेकप्राय द्वीप, Lake-peninsula ३७१
लेबानन, ३८३
लेटविया, Latvia १७३
लेडीस्मिथ, Lady Smith ४८६
लेनिनग्रेड, Leningrad ११६, १७८
लेब्राडार, Labrador ३१४
लेचीन, Lachine ३३५
लेन्डीज़, Landes १७८
लैप, Lappe १३८
लोअर कारू, Lower Karroo ४८१
लोअर फ्रेज़र, Lower Fraser ३८८
लोबेटो, Lobito ३१८
लोहू, Lodz १६७
लोबेन, L... ३११
लोब्राक द्वीप, ... ३७
लोबानन पर्वत, ... १८८
लंदन, ... ११८, ३०१
लोनहेड, ... ७८
लिंकनशायर, ... ३१८
लोबटा, ...

हिमालय, Himalayas ४०६
हुआलागा, Huallaga ३१६, ३३६
हुरनझील, Huron L. २७१, २३०
हेइटी Haiti ३०८, ३०९
हेक्ला पहाड़, Hekla १५०
हेग, Hague १७६
हेमिल्टन, Hamilton २७२
हेरात, Herat ६५
हेलमन्द नदी, Helmand ६५
हेलीफैक्स, Halifax २३५, २६५, २६६, २७८
हेलसिङ्ग फोर्स, Helsingfors १७३
हैम्बर्ग, Hamburg १५९
हेकैडो, Hakkaido ८३
होबार्ट, Hobart ४५१
हङ्गारियन गेट, Hungarian gate १९०
हंगरी, Hungary १९०
ह्वांगहो, Hwangho ११, १२, ७०, ७१, ७२, ७५, ७९
ह्यू, Hue ९४

(क्ष)

क्षेत्रफल, Area १

(त्र)

त्रिबिजन्द, Trebizond ५१

और वर्णचक ।

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |